THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 89 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्योष्ठ.14 2081 शुक्रवार, 21 जून-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस ने बनाई फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने फैक्ट फाइंडिंग कमेठी का गठन किया है। लोकसभा चुनाव 2024 में जिन राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन पूरी तरह से खराब रहा और जिन राज्यों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा, अब ये कमेटी हार और खराब प्रदर्शन के कारणों को जानेगी। लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन बहुत बुरा रहा है, उनमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और दिल्ली के नाम शामिल हैं। मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के हिस्से एक सीट भी नहीं आई। वहीं, कर्नाटक और तेलंगाना में भी उसका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है।

आतंकी हमले करने वालों को सबक सिखाएंगे : पीएम

सरकार ने हालिया घटनाओं को गंभीरता से लिया

श्रीनगर, 20 जून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम को दो दिन के दौरे पर जम्मू-कश्मीर पहुंचे। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में 'एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जम्मू-कश्मीर' इवेंट में शामिल हुए। यहां उन्होंने युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही 1500 करोड़ के 84 प्रोजेक्ट्स और कृषि और इससे जुड़े सेक्टर्स के विकास के लिए 1800 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार काम करती है और नतीजे दिखाती है। तीसरी बार सरकार बनाने से दुनिया को स्थिरता का संदेश मिला है। हमारी सरकार को लेट-लतीफी पसंद नहीं है। आज जो बदलाव जम्मू-कश्मीर में दिख रहे हैं, वह बीते 10 साल में हमारे काम का नतीजा है। इसके साथ ही उन्होंने बीते दिनों में जम्मू के कई जिलों में हुए आतंकी हमलों पर कहा- हमारी सरकार ने हालिया हुए आतंकी हमलों को गंभीरता से लिया है। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को सबक सिखाने में हिचकिचाएंगे नहीं।

पीएम मोदी 21 जून को योग दिवस पर सुबह 6.30 बजे से कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत एसकेआईसीसी के बैकयार्ड में डल झील के किनारे योग आसन करेंगे। इस दौरान करीब 7 हजार लोग उनके साथ योग करेंगे। कुछ लोगों को विभिन्न आसनों की ट्रेनिंग दी गई है। पीएम मोदी योग दिवस से पहले ही अपने एआई जनरेटेड वीडियो शेयर कर चुके हैं, जिनमें अलग-अलग योगासन और उनके फायदे बताए जा रहे हैं। 2013 के बाद से यह उनकी जम्मू-कश्मीर की 25वीं यात्रा है। वहीं 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 7वीं यात्रा है।

केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में 80 दिन बाद जमानत

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार (20 जून) को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। जज न्यायबिंदु की वेकेशन बेंच ने ईडी और केजरीवाल की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट ने उन्हें 1 लाख रुपए के बेल बॉन्ड पर जमानत दी है। ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा था कि ईडी ने हवा में जांच नहीं की है। केजरीवाल के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। उन्हें बेल नहीं मिलनी चाहिए। वहीं, केजरीवाल की ओर से पेश हुए वकील विक्रम चौधरी ने दलील दी थी कि केजरीवाल के खिलाफ पूरा केस सिर्फ कल्पना पर आधारित है। केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया गया था। 1 अप्रैल को वे तिहाड़ जेल भेजे गए। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। जमानत पर 21 दिन बाहर रहने के बाद 2 जून की शाम 5 बजे केजरीवाल ने तिहाड़ में सरेंडर किया था। बुधवार को केजरीवाल

की न्यायिक हिरासत खत्म हुई थी, जिसे कोर्ट ने 3 जुलाई तक बढ़ा दिया था। बुधवार को ईडी ने कहा था कि केजरीवाल ने अपनी पार्टी के लिए साउथ ग्रुप से 100 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी।

ईडी ने कहा था कि मामले में बतौर आरोपी नामजद आम आदमी पार्टी कोई अपराध करती है तो इस पार्टी के प्रभारी को दोषी माना जाएगा। केजरीवाल ने साउथ ग्रुप से 100 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी। केजरीवाल के वकील ने ईडी के आरोपों पर कहा- सीएम के खिलाफ पूरा मामला बयानों पर आधारित है। उन्हें हैरानी नहीं होगी यदि कुछ और बयान सामने आए। दिल्ली सीएम की कोई आपराधिक हिस्ट्री भी नहीं है। ये बयान उन लोगों के हैं, जिन्होंने खुद को दोषी माना है।

'पेपर लीक नहीं रोक पा रहे पीएम मोदी एजुकेशन सिस्टम पर बीजेपी का कब्जा'

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को यूजीसी नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक के मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोला और पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, सभी शिक्षण संस्थानों को भाजपा के लोगों ने कैप्चर कर रखा है। जब तक इन्हें मुक्त नहीं कराया जाएगा, तब तक यह चलता रहेगा।

एक परीक्षा को कर चुके हैं रद्दः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, पीएम मोदी इस लीक को रोक नहीं पाए. एक परीक्षा में गड़बड़ियों के बाद आप रद्द कर चुके हैं, पता नहीं दूसरे को रद्द किया जाएगा या नहीं. लेकिन कोई न कोई तो इसके लिए जिम्मेदार है और इसके लिए किसनी न किसी को तो पकड़ा जाना चाहिए.' नीट एग्जाम के बाद अब नेट परीक्षा में भी धांधली की खबर सामने आ गई है. परीक्षा होने के एक दिन बार नेट की परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया है।

'रूस-यूक्रेन का युद्ध रुकवा दिया, पेपर लीक नहीं रोक पा रहे'

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रायबरेली सांसद सरकार को घेरते हुए कहा कि, शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया है. निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई है. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक हुआ है. कहा जा रहा है नरेंद्र मोदी जी ने रूस यूक्रेन की लड़ाई रुकवा दी थी. इसराइल और गाजा के बीच में चल रही लड़ाई मोदी जी ने रुकवा दिया था, लेकिन किसी न किसी कारण हिंदुस्तान में पेपर लीक हो रहे हैं उसको नरेंद्र मोदी रोक नहीं पा रहे

हैं या रोकना नहीं चाहते हैं।

शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया

नुकसान छात्रों का हो रहा है. मध्य प्रदेश में व्यापम हुआ और व्यापम को नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पूरे देश में फैला रही है. छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है. पेपर लीक का कारण है कि सारे वाइस चांसलर एजुकेशन सिस्टम को भाजपा के लोगों ने और उनके पेरेंट्स आर्गेनाइजेशन ने कैप्चर कर रखा है. हमने जो कहा है कि बिहार में भी कार्यवाही हो रही है और जो भी जिम्मेदार है उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए. राहुल गांधी ने कहा कि, शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया है. निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई है. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे।राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि नीट का पेपर लीक हुआ है. एजुकेशन सिस्टम पर बीजेपी का कब्जा है। मेहनती छात्रों के साथ धोखा हुआ है. दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

केंद्र ने कहा-यूजीसी-नेट में गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 19 जून, बुधवार को यूजीसी-नेट की परीक्षा रद्द कर दी थी। यह परीक्षा इसके एक दिन पहले 18 जून को ही आयोजित की गई थी। गुरुवार को एजुकेशन मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी गोविंद जयसवाल ने कहा कि हमें यूजीसी-नेट में गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली थी, बल्कि स्टूडेंट के हितों को सुरक्षित रखने के लिए हमने खुद से संज्ञान लिया है। जयसवाल ने कहा कि हमें एग्जाम में गड़बड़ी होने के इनपुट्स मिले थे, जिसके आधार पर हमने इसे रद्द करने का फैसला लिया। इसकी डिटेल हम सार्वजनिक नहीं कर सकते हैं। मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। अब जल्द ही रीएग्जाम की तारीख का ऐलान किया जाएगा। उधर, कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम हर साल परीक्षा पे चर्चा का ग्रैंड तमाशा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद बिना लीक या फ्रॉड के एक एग्जाम नहीं आयोजित करवा सकते।

जहरीली शराब से अब तक 34 की मौत

कल्लाकुरिची, 20 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है, जबकि 100 से ज्यादा लोगों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने पैकेट में मिलने वाली शराब पी थी। कल्लाकुरिची जिले के करुणापुरम में 18 जून को हुई घटना के पीड़ितों में ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर हैं। शराब पीने के बाद रात होते-होते इन लोगों को दस्त, उल्टी, पेट दर्द और आंखों में जलन होने लगी। पुलिस ने इस मामले में के कन्नुकुट्टी (49) समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। कन्नुकुट्टी के पास से लगभग 200 लीटर जहरीली शराब बरामद हुई, जिसमें मेथेनॉल मिला हुआ है। कल्लाकुरिची में 12 एम्बुलेंस तैनात हैं। पुलिस के मुताबिक मरने वालों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री प्रधान बोले-नीट के साथ समझौता नहीं होगा

*** एनटीए के लिए हाई लेवल कमेटी गठित होगी, जो इसे और बेहतर बनाने के लिए सिफारिश देगी**

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'नीट एग्जाम के साथ समझौता नहीं होगा। एग्जाम को जीरो एरर बनाया जाएगा।' एनटीए के लिए हाई लेवल कमेटी गठित होगी, जो इसको और बेहतर करने की सिफारिश करेगी। शिक्षा मंत्री ने बताया, 'टेक्नोक्रेट्स, साइंटिस्ट्स, एकेडमिशियन, साइकोलॉजिस्ट बैकग्राउंड के लोगों को मिलाकर सरकार कमेटी बनाएगी। जल्द ही इसे नोटिफाई किया जाएगा। ये कमेटी एनटीए के स्ट्रक्चर, फंक्शनिंग, एग्जाम प्रोसेस, ट्रांसपेरेंसी, ट्रांसफर और डेटा, सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को और इम्प्रूव करने के लिए काम करेगी।' उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के संबंध में हम बिहार सरकार के लगातार संपर्क में हैं और पटना से हमें कुछ जानकारी भी आ रही है। आज भी कुछ चर्चा हुई है।

पटना पुलिस के पास कुछ जानकारी आई, जो सबसे सामने भी है। डिटेल्ड रिपोर्ट जल्द भारत सरकार को भेजेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नीट -यूजी काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि आखिरी सुनवाई के बाद परीक्षा कैंसिल होती है तो काउंसलिंग भी कैंसिल हो जाएगी। इससे पहले 11 जून को भी सुप्रीम कोर्ट ने यह अपील खारिज की थी। आज सुप्रीम कोर्ट में परीक्षा रद्द करने की मांग वाली नई याचिका पर भी सुनवाई हुई। यह अर्जी 49 स्टूडेंट्स और स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया ने लगाई थी। इस पर अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी।

जल्द आयोजित होगी यूजीसी-नेट परीक्षा, मामला सीबीआई को भेजा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की गई थी। शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जयसवाल कहते हैं, '9 लाख छात्रों ने यूजीसी-नेट परीक्षा में भाग लिया था, जिसे एनटीए ने 18 जून को आयोजित किया था... मंत्रालय ने देखा कि परीक्षा से समझौता होने की संभावना थी। मंत्रालय ने निर्णय लिया है परीक्षा कराने के लिए अगली तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी, मामला सीबीआई को भेज दिया गया है...' संयुक्त सचिव गोविंद जयसवाल ने कहा कि, मंत्रालय को 4सी से इनपुट मिल गया था। उन्होंने आगे कहा, 'डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आई4सी अलग तरह से काम करता है... हमें कुछ संकेत मिले थे... इस स्तर पर अगर हम कोई विवरण प्रकट करते हैं तो यह जांच से समझौता करेगा।'

नीट पेपरलीक पर बिहार ईओयू से रिपोर्ट मांगी

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का दावा-तेजस्वी के पीएस ने मास्टरमाइंड का कमरा बुक कराया था

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। नीट एग्जाम विवाद के बीच बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को बड़ा खुलासा किया। सिन्हा ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले के आरोपियों के लिए सरकारी गेस्ट हाउस तेजस्वी यादव के निजी सचिव प्रीतम कुमार ने बुक कराया था। डिप्टी सीएम ने बताया कि 1 मई को प्रीतम ने सरकारी गेस्ट हाउस के कर्मचारी प्रदीप कुमार को फोन किया और पेपर लीक कांड के मास्टरमाइंड सिकंदर कुमार यादवेंदु के लिए कमरा बुक करने को कहा। गेस्ट हाउस के एंट्री रजिस्टर में अनुराग यादव का नाम है। उसके आगे मंत्री जी लिखा है। सिन्हा का दावा है कि ये मंत्री जी तेजस्वी यादव के लिए लिखा गया था। इधर बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) से डिटेल रिपोर्ट मांगी है। कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

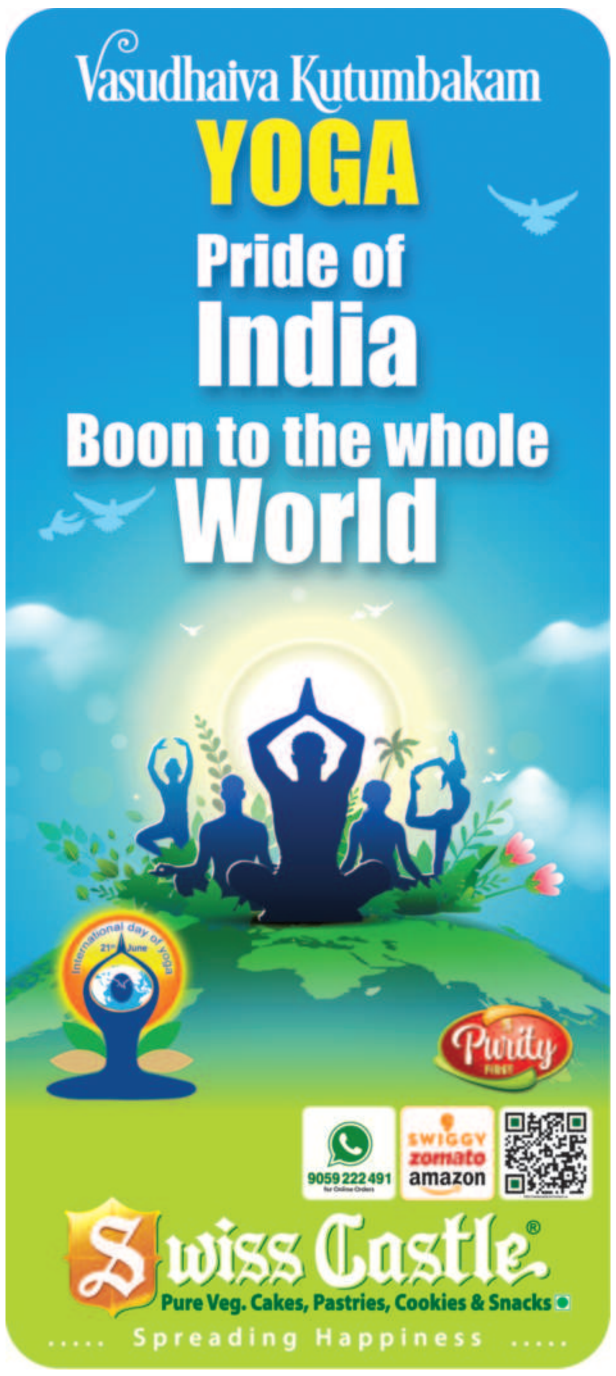

6 राज्यों के 92 बूथों पर होगी ईवीएम जांच

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसी)। ईवीएम गडबडी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने 6 राज्यों के 92 बूथों पर ईवीएम जांच कराने का फैसला लिया है। जिसमें हरियाणा के अलावा आंध्र प्रदेश की एक सीट के 2 बूथों, छत्तीसगढ़ की एक सीट के 4 बूथों, महाराष्ट्र की एक सीट के 40 बूथों, तमिलनाडु की 2 सीटों के 20 बूथों और तेलंगाना की एक सीट के 20 बूथों की ईवीएम चेक कराने का भी फैसला लिया है।

चुनाव आयोग ने हरियाणा की 2 लोकसभा सीटों पर चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत की जांच के आदेश दिए हैं। इनमें करनाल और फरीदाबाद सीट शामिल है। इनकी अब ईवीएम चेक कराई जाएंगी। करनाल से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और फरीदाबाद से केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर चुनाव जीते हैं। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से चुनाव के दौरान गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी। इसे लेकर चुनाव आयोग में शिकायत भी की गई थी। करनाल से कांग्रेस उम्मीदवार दिव्यांशु बुद्धिराजा ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर ईवीएम की जांच करने की मांग की थी। वहीं, फरीदाबाद से कांग्रेस उम्मीदवार महेंद्र प्रताप ने भी गड़बड़ी की आशंका जताई थी।

चुनाव आयोग की ओर से कहा गया है कि लोकसभा चुनाव 2024 में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत के 8 आवेदन आए थे। इनमें हरियाणा के करनाल और फरीदाबाद लोकसभा सीट के भी नाम शामिल थे। इनमें ईवीएम की मेमोरी और माइक्रो कंट्रोलर की जांच की मांग की गई थी।

करनाल और फरीदाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। करनाल से हरियाणा के साढ़े नौ साल मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर ने कांग्रेस के उम्मीदवार दिव्यांशु बुद्धिराजा को हराया। खट्टर यहां से 2 लाख 32 हजार 577 वोटों के बड़े अंतर से जीते थे। खट्टर का यह पहला लोकसभा चुनाव था। इसके बाद वह मोदी 3.0 कैबिनेट में मंत्री बन चुके हैं। उन्हें शहरी विकास एवं आवास और ऊर्जा मंत्री बनाया गया है।

वहीं, फरीदाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा ने कृष्णपाल गुर्जर को उम्मीदवार बनाया था। यहां से उन्होंने कांग्रेस के महेंद्र प्रताप सिंह को हराकर जीत हासिल की। गुर्जर ने यह सीट 1 लाख 72 हजार 914 वोटों के अंतर से जीती थी। जीत के बाद कृष्णपाल गुर्जर भी लगातार तीसरी बार मोदी कैबिनेट में केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए गए हैं। उन्हें अमित शाह के साथ सहकारिता विभाग दिया गया है।

ईसीआई के मुताबिक करनाल और फरीदाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवारों को ईवीएम चेक करवाई जाएगी। करनाल लोकसभा सीट से करनाल में 2 ईवीएम और पानीपत सिटी की 2 ईवीएम चेक कराई जाएंगी। यानी करनाल लोकसभा सीट की 4 ईवीएम चेक की जाएंगी। वहीं, फरीदाबाद लोकसभा सीट के बड़कल बूथ की 2 ईवीएम चेक कराई जाएंगी।

विपक्ष के नेता को लेकर छिड़ी बहस पर विराम

शरद पवार बोले-यह कांग्रेस तय करेगी

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। एनसीपीएसपी के प्रमुख शरद पवार ने साफ कर दिया है कि लोकसभा में विपक्ष का नेता कौन चुनेगा। इसके साथ ही इंडी गठबंधन में आई दरारों की खबरों पर विराम लगता दिख रहा है। पवार ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति पर फैसला कांग्रेस करेगी क्योंकि संसद के निचले सदन में इंडिया ब्लॉक दलों में सबसे अधिक सीटें कांग्रेस के पास हैं।

इस मुद्दे पर चर्चा होगी

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष से लोकसभा उपाध्यक्ष को बुलाने का प्रयास किया जाएगा, पवार ने दावा किया कि इस 'नियम' का पालन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पिछली सरकार में नहीं किया था। उन्होंने कहा, 'इस मुद्दे पर चर्चा होगी लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे कोई सार्थक नतीजा निकलेगा।'

किसने कितनी सीटें जीतीं

पवार महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। भाजपा ने हाल ही में 543 सदस्यीय लोकसभा के लिए हुए चुनावों में 240 सीटें जीतीं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाई। विपक्षी दलों के घटक दलों में कांग्रेस ने सबसे अधिक 99 सीटें हासिल कीं।

हमने पहले ही ले लिया था फैसला

लोकसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, 'पहले हम सहमत हुए थे कि यह पद उसी पार्टी के नेता को दिया जाएगा, जिसने सबसे ज्यादा सीटें जीती होंगी। आज लोकसभा में अन्य विपक्षी दलों में से कांग्रेस के पास अधिकतम सीटें हैं, इसलिए वे तय करेंगे कि यह पद किसे संभालना चाहिए।' उन्होंने कहा, कांग्रेस के फैसला लेने के बाद उसे हमारे (इंडिया) गुट की सहमति की जरूरत होगी।

मोदी की गारंटी नकली

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) की सफलता पर पवार ने दावा किया कि लोगों ने पीएम मोदी में विश्वास खो दिया है और मोदी की गारंटी नकली हो गई है। राज्य के लोग इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उन्होंने पिछले पांच साल में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया। महाराष्ट्र में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) ने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 30 पर जीत दर्ज की। सत्तारूढ़ महायुति, जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एनसीपी शामिल हैं, को 17 सीटें मिलीं।

20 हजार करोड़ बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी का एक्शन

दिल्ली-एनसीआर से लेकर मुंबई में 35 स्थानों पर मारी रेड

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को कई सूचीबद्ध कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपए से अधिक के बैंक धोखाधड़ी मामले में एमटेक समूह के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर और महाराष्ट्र में 35 स्थानों पर छापेमारी की। कई सूचीबद्ध कंपनियों में इन कंपनियों को एनसीएलटी की कार्यवाही में नाममात्र मूल्य पर अधिग्रहित किया गया था, जिससे बैंकों के समूह को नाममात्र की वसूली ही मिली।

सरकारी खजाने को लगभग 15 हजार करोड़ का नुकसान गुरुग्राम में ईडी का जोनल कार्यालय अरविंद धाम, गौतम मल्होत्रा और अन्य के नेतृत्व वाले एमटेक ग्रुप पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और नागपुर में ये छापे मार रहा है। ईडी ने कहा कि कथित धोखाधड़ी से सरकारी खजाने को लगभग 10-15 हजार करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ। प्रवर्तन निदेशालय की जांच समूह की एक इकाई एसीआईएल लिमिटेड में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर और धोखाधड़ी की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार शुरू हुई। इसके अलावा, ईडी ने कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि ऋण राशि को रियल एस्टेट, विदेशी निवेश और नए उद्यमों में निवेश करने के लिए निकाला गया था। कंपनियों के शेयरों में हेराफेरी की गई- ईडी एजेंसी के अनुसार, अधिक ऋण प्राप्त करने के लिए समूह की कंपनियों में फर्जी बिक्री, पूंजीगत संपत्ति, देनदार और लाभ दिखाए गए ताकि एनपीए न हो।

ईडी ने कहा, आरोप है कि सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में हेराफेरी की गई। शेल कंपनियों के नाम पर एक हजार करोड़ की संपत्ति जमा की गई है। कुछ विदेशी संपत्तियां बनाई गई हैं और नए नामों के तहत अभी भी पैसा जमा है।

भोपाल स्टेशन पर जब्त की गई 55 कार्टन लोकल पानी की बोतलें, कुशीनगर एक्सप्रेस में छापेमारी

भोपाल, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से चलने वाली गाड़ियों में लोकल ब्रांड के पानी बेचने की शिकायत लगातार हो रही थी। बुधवार को गाड़ी संख्या 22538 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस की पैंट्री कार में भोपाल स्टेशन पर छापेमारी के दौरान 55 कार्टन अनाधिकृत ब्रांड की पानी की बोतलें जब्त की गईं। मंडल को मिली गुप्त सूचना में बताया गया कि गाड़ी संख्या 22538 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस की पैंट्री कार में 20 कार्टन अनाधिकृत ब्रांड की पानी की बोतलें मौजूद हैं।

बीजेपी नेता सुरमा पाढ़ी बनीं ओडिशा विधानसभा की स्पीकर

भुवनेश्वर, 20 जून (एजेंसियां)। बीजेपी की वरिष्ठ नेता सुरमा पाढ़ी गुरुवार को ओडिशा विधानसभा की स्पीकर निर्विरोध चुनी गयीं। नयागढ़ जिले के रानपुर विधानसभा क्षेत्र से दो बार की विधायक पाढ़ी इस पद के लिए अकेली उम्मीदवार थीं। किसी अन्य उम्मीदवार के नहीं होने के कारण पाढ़ी को निर्विरोध चुन लिया गया। प्रोटेम स्पीकर आरपी स्वैन ने विधानसभा के विशेष सत्र में पाढ़ी के निर्वाचन की घोषणा की और उन्हें कार्यभार सौंपा। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव व प्रवाती परिदा, नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक और सदन के अन्य सदस्यों ने विधानसभा की नयी अध्यक्ष को बधाई दी।

स्पीकर बनने वाली दूसरी महिला हैं सुरमा पाढ़ी

बीजू जनता दल (बीजद) की प्रमिला मलिक के बाद सुरमा पाढ़ी ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष बनने वाली दूसरी महिला हैं। सुरमा पाढ़ी पहली बार साल 2004 में बीजेपी के टिकट पर नयागढ़ जिले की रानपुर सीट से विधायक चुनी गई थीं। वह 2004 से 2009 तक ओडिशा में बीजेडी और बीजेपी गठबंधन की सरकार में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का भी पद संभाल चुकी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाढ़ी बीजेपी में 1988 में शामिल हुई थीं। बीजेपी ने इस बार ओडिशा विधानसभा में अकेले दम पर बहुमत हासिल करने के बाद सरकार बनाई है। पार्टी को 147 सीट में से 78 सीट पर जीत मिली है। बीजेडी के पास 51 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 14, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास एक विधायक है, जबकि तीन विधायक निर्दलीय हैं।

पुलिस ने तीन करोड़ के आईफोन किए बरामद, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के वसंत कुंज नॉर्थ थाने की पुलिस ने गुरुवार को महज 18 घंटों के भीतर करोड़ों रुपये के आईफोन के कंसाइनमेंट की एक बड़ी चोरी का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को भी गिरफ्तार करने में कमायाबी हासिल की है। आरोपियों की पहचान मनदीप और सचिन के रूप में हुई है। आरोपी दिल्ली और हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस ने हरियाणा और दिल्ली में छापा मारकर इनके कब्जे से साढ़े 3 करोड़ रुपये के 318 आईफोन और वारदात में प्रयुक्त गाड़ी की भी बरामद कर लिया है।

डीसीपी रोहित मीणा ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 17 जून को वसंतकुंज नॉर्थ थाने की पुलिस को रामेश्वर सिंह ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि ब्रांड न्यू एप्पल आईफोन की कंसाइनमेंट जिसमें 318 आईफोन थे, महिपालपुर स्थित उनके वेयरहाउस से उत्तर भारत के विभिन्न डिस्ट्रीब्यूटर को भेजा गया था, जो चोरी हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर एसीपी सत्यजीत सरीन की देखरेख और एसएचओ राजीव मलिक के नेतृत्व में एसआई ऋषिकांत, हेड कॉन्स्टेबल जयप्रकाश, सुनील, अमित, गौरव, शक्ति और कॉन्स्टेबल फरहान की टीम का गठन कर आरोपियों की गिरफ्तार करने और मोबाइल की बरामदगी के काम में लगाया गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों को खंगाला और संदिग्धों से पुछताछ की। जबकि इस मामले का मुख्य संदिग्ध और शिकायतकर्ता का ड्राइवर मनदीप फरार था और उसका मोबाइल भी बंद था। जांच में पुलिस को पता चला कि मनदीप सभी बैग को जीपीएस लगी गाड़ी में लोड कर के निकला था। जिसे ट्रैक करने पर गाड़ी की लास्ट लोकेशन समालखा गांव में होने की जानकारी मिली। आगे तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस हरियाणा के पंचकूला पहुंची। जहां उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर पुलिस ने उसके सहयोगी सचिन के साथ दबोच लिया और उसके कब्जे से 7 आईफोन बरामद किया।

गुजरात में समुद्र किनारे लावारिस हाल में मिला 150 करोड़ का ड्रग्स, ईरान और अफगानिस्तान से जुड़े हैं तार

अहमदाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। बीएसएफ ने गुजरात में कच्छ के क्रिक इलाके से आज 150 करोड़ का ड्रग्स बरामद किया है। कच्छ के समुद्री तट पर अक्सर लावारिस हालत में ड्रग्स के पैकेट मिलते रहे हैं। यहां एक बार फिर लावारिश पैकेट मिले हैं। यह ड्रग्स तीन अलग-अलग प्रकार के पैकेटों है। दरअसल, बीएसएफ ने क्रिक बॉर्डर पर तलाशी अभियान चलाया था, उसी वक्त सिंथेटिक, हेरोइन, चरस के पैकेट नजर आए। बीएसएफ ने पिछले एक हफ्ते में 120 से ज्यादा ड्रग्स के पैकेट पकड़े हैं।

इसी को लेकर समुद्री तटीय इलाके और क्रिक इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। पिछले एक महीने से लगभग हर रोज कच्छ के समुद्री तटों पर 10 से 20 ड्रग्स के पैकेट मिलने की खबरें आ रही हैं। सवाल है कि करोड़ों का ड्रग्स समुद्र तट पर कहां से आ रहा है? दरअसल, ये पूरा मामला ईरान के ड्रग्स माफियाओं से जुड़ा हुआ है। गुजरात के कच्छ के समुद्री तटीय इलाके में ड्रग्स के पैकेट लावारिश हालात में सुरक्षा एजेंसियों ने जब्त किए हैं। इस मामले में 'आजतक' से बात करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समुद्री तट पर लगातार मिल रहे ड्रग्स पैकेट के पीछे ईरान और अफगानिस्तान स्थित ड्रग माफिया लिंक जुड़ा हुआ हैं।

जनवरी 2024 की शुरुआत में ईरान के समुद्री क्षेत्र में एक नाव में करोड़ों की ड्रग्स दूसरी जगह जानी थी। जब नाव बीच समुद्र पहुंची तो समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने देख लिया। सुरक्षा एजेंसी की टीम बोट के जरिए ड्रग्स से भरी नाव के नजदीक जाने की कोशिश करती है, उसे देख ड्रग्स माफिया नाव से करोड़ों की ड्रग्स के पैकेट समुद्र में फेंक देते हैं। समुद्री सुरक्षा एजेंसी की बोट के पहुंचने से पहले ड्रग माफिया ने कुल 1800 किलो ड्रग्स समुद्र में फेंक दिया था, इसलिए अब यह ड्रग्स पैकेट धीरे-धीरे निचले तटीय इलाके में समुद्र की लहरों के साथ बहकर तटीय इलाके तक पहुंच जाते हैं।

पिछले महीने पश्चिम कच्छ-भुज क्षेत्र से अलग अलग सुरक्षा एजेंसियों ने मादक पदार्थ के 250 से ज्यादा पैकेट बरामद किए थे, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों में थी। गुजरात बीएसएफ गुजरात फ्रंटियर आईजी अभिषेक पाठक ने बताया कि कच्छ के समुद्री तटीय इलाकों से जिस तरह से ड्रग्स मिल रहा है, उसको लेकर बीएसएफ की नजर बनी हुई है। क्रिक इलाके में पिछले कुछ दिनों में बीएसएफ ने ड्रग्स के पैकेट बरामद किए हैं। बीएसएफ ने कुछ क्रिक इलाकों में सर्च ऑपरेशन भी चलाया है। राष्ट्र विरोधी मंसूबों को नाकामयाब करने के लिए बीएसएफ हमेशा सशक्त है।

पश्चिम कच्छ-भुज जिले के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के पुलिस इंस्पेक्टर वीवी भोला ने बताया कि एसओजी और तटीय पुलिस स्टेशनों के प्रभारियों ने पुलिस कर्मियों, सागर रक्षक दल के गार्ड, मछुआरों के समूह आदि को पुलिस अधीक्षक सागर बागमर ने दिशा निर्देश दिए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि समुद्री तटीय इलाके में संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत अपने थाना प्रभारी को जानकारी दें। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि कच्छ में समुद्र किनारे और भी ड्रग्स मिले तो कोई ताज्जुब की बात नहीं है, क्योंकि समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स का जखीरा समुद्र की लहरों के साथ लोअर लाइन समुद्री क्षेत्र की ओर आना तय है। अगस्त 2023 में इसी तरह करोड़ों का ड्रग बरामद हुआ था।

स्मृति ईरानी से लेकर बालियान टेनी तक

इन मंत्रियों को बंगला खाली करने का निर्देश

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार बन चुकी है। अब 18वीं लोकसभा के लिए सभी जीते हुए सांसद लोकसभा में शपथ लेंगे। 24 जून को शुरू हो रहे लोकसभा सत्र में शपथ दिलाई जाएगी। इसमें कई ऐसे सांसद हैं जो दूसरी या तीसरी बार सदन में कदम रखेंगे। वहीं, कई ऐसे भी हैं जो पहली बार सांसद बने हैं। पहले से सांसदों के तो आवास बरकरार रहेंगे,

लेकिन जो पहली बार सांसद बने हैं उन्हें सरकारी बंगले आवंटित किए जाएंगे। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव हार चुके सांसदों को अपना आवास छोड़ना होगा। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा चुनाव में हारे मंत्रियों को बंगला खाली करने का निर्देश दिया गया है। 11 जुलाई तक उन्हें अपने बंगले को खाली करने का समय मिला है। शहरी विकास मंत्रालय के तहत आने वाले डायरेक्टर ऑफ स्टेटस ने नोटिस जारी किया है।

हारे हुए मंत्रियों में किनका नाम?

हारे हुए मंत्रियों में स्मृति ईरानी, आरके सिंह, अर्जुन मुण्डा, महेंद्रनाथ पांडेय, संजीव बालियान, राजीव चंद्रशेखर, कैलाश चौधरी, अजय मिश्रा टेनी, वी मुरलीधरन, निशित प्रामाणिक, सुभाष सरकार, साध्वी निरंजन ज्योति, रावसाहेब दानवे, कौशल किशोर,भानुप्रताप वर्मा, कपिल पाटिल, भगवंत खुबा, भारती पवार आदि का नाम शामिल है। मीनाक्षी लेखी जैसे नेता भी हैं जिनको टिकट नहीं मिला है।

केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को लुटियंस दिल्ली में बंगले आवंटित किए जाते हैं। सांसदों और मंत्रियों को आवास उनकी सदन की सदस्यता के आधार पर मिलते हैं। हारे हुए सांसदों की सदस्यता खत्म होने के बाद एक महीने के अंदर उन्हें सरकारी बंगला खाली करना होता है।

महाराष्ट्र में 11 सीटों पर एमएलसी चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी उद्धव ठाकरे की पार्टी

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकती है। शिवसेना ठाकरे समूह का दावा है कि जब विधायकों की अयोग्यता को लेकर स्पीकर की तरफ से लिए गए फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है तो विधान परिषद चुनाव कराना असंवैधानिक है। इसलिए शिवसेना (यूबीटी) विधान परिषद की 11 सीटों के लिए 12 जुलाई को होने वाले चुनाव को टालने की मांग कर सकती है।

विधायक की अयोग्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी मामला चल रहा है, विधायकों की अयोग्यता पर फैसला आ सकता है। इसलिए, शिवसेना ठाकरे गुट का दावा है कि इन विधायकों का विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान करना और विधान परिषद विधायकों को चुनना असंवैधानिक है।

शिवसेना ठाकरे गुट की ओर से यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि शिवसेना में विभाजन के बाद कुछ विधायकों के हलफनामे सुप्रीम कोर्ट में हैं, जो इस बात की गवाही देने के बाद भी कि वे शिवसेना ठाकरे गुट के हैं। अगर वे शामिल हो गए तो उन्हें विधान परिषद चुनाव में वोट देने का अधिकार कैसे दिया जाएगा। इस संबंध में आज कानूनी विशेषज्ञों की बैठक हो रही है और शिवसेना ठाकरे समूह की ओर से कोर्ट जाने की तैयारी चल रही है।

कब है चुनाव?

इस साल के आखिरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र विधान परिषद की 11 सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 12 जुलाई को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। बता दें कि विधानसभा के सदस्यों (एमएलए) की तरफ से चुने गए 11 विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) का छह साल का कार्यकाल 27 जुलाई को कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। चुनाव आयोग की अधिसूचना में कहा गया है कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि दो जुलाई है और अगले दिन नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि पांच जुलाई है। यदि आवश्यक हुआ तो 12 जुलाई को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे के बीच मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना शुरू होगी।

'जिसने वोट नहीं दिया, उसे फ्री का राशन देना बंद करें', बीजेपी नेता ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में निराशाजनक परिणाम के बाद बीजेपी मंथन कर रही है। इस बीच महाराष्ट्र बीजेपी के उत्तर भारतीय मोर्चा के उपाध्यक्ष अर्जुन गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। अर्जुन गुप्ता ने पीएम मोदी से अपील की है कि केवल उन्हें ही फ्री का राशन दिया जाए जिन्होंने मतदान किया है। जो लोग लोकसभा चुनाव में वोट देने घर से नहीं निकले। ऐसे लोगों को फ्री का राशन देना बंद किया जाए। बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि फ्री का राशन सिर्फ उसे ही मिले जो वोट देता हो। चाहे वह किसी भी पार्टी को क्यों न वोट देता हो। अर्जुन गुप्ता की तरफ से लिखे पत्र में कहा गया है कि देश में 80 करोड़ लोगों को जो फ्री में राशन दिया जा रहा है। उसे बंद कर देना चाहिए। अगर राशन देना है तो उसी परिवार को दिया जाए जो मतदान में हिस्सा लेते हैं। चाहे वो किसी भी पार्टी को मतदान करते हो। जो मतदान करेगा। उसे ही राशन दिया जाए। बीजेपी नेता ने पत्र में लिखा है कि आपके नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की तैयारी में है। पिछले 60 वर्षों से कांग्रेस व उनके सहयोगी दल सिर्फ जनता को वोट के खातिर मुर्ख बनाने का काम किया। आपके दस वर्षों के कार्यकाल में भारत के विकास की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। इसके बावजूद कम संख्या में लोगों ने मतदान किया। कम मतदान ने हम जैसे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा दिया। इसलिए फ्री का राशन बंद कर दिया जाये और दिया जाये तो उन्ही को जिन्होंने मतदान किया हो। बता दें कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव बीजेपी ने शिंदे गुट की शिवसेना, अजीत पवार गुट की एनसीपी के साथ मिलकर लड़ा था। यहां पर पार्टी का काफी नुकसान हुआ। बीजेपी 48 सीटों में से सिर्फ 9 सीटें ही जीत पाई। जबकि शिंदे गुट की शिवसेना को 7 और एनसीपी को एक सीट मिली।

राज्यपाल बोस बोले

मैं राजभवन में कोलकाता पुलिस से असुरक्षित सीएम को बताने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं

कोलकाता, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बताया कि वह राजभवन में तैनात मौजूदा पुलिस दल से सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इसकी जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने बताया कि सीएम को जानकारी देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। राज्यपाल आनंद बोस ने कहा, मेरे पास यह मानने का कारण है कि वर्तमान प्रभारी अधिकारी और उनकी टीम की उपस्थिति मेरी सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा, मैंने सीएम ममता बनर्जी को बताया कि मैं राजभवन में तैनात कोलकाता पुलिस से असुरक्षित हूं, लेकिन अबतक कोई कार्रवाई नहीं हुई। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि बोस ने राज्य सरकार से शिकायत की है कि राजभवन में तैनात पुलिस लगातार उनकी जासूसी कर रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि ये पुलिस प्रभावशाली लोगों के इशारों पर ऐसा कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले हाल ही में राज्यपाल आनंद बोस ने राजभवन में तैनात पुलिस कर्मियों को तुरंत परिसर खाली करने का आदेश दिया था। दरअसल, सीवी आनंद बोस राजभवन के उत्तरी गेट को जनमंच में बदलने की योजना बना रहे हैं।

राजभवन के उत्तरी गेट को जनमंच में बदलने की तैयारी

दरअसल, हाल ही में पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 144 का हवाला देते हुए शुभेंदु अधिकारी को राजभवन के अंदर दाखिल होने से रोक दिया। राजभवन के बाहर धारा 144 लागू है, जिसके तहत बड़ी सभाओं पर रोक लगाई जाती है। राज्यपाल आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चिट्ठी लिखी।

उन्होंने सीएम से पूछा कि किस आधार पर पुलिस ने शुभेंदु अधिकारी को राजभवन के परिसर के अंदर आने से रोका। शुभेंदु अधिकारी और अन्य लोगो ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि लिखित अनुमति के बावजूद पुलिस ने उन्हें राजभवन के परिसर में जाने से रोका। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर चुनाव के बाद हिंसा करने का आरोप लगाया था। इस आरोप को टीएमसी ने नकार दिया।

महाराष्ट्र एटीएस को मिला नया चीफ, नवल बजाज संभालेंगे जिम्मेदारी

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नवल बजाज को महाराष्ट्र के पुलिस आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) का प्रमुख नियुक्त किया गया है। सदानंद दाते के राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के बाद पिछले तीन महीने से महाराष्ट्र एटीएस प्रमुख का पद खाली था। बुधवार को गृह विभाग ने इस पद पर नवल बजाज की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए। नवल सीबीआई में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद पर तैनात थे और कोल स्कैम जैसे महत्वपूर्ण केस की जांच में जुड़े थे। 1995 बैच के पुलिस अधिकारी नवल बजाज सेंटर में प्रतिनियुक्ति पर थे। वह केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के संयुक्त निदेशक थे। इससे पहले, बजाज केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के महानिरीक्षक के रूप में काम कर रहे थें। वह राज्य की आर्थिक अपराध शाखा में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर भी काम कर चुके हैं।

नवल बजाज ने की थी कोयला घोटाले की जांच

नवल बजाज ने सीबीआई में संयुक्त निदेशक के तौर पर कोयला घोटाले की जांच की थी। इसके बाद उन्हें दोबारा महाराष्ट्र भेज दिया गया। लोकसभा आचार संहिता के कारण उनकी नियुक्ति नहीं की गई। अब आखिरकार उन्हें एटीएसका प्रमुख नियुक्त कर दिया गया है। बजाज आतंकवाद निरोधी दस्ते के प्रमुख का प्रभार संभालेंगे। एटीएस पुलिस बल की एक विशेष शाखा है। जो देश में आतंकवादी गतिविधियों को रोकती है। एटीएस के अधिकारी हर परिस्थिति में आतंकवादी हमलों का मुकाबला करने में माहिर होते हैं।

मुंबई हमले में एटीएस ने किया था आतंकियों का मुकाबला

सदानंद दाते ने 26/11 मुंबई हमले में आतंकियों से लोहा लिया था और अपनी बहादुरी और सूझबूझ से कई लोगों की जान बचाई थी। वह महाराष्ट्र के मीरा भायंदर वासई वीरार के पुलिस कमिश्नर भी रह चुके हैं। इसके वह सीआरपीएफ में आईजी के पद पर भी रह चुके हैं। वह महाराष्ट्र के पुणे जिले के रहने वाले हैं।

बालासोर में झड़प के बाद लगाए गए कर्फ्यू में चार घंटे की ढील, अब तक 45 लोग गिरफ्तार

बालासोर, 20 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर नगरपालिका क्षेत्र में दो गुटों की झड़प के बाद लगाए गए कर्फ्यू में गुरुवार को चार घंटे की ढील दी गई। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। दरअसल, सोमवार को मवेशियों की कुर्बानी से सड़क पर बह रहे खून को लेकर लोगों के एक समूह ने विरोध किया। इस दौरान एक अन्य समूह ने धरना देने वालों पर पथराव किया, जिसके बाद दोनों गुटों में झड़प हो गई। स्थिति को शांत करने के लिए इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया। सोमवार को कुछ स्थानों पर छिटपुट हिंसा की खबरें सामने आई थीं। एक अधिकारी ने कहा, सुबह के सात बजे से 11 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई। इस दौरान सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठान खुले रहेंगे, जिससे स्थानीय लोग जरूरत की चीजें खरीद सके। बालासोर के सब डिविजनल मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, कर्फ्यू में दी गई छूट के दौरान किसी भी सार्वजनिक सभा और बड़े पैमाने पर लोगों की आवाजाही की अनुमति नहीं थी। इलाके में कर्फ्यू 20 जून की आधी रात तक जारी रहेगा। हालांकि, प्रशासन बाद में यह निर्णय लेगा कि कर्फ्यू को जारी रखना है या नहीं। केंद्रीय बलों की छह कंपनियों को बालासोर में तैनात किया गया है। बालासोर की एसपी सागरिगा नाथ ने बताया कि पुलिस बल के 40 प्लाटून को तैनात किया गया है। स्थिति पर कड़ी नजर रकी जा रही है।

सोमवार को हुई झड़प में कम से कम 10 लोग गायल हुए थे। मंगलवार से इस झड़प में शामिल 45 लोगों को गिरफ्तार करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में रखा गया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। बालासोर में स्तिति को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने जिला प्रशासन से भी बात की। इससे पहले भी सीएम मोझी ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए जिलाधिकारी को तत्काल कदम उठाने के आदेश दिए थे।

सुविचार
लोभ को अभी जीतने का प्रयास करें, क्योंकि 'मानव जब बूढ़ा भयो, तृष्णा भई जवान'

नौकरियों के इच्छुक उम्मीदवारों ने किया प्रदर्शन

राहुल गांधी ने किया था वादा, अब कांग्रेस सरकार नहीं कर रही पूरा

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार से ग्रुप II के रिक्त पदों में 2,000 और ग्रुप III के पदों में 3,000 की वृद्धि करने की मांग करते हुए ग्रुप की नौकरी के इच्छुक बड़ी संख्या में उम्मीदवारों और बेरोजगार युवाओं ने गुरुवार को धरना चौक पर विशाल विरोध प्रदर्शन किया। राज्य भर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों का चयन 1:50 के बजाय 1:100 के अनुपात में करने की मांग की। चूंकि ग्रुप-I की अधिसूचना एक दशक के अंतराल के बाद जारी की गई थी, इसलिए अभ्यर्थी चाहते थे कि सरकार उन्हें ग्रुप-I के 563 पदों पर भर्ती के लिए उचित अवसर प्रदान करे।

बेरोजगार युवाओं द्वारा उठाई गई अन्य मांगों में ग्रुप-II और III की परीक्षाएं दिसंबर तक स्थगित करना, सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए एक मेगा जिला चयन समिति (डीएससी) अधिसूचना जारी करना, जीओ 46 को रद्द करना और आवासीय शैक्षणिक संस्थानों में भर्ती के लिए चयनित उम्मीदवारों को त्याग का विकल्प प्रदान करना शामिल हैं।

नलगोंडा से आईं सिंधुजा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेरोजगार युवाओं को आश्वासन दिया है कि राज्य में सरकार बनने के बाद कांग्रेस पार्टी उनके मुद्दों पर गौर करेगी और उनका समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि ये वही मांगें हैं जो हमने राहुल गांधी के समक्ष उठाई थीं और अब कांग्रेस उन पर ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेस का नारा - मारपु कावली कांग्रेस रावली - विधानसभा चुनावों के दौरान बेरोजगार युवाओं को आकर्षित करने के लिए एक प्रलोभन के रूप में इस्तेमाल किया गया था और अब उन्हें मझधार में छोड़ दिया गया है। एक अन्य उम्मीदवार ईश्वर ने अफसोस जताया कि एमएलसी बालमूर वेंकट नरसिंह राव और चिंतापंडु नवीन कुमार उर्फ तीनमार मल्लन्ना ने चुनावों के दौरान उनके मुद्दे का समर्थन किया था, लेकिन अब कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के बाद वे इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा अधिसूचित 30,000 रिक्तियों को भरा है। हम चाहते हैं कि यह सरकार ग्रुप-II और III की अधिसूचनाओं को रद्द करे और पदों को बढ़ाकर उन्हें नए सिरे से अधिसूचित करे। हम जीओ 46 को भी रद्द करना चाहते हैं।

ग्रुप-2 के उम्मीदवार बांदा संदीप रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं वेंकट और नवीन कुमार की आलोचना करते हुए कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान बेरोजगार युवाओं को उनके राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया और अब उन्हें दिए गए आश्वासनों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। रेड्डी ने कहा कि जैसा कि विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने आश्वासन दिया था, हम सरकार से मांग करते हैं कि वह ग्रुप-II और III सेवाओं में पदों को बढ़ाए तथा नए उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण खोले।

जीएम ने आग लगने वाले घटना स्थल का दौरा किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद कोच मेंटेनेंस वाशिंग लाइन में पेंट्री कार कोच में आग लगने की घटना स्थल का दौरा किया। सिकंदराबाद कोचिंग डिपो वाशिंग लाइन में आज लगभग 10.30 बजे एक स्टेबल पेंट्री कार कोच में आग लगने की मामूली घटना हुई। कोच मेंटेनेंस स्टाफ ने कोच से धुआं निकलता देखा और तुरंत अधिकारी को घटना की जानकारी दी। साथ ही राज्य सरकार के अग्निशमन अधिकारियों को भी सूचना दी गई। स्टेशन पर मौजूद रेलवे स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे और उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाया। साथ ही, एहतियाती सुरक्षा उपाय के तौर पर प्रभावितों को अन्य कोचों से अलग कर दिया गया। बाद में, सुबह 11:30 बजे तक स्थिति पर काबू पा लिया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद कोच मेंटेनेंस वाशिंग लाइन में पेंट्री कार कोच में आग

लगने की घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने आग की घटना के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश मंडल अधिकारियों को दिए। सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन ने महाप्रबंधक को घटना से अवगत कराया।

मेट्टूगुडा के पास स्पेयर कोच में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मेट्टुगुडा के पास रेलवे पुल पर खड़ी एक अतिरिक्त बोगी में गुरुवार को आग लग गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर रेलवे अधिकारियों के साथ अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तुरंत आग बुझाई। हालांकि, कोच से निकला धुआं आसपास के इलाके में फैल गया, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता की भावना पैदा हो गई। पुलिस और रेलवे अधिकारियों ने पुष्टि की है कि किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ है।

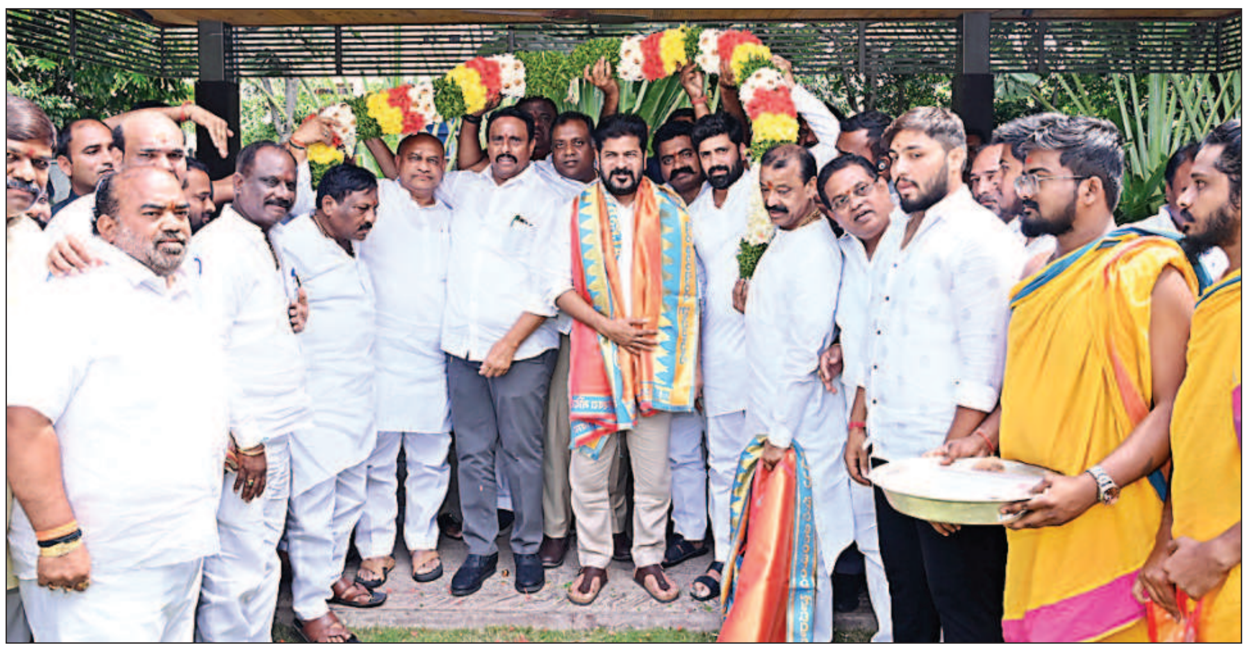

गोलकोंडा, सिकंदराबाद और लाल दरवाजा मंदिरों की समिति के सदस्यों व पुजारियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। आषाढ़ मास बोनालु के संदर्भ में मुख्यमंत्री को निमंत्रण दिया गया। मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आशीर्वाद दिया।

मंदिर समितियों ने सीएम रेवंत को बोनालु उत्सव के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा, सिकंदराबाद और लाल दरवाजा मंदिरों के समिति सदस्यों ने गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें बोनालु उत्सव के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार किया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आशीर्वाद दिया। आषाढ़म बोनालु उत्सव 7 जुलाई को गोलकुंडा के जगदंभिका मंदिर में शुरू होगा और यह एक महीने तक चलेगा। इसके बाद, लश्कर बोनालू सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में आयोजित किया जाएगा, उसके बाद पुराने शहर बोनालू का आयोजन किया जाएगा, जो लाल दरवाजा स्थित श्री सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर और हरिबौली स्थित श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर में आयोजित किया जाएगा।

उत्सव के दौरान, पहला बोनाम जगदंभिका अम्मावरी मंदिर में, दूसरा बोनाम बालकम्पेट स्थित रेणुका एलम्मा मंदिर में और तीसरा बोनाम सिकंदराबाद स्थित उज्जैन महाकाली मंदिर चढ़ाया जाएगा।

सीएम ने प्रोफेसर जयशंकर का पुण्य स्मरण किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 21 जून को मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना विचारक और राष्ट्रपिता प्रोफेसर जयशंकर को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया। सीएम ने कहा कि जयशंकर एक महान व्यक्ति थे जो जीवन भर तेलंगाना राज्य के लक्ष्य के साथ रहे। यह याद किया जाता है कि उन्होंने संघ शासन के दौरान तेलंगाना के साथ हुए अन्याय के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्होंने अपनी आखिरी सांस तक तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ी। इसीलिए मुख्यमंत्री का मानना है कि वे तेलंगाना के लोगों के दिलों में बने हुए हैं। रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की कि जयशंकर एक स्वप्नद्रष्टा थे जिन्होंने पूरे तेलंगाना के साथ अपना अनुभव साझा किया और राज्य के गठन से पहले सभी क्षेत्रों में हमारे राज्य का उज्ज्वल भविष्य देखा। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने याद किया कि प्रोफेसर जयशंकर के गृहनगर अक्कमपेटा को कांग्रेस सरकार के सत्ता संभालने के पहले दिनों में राजस्व गांव घोषित किया गया था।

खाद्य सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने पर होटल पर जुर्माना

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा विभाग की टास्क फोर्स टीम ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को बाधा पहुंचाने के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास अल्फा होटल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की घोषणा की। यह दूसरी बार है जब होटल का निरीक्षण किया गया और पाया गया कि होटल में कई गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन किया जा रहा है। विभाग ने एक्स पर पोस्ट किया कि एफबीओ ने निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को बाधा पहुंचाई और अंत में निरीक्षण रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एफएसएस अधिनियम 2006 के खंड 62 के अनुसार, एफबीओ के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा, जिसमें तीन महीने तक की कैद और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। रेफ्रिजरेटर में कच्चे मांस और अर्ध-तैयार भोजन के अनुचित भंडारण के साथ-साथ, क्रॉस-संदूषण की संभावना के साथ, खुले कूड़ेदान और छत पर प्लास्टर के टुकड़े जैसी अस्वास्थ्यकर स्थितियां देखी गईं। अल्फा ब्रांड के आइसक्रीम और ब्रेड के पैकेट पर निर्माण तिथि और बैच नंबर भी नहीं पाया गया। इसके अलावा, रसोई परिसर में उचित कीट-रोधी स्क्रीन भी नहीं लगी हुई थी। उन्होंने बताया कि एफएसएसएआई लाइसेंस प्रदर्शित किया गया था और खाद्य सामग्री बेचने वाले लोग सिर पर टोपी और एप्रन पहने हुए पाए गए।

विमान के इंजन में लगी आग

कराई गई आपातकालीन लैंडिंग

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) से गुरुवार तड़के उड़ान भरने वाले मलेशिया एयरलाइंस के एक विमान को उस समय आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी, जब चालक दल ने एक इंजन में आग देखी। कुआलालंपुर जा रहे इस विमान में कथित तौर पर करीब 138 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पायलट ने आरजीआईए से उड़ान भरने के 15 मिनट बाद दाहिने इंजन में आग देखी। उसने तुरंत आपातकाल घोषित किया और आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति मांगी।

हवाईअड्डा अधिकारियों ने बताया कि विमान को कुछ देर तक इधर-उधर घुमाया गया और फिर एटीसी ने उसे आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति दे दी। सूत्रों ने बताया कि बोइंग %3% विमान एक इंजन पर उतरा, जबकि दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस को हाई अलर्ट पर रखा गया था। आपातकाल एक अंतर्राष्ट्रीय मानक तात्कालिकता संकेत है, जिसका उपयोग नाव, जहाज, विमान या अन्य वाहन पर सवार व्यक्ति यह घोषित करने के लिए करता है कि उसे सहायता की आवश्यकता है और स्थिति अत्यावश्यक है, लेकिन फिलहाल इससे किसी के जीवन या जहाज को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

सोने की दुकान लूटने की कोशिश

पूरी घटना सीसीटीवी में कैद, वीडियो वायरल

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोमपल्ली में एक सोने की दुकान को गुरुवार की सुबह दो व्यक्तियों ने, जिनमें से एक बुर्का पहने हुए था, लूटने का असफल प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार, ये लुटेरे ग्राहक बनकर मेडचल रोड स्थित दुकान में घुसे। लुटेरों में से एक ने चाकू निकालकर दुकानदार को धमकाया और आभूषणों के डिब्बों को बैग में रखने को कहा। हालांकि, इससे पहले कि संदिग्ध आभूषणों पर अपना हाथ रख पाते, दुकान का मालिक मेज के ऊपर से कूद गया और मदद के लिए चिल्लाते हुए दुकान से बाहर भाग गया। जब उनकी योजना विफल हो गई, तो अपराधी दुकान से बाहर निकलकर मोटरसाइकिल पर भाग गए। दुकान के एक कर्मचारी ने भागते समय अपराधियों पर कुर्सी फेंकी, लेकिन दोनों भागने में सफल रहे। हालांकि, दुकानदार ने पुलिस को बताया कि लुटेरे कुछ सोने के गहने लूटने में कामयाब हो गए हैं। पुलिस सड़क पर लगे क्लोज-सर्किट कैमरों में दर्ज फुटेज की जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सुराग टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और कुछ सामग्री एकत्र की।

शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने पर नर्स ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुडा स्थित एक छात्रावास में एक नर्स ने अपनी प्रेमी द्वारा शादी से इनकार करने पर एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या कर ली। जयशंकर भूपालपल्ली की मूल निवासी ए. रमा (23) कोंडापुर के एक अस्पताल में स्टाफ नर्स के रूप में काम करती थी और अपनी बहन और दोस्तों के एक समूह के साथ काचीगुडा के एक छात्रावास में रहती थी। रमा पिछले कुछ सालों से अपने एक रिश्तेदार संदीप से दोस्ती कर रही थी, लेकिन जब उसने उससे शादी के लिए पूछा तो संदीप ने इनकार कर दिया। काचीगुडा के सब इंस्पेक्टर एन सुभाष ने बताया कि इस बात से हताश होकर रमा ने उसके शरीर में एनेस्थीसिया की तीन छोटी बोतलें डाल दीं। वह कमरे में बेहोश पाई गई और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हो सकती चर्चा

कृषि ऋण माफी हो सकता है प्रमुख एजेंडा

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक शुक्रवार को होने की संभावना है, जिसमें कृषि ऋण माफी, ऋतु भरोसा के तहत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राजस्व जुटाना, हैदराबाद में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा उपयोग में लाई जा रही इमारतों को अपने अधीन लेना तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इन सबके बीच, कृषि ऋण माफी प्रमुख एजेंडा हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 15 अगस्त से पहले इस प्रक्रिया को पूरा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि कर्ज एक बार में माफ कर दिया जाएगा। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि कर्ज माफी किस्तों में लागू की जाएगी, इसके अलावा कुछ नियम और शर्तें भी लगाई जा सकती हैं, जैसे कि कर्ज माफी को केवल पांच एकड़ तक सीमित करना ताकि लाभार्थियों की संख्या कम हो सके। उम्मीद है कि कैबिनेट इन सभी पहलुओं पर चर्चा करेगी और घोषणा करेगी।

इसके अलावा, किसानों को रायतु भरोसा सहायता के विस्तार पर भी चर्चा हो सकती है। राज्य सरकार ने सहायता बढ़ाने के मापदंडों पर अभी तक औपचारिक दिशा-निर्देश जारी नहीं किए हैं, जबकि किसानों ने चालू सीजन के लिए काम शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने 10 फरवरी को लेखानुदान बजट पेश किया था। केन्द्रीय बजट प्रस्तुत किए जाने के बाद मानसून सत्र के दौरान पूर्ण बजट प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है तथा मंत्रिमंडल सत्र के आयोजन के लिए तिथियों और दिनों की संख्या पर चर्चा कर सकता है। हैदराबाद के तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की साझा राजधानी न रहने के कारण, राज्य मंत्रिमंडल लंबित विभाजन के मुद्दों पर भी चर्चा कर सकता है, विशेष रूप से हैदराबाद में उन भवनों को अपने नियंत्रण में लेने पर, जिनका उपयोग आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा था। इन मुद्दों के अलावा, कैबिनेट स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के संपत्ति पंजीकरण की दरें बढ़ाने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे सकती है, साथ ही कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए राजस्व जुटाने पर भी विचार कर सकती है।

युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए राज्य में 65 आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र बनाएंगे : भवानी रेड्डी

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटीआई उन्नत प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में टीपीसीसी के प्रवक्ता भवानी रेड्डी ने आज राज्य सरकार द्वारा 2324 करोड़ के महत्वाकांक्षी निवेश के साथ शुरू किए गए आईटीआई के आधुनिकीकरण केंद्र मल्लेपल्ली आईटीआई का दौरा किया और प्रक्रियाओं के बारे में बात की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार ने आधुनिक उद्योगों (उद्योग 4.0) की जरूरतों को पूरा करने के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए राज्य में 65 आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) को एटीसी में अपग्रेड करने के लिए उसके साथ दस साल का समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार एटीसी में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए उन्नत उपकरण और प्रौद्योगिकी का प्रावधान है ।टीटीएल ने डीटीओ को प्रशिक्षित करने के लिए 130 विशेषज्ञों को नियुक्त किया है। प्रतिवर्ष 15,860 लोगों को छह प्रकार के दीर्घकालिक (दीर्घकालिक) पाठ्यक्रमों में और 31,200 लोगों को 23 प्रकार के अल्पकालिक (अल्पकालिक) पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। पिछले दस वर्षों में राज्य में केवल 1.5 लाख लोगों को आईटीआई में प्रशिक्षित किया गया है। इन एटीसी से अगले दस वर्षों में चार लाख लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

अज्ञात हमलावरों ने की युवक की हत्या

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सनतनगर में बुधवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने 23 वर्षीय एक युवक की हत्या कर दी। सनतनगर के नटराज नगर निवासी अजहर नामक व्यक्ति एक निजी कंपनी में काम करता था। बुधवार शाम को वह कुछ लोगों से मिलने के लिए निकला था और वापस घर नहीं लौटा। रात में अजहर के एक दोस्त ने उसके घरवालों को फोन करके बताया कि कुछ लोगों ने उसकी हत्या कर दी है। जब परिवार को इस बारे में पता चला तो उन्होंने सनतनगर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और जांच के दौरान शव रेलवे ट्रैक के पास से बरामद किया। बाद में मामले की धारा को बदलकर आईपीसी की धारा 302 कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया।

पोन्नम ने बोनालु उत्सव के लिए उचित व्यवस्था का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जो हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने संबंधित अधिकारियों को % जुलाई से शुरू होने वाले एक महीने तक चलने वाले बोनालु उत्सव के लिए सभी व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने गुरुवार को हैदराबाद कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय अधिकारियों की समन्वय बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि बोनाला उत्सव, जो कांग्रेस सरकार के गठन के बाद पहली बार मनाया जा रहा है, पहले की तुलना में अधिक भव्य रूप से मनाया जाना चाहिए। पोन्नम ने कहा, "चूंकि हैदराबाद जिले में कुल 2,400 मंदिर स्थित हैं, इसलिए अधिकारियों को ड्यूटी पर सतर्क रहना चाहिए और अन्य विभागों के साथ समन्वय में काम करना चाहिए। साथ ही, मंदिरों को चेक का वितरण जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।" मंत्री ने मंदिरों को दिए जाने वाले धन को बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि शहर के 28 महत्वपूर्ण मंदिरों को रेशमी कपड़े चढ़ाएंगे और महा लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त बस सुविधा होने के कारण बोनालू उत्सव में पहले की तुलना में अधिक भक्तों के आने की संभावना है। मंत्री ने सुझाव दिया कि जीएचएमसी के अधिकारियों को स्वच्छता के बारे में सावधान रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि ताजे पानी की कोई कमी न हो। अधिकारियों को प्रमुख मंदिरों में स्वास्थ्य शिविर लगाने और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. JC192536H Rank. Subedar Major/Hony, Name. GOPINA TRINATHA RAO, S/o. Gurumurty Gopina, R/o. Flat No.201, H.No.1-5-149/371 Sai Ram Towers, Jyothi Nagar, Old Alwal Mandal, Medchal Malkajgiri District, Secunderabad, T.S.-500010 my wife's incorrect name SRI LAXMI, and correct name is GOPINA SRI LAKSHMI & my DOB is : 05-03-1961 (affidavit dated 19-06-2024)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है तर्कहीन और अंधाधुंध गिरफ्तारियां

गो हत्या के मामले में आरोपी को मिली जमानत

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस की कार्यशैली पर ही सवाल उठा दिए। कोर्ट ने गो हत्या के एक मामले में एक आरोपी को अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि तर्कहीन एवं अंधाधुंध गिरफ्तारियां मानवाधिकारों का उल्लंघन हैं। कोर्ट ने कहा-अदालतों ने बार-बार कहा है कि पुलिस के लिए गिरफ्तारी अंतिम विकल्प होना चाहिए। और इसे केवल उन असाधारण मामलों तक सीमित रखा जाना चाहिए, जहां आरोपी को गिरफ्तार करना अनिवार्य हो या हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की आवश्यकता हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने वाले आरोपी मोहम्मद ताबिश राजा को गो हत्या अधिनियम की धारा 3, 5- ए, 5- बी और 8, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 और आईपीसी की धारा 429 के तहत फंसाया गया था। मामला थाना लंका वाराणसी का है। आरोपी ने तर्क दिया कि यह पहली बार था जब उसे इस तरह के मामले में झूठा फंसाया गया।

अदालत ने कहा- गिरफ्तारी पुलिस के पास अंतिम विकल्प

जस्टिस सिद्धार्थ की एकल पीठ ने कहा, एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस अपनी इच्छानुसार गिरफ्तारी कर सकती है। जिस आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के पास कोई निश्चित समय नहीं है। अदालतों ने बार-बार कहा है कि गिरफ्तारी पुलिस के लिए अंतिम विकल्प होना चाहिए और इसे केवल उन असाधारण मामलों तक सीमित रखा जाना चाहिए, जहां आरोपी को गिरफ्तार करना अनिवार्य हो या हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की आवश्यकता हो। तर्कहीन और अंधाधुंध गिरफ्तारियां मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हैं। अग्रिम जमानत की प्रार्थना का विरोध इसलिए किया गया क्योंकि आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर थे।

याचिका का विरोध यह कहते हुए किया गया क्योंकि केवल काल्पनिक भय के आधार पर अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि यद्यपि आवेदक के खिलाफ मामला दर्ज है । यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि पुलिस उसे कब गिरफ्तार कर सकती है। जस्टिस सिद्धार्थ ने 1994 के जोगिंदर कुमार बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का हवाला दिया , जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय पुलिस आयोग की तीसरी रिपोर्ट का हवाला दिया था। जिसमें उल्लेख किया गया था कि भारत में पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारियां पुलिस में भ्रष्टाचार का मुख्य स्रोत हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि लगभग 60 प्रतिशत गिरफ्तारियां या तो अनावश्यक थीं या अनुचित थीं और ऐसी अनुचित पुलिस कार्रवाई जेलों के खर्च का 43.2 प्रतिशत थी। हाईकोर्ट ने कहा-व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक बहुत ही कीमती मौलिक अधिकार है और इसे तभी कम किया जाना चाहिए जब यह अनिवार्य हो जाए। किसी भी मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों के अनुसार ही आरोपी की गिरफ़्तारी की जानी चाहिए।

परिणामस्वरूप कोर्ट ने मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त किए बिना और आरोप की प्रकृति पर विचार किए बिना कहा कि आवेदक सीमित अवधि के लिए अग्रिम जमानत पर रिहा होने का हकदार है।कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी की स्थिति में, आवेदक को सक्षम न्यायालय के समक्ष धारा 173 (2) सीआरपीसी के तहत पुलिस रिपोर्ट, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने तक अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाएगा। तदनुसार हाईकोर्ट ने जांच अधिकारी को मामले की जांच शीघ्रता से पूरी करने का निर्देश दिया है।

बिहार में नहीं मिलेगा 65 फीसदी आरक्षण

पटना हाई कोर्ट ने रद्द किया सरकार का फैसला

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका दिया है। पटना हाईकोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने का फैसला रद्द कर दिया है। दरअसल, राज्य में आरक्षण की सीमा 50 फीसदी होती है, लेकिन बिहार सरकार ने आरक्षण को 65 फीसदी तक बढ़ा दिया था। जिसको हाई कोर्ट ने अब रद्द कर दिया है। राज्य सरकार के शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में एससी,एसटी, ईबीसी और अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण देने को चुनौती देने वाली याचिकायों को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार के कानून को रद्द कर दिया है। नीतीश कुमार की महागठबंधन वाली सरकार ने आरक्षण को एससी, एसटी, ईबीसी और पिछड़े वर्गों के लिए 65 फीसदी आरक्षण कर दिया था। जिसको हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। यानी अब जाति आधारित आरक्षण लोगों को 65 फीसदी नहीं मिलेगा।

कोर्ट ने सुनाया फैसला

आरक्षण के मामले में गौरव कुमार सहित कुछ और याचिकाकर्ताओं ने याचिका दायर की थी जिस पर 11 मार्च को सुनावाई होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। जिसे आज सुनाया गया। चीफ जस्टिस के वी चंद्रन की खंडपीठ ने गौरव कुमार और अन्य याचिकाओं पर लंबी सुनवाई की थी। जिसके बाद अब कोर्ट का फैसला सामने आया और कोर्ट ने 65 फीसदी आरक्षण को रद्द कर दिया है।

क्या था आरक्षण का कानून

बिहार की नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने 9 नवंबर,2023 को बिहार में एससी,एसटी,ईबीसी व अन्य पिछड़े वर्गों का कोटा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दिया था। जिसके साथ ही आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का 10 फीसदी कोटा मिलाकर बिहार में 75 फीसदी कोटा पहुंच गया था। इस कानून के पारित होने के साथ ही बिहार सबसे ज्यादा आरक्षण देने वाला राज्य बन गया था। जिसके बाद सामान्य श्रेणी के लोगों को सिर्फ 35 फीसदी ही नौकरी दी जा सकती थी और बाकी 65 फीसदी कोटा आरक्षित लोगों के खाते में चला गया था।

3 महीने पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती फिर युवक ने किया रेप डिप्रेशन में आई 13 साल की लड़की ने दी जान

गाजियाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में इंस्टाग्राम के साइड इफेक्ट की एक और घटना सामने आई है। मोदीनगर में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी की सोशल मीडिया पर एक युवक से दोस्ती हुई। युवक हिमांशु सोनी ने लड़की को मिलने के लिए बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। रेप का विरोध करने पर छात्रा के साथ मारपीट की गई। घरवालों को बताने पर परिवार सहित मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद किशोरी डिप्रेशन में आ गई और पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी आठवीं क्लास में पढ़ती थी। मोदीनगर के एक कॉलोनी में वह अपने माता-पिता और भाई के साथ रहती थी। करीब तीन महीने पहले इंस्टाग्राम पर उसकी कृष्णानगर कॉलोनी निवासी युवक हिमांशु सोनी से दोस्ती हुई। गत 17 जून को हिमांशु ने लड़की को मिलने के लिए बुलाया। आरोप है कि उसने किशोरी से दुष्कर्म किया।

नगीना की जनता ने 3 लाख वोट बीजेपी को भी दिए हैं

चंद्रशेखर ने योगी सरकार पर क्यों लगाया भेदभाव का आरोप ?

नगीना, 20 जून (एजेंसियां)। भीम आर्मी चीफ और नगीना से चंद्रशेखर आजाद ने सांसद बनते ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। कहीं वे उत्तर प्रदेश सरकार पर अकराबाद हत्याकांड पर गुंडों को खुली छूट देने का आरोप लगा रहे हैं, तो अब उन्होंने प्रदेश की बिजली व्यवस्था बिगड़ने पर सरकार पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया है। दरअसल उनके लोकसभा क्षेत्र नगीना में पिछले कुछ दिनों से बिजली की कटौती देखने मिली है, जिसके ऊपर नगीना के नए सांसद आग बबूला हो गए हैं। बकरीद के मौके पर हुई इस बिजली कटौती के ऊपर चंद्रशेखर आजाद ने सरकार पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगा दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, "नगीना में ईद-उल-अजहा के अवसर से लेकर अब तक बिजली की समस्या बनी हुई जिससे क्षेत्र की सम्मानित जनता को पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की दिक्कत होने लगी है।"

बीजेपी अपने ही वोटरों को भूल गई

चंद्रशेखर आजाद ने बिजली के ऊपर बोलते हुए कहा, "यूपी सरकार बदले की भावना में इतना गिर गई हैं कि ये भूल गई हैं कि नगीना की सम्मानित जनता ने बीजेपी को भी लगभग 3 लाख वोट दिए हैं। वो अपने इन वोटरों को भूल सकते है पर मेरे लिए नगीना की सम्पूर्ण जनता मेरी अपनी है और इस जनता के हितों के लिए मैं योगी जी से मांग करता हूं कि बदले की इस भावना को छोड़कर क्षेत्र की सम्मानित जनता को बिजली की सुचारू आपूर्ति करें नहीं तो मैं क्षेत्र की सम्पूर्ण सम्मानित जनता के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना देने को मजबूर हूं।" अपने इस ट्वीट में उन्होंने नगीना जिले के जिलाधिकारी, बिजली विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार को भी टैग किया है।

तेजस्वी को समाप्त कर देंगे

केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय ने ऐसा क्यों कहा

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और बीजेपी नेता नित्यानंद राय ने कहा है कि बिहार में होने वाले 2025 विधानसभा चुनाव में जनता परिवारवादी और भ्रष्टाचारी नेता तेजस्वी यादव को समाप्त कर देगी। बिहार के लोगों ने इस बारे में मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में नालंदा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद हिस्सा लिया। ऐसा करके उन्होंने दिखा दिया है कि वह बिहार से कितना प्रेम करते हैं। नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का उद्घाटन किया गया। पटना में मीडियाकर्मियों के बात करते हुए नित्यानंद राय ने कहा, 2025 के चुनाव में ये परिवारवादी और भ्रष्टाचारी नेता तेजस्वी यादव को समाप्त कर देंगे। 2025 के चुनाव में महागठबंधन को जनता जीरो पर आउट करेगी। बिहार के लोगों ने मन बना लिया है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में और पीएम मोदी के आशीर्वाद से जो विकास की धारा बह रही है। बिहारवासियों के मन में आज पीएम मोदी हैं और पीएम मोदी के मन में बिहार का एक-एक वासी है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, बिहार की धरती पर नालंदा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पीएम मोदी ने देश और दुनिया को बता दिया कि उन्हें बिहार से कितना प्रेम है। तेजस्वी पर हमला बोलते हुए नित्यानंद राय ने कहा, 2025 के चुनाव में परिवारवादी और भ्रष्टाचारी तेजस्वी यादव को समाप्त कर देंगे। राजनीति के अखाड़े में उन्हें धूल चटा देंगे।

महागठबंधन को जीरो पर आउट करा देंगे। उन्हें विश्वास है कि बीजेपी को बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी सफलता मिलने वाली है। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 243 सीटों वाली विधानसभा के लिए चुनाव की तैयारियां अभी से ही शुरू होती हुई नजर आ रही हैं। एक बार फिर से मुकाबला महागठबंधन और एनडीए के बीच देखने को मिल सकता है। एनडीए को बिहार चुनाव में मजबूती मिल सकती है, क्योंकि इस बार उसके साथ नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू है। ऊधर महागठबंधन में कांग्रेस, जेडीयू और लेफ्ट पार्टियां हैं, जो चुनाव जीतने के लिए अपनी जी-जान लगाने वाली हैं।

निहारिका वेंचर्स के एमडी की पत्नी ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा, गिरफ्तारी पर रोक की गुहार

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। प्रॉपर्टी-शेयर में निवेश के नाम पर 400 करोड़ की धोखाधड़ी के केस में फरार चल रही निहारिका वेंचर्स के एमडी अभिषेक द्विवेदी की पत्नी निहारिका द्विवेदी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निहारिका की ओर से एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह प्रथम की खंडपीठ बृहस्पतिवार को सुनवाई करेगी। पुलिस को निहारिका की आखिरी लोकेशन गोविंदपुर स्थित घर में और अभिषेक की लोकेशन आयोध्या में मिली थी। लेकिन, इनकी अबतक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। छह जून को सिविल लाइंस स्थित निहारिका वेंचर्स में प्रॉपर्टी-शेयर में निवेश करने के नाम पर 400 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया था। यह कंपनी रियल एस्टेट और शेयर बाजार में लोगों को पांच से छह फीसदी मुनाफे का लालच देकर मोटी रकम निवेश करवाती थी। निवेशकों का आरोप है कि पिछले दो महीने से कंपनी ने लोगों के पैसे रोक लिए। कंपनी में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी समेत अन्य शहर के रहने वाले लोगों ने निवेश किया है।

सूत्रों के मुताबिक इस कंपनी ने अब तक लगभग 500 से ज्यादा लोगों को अपना शिकार बनाया है।

अबतक सिर्फ एक गिरफ्तार

निवेशक कौशल यिंह समेत अन्य पीड़ितों की तहरीर पर प्रयागराज के शिवकुटी थाने की पुलिस ने गोविंदपुर निवासी एमडी अभिषेक द्विवेदी, उनकी पत्नी निहारिका और पिता ओमप्रकाश के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। अब तक पुलिस ने अभिषेक के पिता ओम प्रकाश को गिरफ्तार किया है, जबकि अभिषेक और उनकी पत्नी निहारिका को पुलिस तलाश रही है। गिरफ्तारी से बचने के लिए निहारिका ने हाईकोर्ट ने याचिका दाखिल की है।

शहर में ही 200 से अधिक लोगों से ठगी

पुलिस को दी तहरीर में कौशल ने आरोप लगाया है कि सिविल लाइंस में निहारिका वेंचर्स नाम की कंपनी है। यह कंपनी रियल एस्टेट और शेयर बाजार में लोगों का पैसा निवेश करती है। लालच दिया जाता है कि हर महीने पांच से छह फीसदी मुनाफा दिया जाएगा। इसी लालच में फंसकर कौशल ने भी 35 लाख रुपये निवेश कर दिया। कौशल के मुताबिक उनके जैसे प्रयागराज में ही 200 से अधिक लोगों ने लाखों रुपये निवेश किए हैं। कंपनी ने अपना सिविल लाइंस स्थित ऑफिस बंद कर दिया है।

2020 में खोली थी कंपनी

पुलिस पड़ताल में सामने आया है कि कंपनी की शुरुआत वर्ष 2020 में हुई थी। उस दौरान कंपनी सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर के पास था। लेकिन, तब वह ऑफिस किराये पर था। बाद में निहारिका वेंचर्स एंड डेवलपर्स ने अपना व्यावसायिक ऑफिस सिविल लाइंस स्थित लैंडमार्क में ले लिया था। छह महीने पहले ही यहां ऑफिस शिफ्ट किया गया था। लेकिन, जब पीड़ितों को पैसा नहीं मिला तो ऑफिस बंद होने के बारे में निवेशकों को जानकारी हुई।

इन-इन जगहों पर मिली 14 संपत्तियां

गोविंदपुर में इनके अपने घर के अलावा अलकनंदा में तीन अपार्टमेंट हैं। सिविल लाइंस के सरोजनी अपार्टमेंट में एक फ्लैट, सिविल लाइंस के साईं लैंडमार्क में एक ऑफिस, नैनी स्थित रुद्रा आकृति में तीन फ्लैट, झूंसी के पारस नारायण में दो फ्लैट हैं। वहीं, लखनऊ में यमुना विहार कॉलोनी में एक घर है, जो निहारिका के नाम से हैं। इसके अलावा मिर्जापुर में एक प्लाट और नोएडा के वेब अपार्टमेंट में एक फ्लैट हैं। यह संपत्ति ओमप्रकाश, निहारिका, अभिषेक व उसके भाई के नाम पर है। पुलिस इन सभी संपत्तियों को लेकर रिपोर्ट तैयार की है।

पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़ में इनामी बदमाश 'चूहा' गिरफ्तार, लंबे वक्त से थी तलाश

नोएडा, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक इनामी बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए बदमाश पर अलग-अलग थानों में लूट तथा अन्य अपराधों के करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा था। प्रकाश उर्फ चूहा नाम का यह बदमाश काफी लंबे समय से अपने साथी के साथ मिलकर लूट की वारदातों को अंजाम दे रहा था। वह दिल्ली के कल्याणपुरी का रहने वाला है और नोएडा में वारदात कर वापस दिल्ली चला जाता था।

पुलिस ने बताया है कि 19 जून की देर रात थाना सेक्टर-113 पुलिस ने एफएनजी रोड पुस्ता के पास चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को रुकने का इशारा किया। दोनों रुकने की बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में प्रकाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस तथा चोरी की मोटरसाइकिल और लूट के चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। कल्याणपुरी का ही रहने वाला उसका साथी मनीष मौके से फरार हो गया है।

टॉपर घोटाले के मास्टरमाइंड बच्चा राय के खिलाफ एक्शन में ईडी, कॉलेज के आर्थिक स्त्रोत खंगालने में जुटे अधिकारी

मुजफ्फरपुर, 20 जून (एजेंसियां)। टॉपर घोटाले के मुख्य आरोपित बच्चा राय पर ईडी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने उसके बीएड कॉलेजों में हुए नामांकन और फीस संरचना को लेकर जानकारी मांगी है। इसे लेकर ईडी की ओर से बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को पत्र भेजा गया है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को भेजे पत्र में ईडी ने बच्चा राय के विशुन राजदेव टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में पिछले 10 वर्षों में हुए नामांकन से लेकर फीस संरचना का रिकार्ड मांगा है। विश्वविद्यालय को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कॉलेज में सत्र 2011-12 से लेकर 2022-23 तक कितने नामांकन हुए हैं। इसमें बीएड, एमएड व डीएलएड कोर्स की जानकारी मांगी गई है। डीएलएड कोर्स की संबद्धता बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से है फिर भी ईडी की ओर से विश्वविद्यालय से जानकारी मांगी गई है।

वहीं, ईडी ने फीस के स्वरूप को लेकर भी जानकारी मांगी है। इसमें पेमेंट का मोड यानी कोर्स का फीस क्या सीधे विश्वविद्यालय लेता था और कॉलेज को उसका अंश दिया जाता था या फीस सीधे कॉलेज लेता था और विश्वविद्यालय का उसका शुल्क मिलता था या कोई अन्य माध्यम इन तमाम बिंदुओं पर विश्वविद्यालय की ओर से जवाब दिया जाना है। केवल बीएड और एमएड कोर्स से जुड़ी जानकारी ही विश्विद्यालय से संबद्ध है। दूसरी ओर ईडी की ओर से अप्रैल महीने में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर बच्चा राय के कॉलेजो पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। उस वक्त बताया गया था कि विश्वविद्यालय की ओर से उसके कॉलेज को डिएफलिएट करने की कार्रवाई होनी है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से कानूनी राय लिए जाने की बात सामने आई थी।

हाथरस में दोहरे हत्याकांड में 11 लोगों को उम्रकैद की सजा

2018 में दो सगे भाइयों की हत्या की गई थी

हाथरस, 20 जून (एजेंसियां)। जंक्शन के गांव गढ़ी बलना में दो सगे भाईयों की हत्या के मामले में मंगलवार को एडीजे एफटीसी प्रथम कोर्ट ने 11 अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर अर्थदंड लगाया है। एडीजीसी शिवेंद्र प्रताप सिंह चौहान के मुताबिक मामला नौ जून 2018 का है। गढ़ी बलना निवासी राजकुमार ने कोतवाली हाथरस जंक्शन में 11 लोगों के खिलाफ अपने दो सगे भाईयों की गोलियों से भूनकर हत्या कर डालने का मुकदमा दर्ज कराया। राजकुमार धाकरे पुत्र सियाराम ने मुकदमा दर्ज कराते हुए कहा कि उसकी गांव के यशोधन सिंह से पुरानी दुश्मनी चली आ रही है। नौ जून को वह गांव के ही एक व्यक्ति के घर पर जन्मदिन पार्टी में गया था। वहां यशोधन सिंह और उसके पूरे परिजनों ने हमला बोल दिया। वह भागता हुआ घर आया तो हमलावरों ने गोलियों की बरसात सी कर डाली। इसमें उसे भाई नेत्रपाल और प्रताप सिंह दोनों की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गोली लगने से वह गंभीर रुप से घायल हो गया।

पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ हत्या,बलवा और जानलेवा हमले की धाराओं में आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया। इस मामले की सुनवाई एडीजे एफटीसी प्रथम महेन्द्र श्रीवास्तव की अदालत में चल रही थी।

कोर्ट ने आरोपी को सुनाया उम्रकैद की सजा

सारे गवाह और सबूत के आधार पर कोर्ट ने यशोधन सिंह राजन सिंह, गजेन्द्र सिंह, संदीप कुमार, हरेन्द्र, पुष्पेन्द्र, शीलेन्द्र सिंह, अजय कुमार, अशोक कुमार, पवन सिसोदिया और सतेन्द्र सिंह को धारा 302,307 सहित अन्य धाराओं में उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही सभी अभियुक्तों पर जुर्माना लगाया है।

परिवार के ही सदस्य थे मुकदमे में गवाह

वादी के अधिवक्ता यज्ञदत्त गौतम का कहना है कि मुकदमे में परिवार के सदस्य गवाह थे। इसमें राजकुमार,देवेन्द्र सिंह और मृतक प्रताप सिंह की पत्नी हेमलता के साथ-साथ मृतक प्रताप सिंह का बेटा चश्मदीद गवाह थे। हेमलता की अपने पति की मृत्यु के उपरांत मौत हो चुकी है। बाकी तीन लोगों ने पूरी गवाह दी और उसी के चलते 11 लोगों को उम्रकैद की सजा हो गई।

कोर्ट मैरिज करने कलेक्ट्रेट पहुंचे युवक को उठा ले गए परिजन

बोले- युवती ने बेटे पर कर रखा तंत्र-मंत्र

आगरा, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में कलेक्ट्रेट में कोर्ट मैरिज के लिए पहुंचे युवक-युवती के परिजन आमने-सामने आ गए। युवक के परिजन युवक को जबरन उठा ले गए। कोर्ट मैरिज नहीं होने दी। युवक के परिजन का आरोप था कि युवती ने लड़के पर तंत्र-मंत्र कर दिया है। युवक और युवती दोनों बालिग हैं। मलपुरा क्षेत्र के रहने वाले हैं। कलेक्ट्रेट में यह ड्रामा देख लोगों की भीड़ जुट गई। युवक को कलेक्ट्रेट से ले जाते समय एक युवक ने पीछे से उसके हाथ पकड़े हुए थे। युवक का पिता पीछे-पीछे चल रहा था। परिजन का आरोप है कि युवती पहले से विवाहित है। जबकि युवती का कहना है कि उसकी एडिट फोटो किसी ने फेसबुक पर डाल दी, जिसमें एक युवक उसकी मांग भर रहा है। यह फोटो फर्जी है। युवती के परिजन युवक से युवती की शादी के लिए तैयार थे। इसलिए वह युवक व युवती के साथ कोर्ट मैरिज में शामिल होने कलेक्ट्रेट आए थे। कलेक्ट्रेट में एडीएम कोर्ट में कोर्ट मैरिज होती हैं।

युवक के गले में ताबीज बंधा था। जिसे पिता ने यह कहते हुए तोड़ लिया कि मेरे बेटे पर युवती ने तंत्र-मंत्र कर दिया है। परिजन का आरोप था कि युवक अपने घर नहीं जाता। युवती के साथ ही रहता है। युवती के परिजन का कहना है कि एक विवाहित युवक बेटी को बदनाम कर रहा है। उसी ने फर्जी फोटो फेसबुक पर डाले थे।

हरियाणा सरकार ने दिल्ली के हक का पानी रोका', संजय सिंह का बीजेपी पर आरोप

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पानी संकट को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता दिल्ली का हक मारना चाहते हैं। हरियाणा सरकार ने दिल्ली का पानी रोक रखा है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मुताबिक दिल्ली के लोग तीन बार से बीजेपी को जिता रहे हैं। जबकि लोकसभा में बीजेपी नेता पाईपलाईन तोडते हैं। पूर्व सांसद रमेश विधूड़ी ने जल बोर्डका कार्यालय तोड़ते हैं।

'हरियाणा को मिले दिल्ली का हक'

बीजेपी के नेताओं कने दिल्ली के हक का पानी चाहिए। हरियाणा की बीजेपी की सरकार ने दिल्ली के पानी को रोक रखा है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि हरियाणा की सरकार को दिल्ली के हक का पानी मिलना चाहिए। दिल्ली के लोगों का जो अधिकार है, उसे वो हरियाणा को दिलाना चाहते हैं।

'बीजेपी नेता नहीं कर रहे सहयोग'

केंद्र सरकार ने सीएम अरविंद केजरीवाल को पकड़कर जेल में डाल दिया। बीजेपी के नेता दिल्ली में कुछ दिनों से जारी पानी के संकट को दूर करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। दिल्ली में भीषण गर्मी की वजह से पानी संकट से कई इलाकों के लोग जूझ रहे हैं। इस मसले पर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के लिए तकरार चरम पर है। बीजेपी दिल्ली सरकार पर कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है तो आप नेताओं का कहना है कि बीजेपी वाले दिल्ली को पानी नहीं दिलाना चाहते हैं। बीजेपी के हरियाणा को दिल्ली के हक का पानी दिलाना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि वो दिल्ली वालों को उसका पानी दिलाकर रहेगी। इसके लिए हर स्तर पर लड़ाई के लिए आप तैयार है।

एमपी की अमरवाड़ा सीट पर तीसरी पार्टी की एंट्री से दिलचस्प हुई लड़ाई, कमलनाथ ने चला मास्टरस्ट्रोक

भोपाल, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर प्रतिष्ठा का चुनाव होने जा रहा है। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट के उपचुनाव को बीजेपी के साथ कांग्रेस के दिग्गज कमलनाथ ने भी प्रतिष्ठा की लड़ाई बना लिया है। बीजेपी के बाद कांग्रेस उम्मीदवार के नाम का ऐलान होने के बाद अमरवाड़ा उपचुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। यहां लड़ाई बीजेपी के राजा बनाम कांग्रेस के संत परिवार के बीच हो गई है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के उम्मीदवार की मौजूदगी ने मुकाबला रोचक बना दिया है।अमरवाड़ा सीट के उपचुनाव के लिए 10 जुलाई 2024 को वोटिंग होगी। छिंदवाड़ा जिले कि अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव कमलेश शाह के लोकसभा चुनाव के दौरान विधायक पद से इस्तीफा देकर बीजेपी जॉइन करने के कारण हो रहा है। बुधवार को इस सीट पर उम्मीदवारों को लेकर सस्पेंस पूरी तरह खत्म हो गया। बीजेपी कैंडिडेट कमलेश शाह के सामने कमलनाथ ने 35 साल के धीरन शाह इनवाती को कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। गोंड आदिवासी समाज की आस्था के सबसे बड़े केंद्र आंचल कुंड धाम की तीसरी पीढ़ी के संत सुखरामदास के बेटे धीरन शाह इनवाती गुरुवार (20 जून) को अपना पर्चा दाखिल कर रहे हैं।

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द होने पर गरमाई सियासत

संजय राउत बोले- 'पीएम परीक्षा में फ्राड पर चर्चा कब करेंगे

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। यूजीसी-नेट 2024 परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। गड़बड़ी की आशंका के चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने ये फैसला लिया है। 18 जून को ये परीक्षा कराई गई थी। अब इसकी जांच सीबीआई करेगी। इसपर अब उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत की तरफ से बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। संजय राउत ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री मन की बात करते हैं और परीक्षा पर चर्चा भी करते हैं। लेकिन देश में परीक्षा के नाम पर जो फ्रॉड हो रहा है उस पर चर्चा नहीं करेंगे। लाखों युवाओं के भविष्य का जो सवाल है उस पर बात नहीं करेंगे, इटली में जाकर चर्चा जरूर कर रहे हैं। हम सवाल पूछे तो बोलते हैं आप पीएम से सवाल करते है। देश में बहुत बड़ा कन्फ्यूजन तैयार हो गया है।

संजय राउत ने आगे कहा, हमने 31 सांसद राज्य से मोदी जी के खिलाफ जीतकर भेजा है। हमारे पास से सबकुछ छीन लिया, फिर भी शिवसेना ने 9 सीटों पर जीत का परचम लहराया। कल शिवसेना स्थापना के दिन पर उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी को चैलेंज दिया है। हमारे पास से आपने सब छीन लिया लेकिन फिर भी शिवसेना ने संघर्ष किया। हमारा चैलेंज है कि पीएम मोदी को कि जिसको आपने हमारा चुनाव चिन्ह दिया उनको हटाकर हमसे सीधे चुनाव लड़िये। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 18 जून को दो पालियों में यूजीसी-नेट आयोजित किया गया था। एक बयान में, शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूजीसी को गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से परीक्षा में धांधली की सूचना मिली है। बयान में कहा गया है, परीक्षा प्रक्रिया में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि यूजीसी-नेट 2024 को रद्द कर दिया जाए। अब फिर से परीक्षा आयोजित की जाएगी, इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी।

डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा चुनी गईं निर्विरोध राज्यसभा सदस्य, बारामती से मिली थी हार

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार एनसीपी से 18 जून को निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुनी गईं। रिटर्निंग ऑफिसर और महाराष्ट्र विधानमंडल सचिवालय के सचिव जितेंद्र भोले ने उच्च सदन के लिए उनके निर्वाचन की घोषणा की। इस पद के लिए केवल सुनेत्रा पवार का ही आवेदन प्राप्त हुआ था। सुनेत्रा पवार के चुने जाने से बारामती में अब 3 सांसद हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार भी राज्यसभा सांसद हैं। अब बारामती के लोगों का ध्यान इस बात पर है कि शरद पवार के साथ-साथ ननद और भाभी बारामती के विकास के लिए क्या भूमिका निभाएंगे। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में पूरे देश की नजर बारामती लोकसभा सीट पर थी। लोकसभा चुनाव में उन्होंने 4 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, जिनमें से उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती से मैदान में उतारा गया था। हालांकि, सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा पवार को बड़े अंतर से हरा दिया। इसी बीच, प्रफुल्ल पटेल के इस्तीफे से राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई। इस सीट पर महायुति (एनडीए) ने बारामती में अजित पवार का प्रभाव बनाए रखने के लिए सुनेत्रा पवार को निर्विरोध चुनने का निर्णय लिया। इसके बाद अजित पवार ने सुनेत्रा पवार का नामांकन दाखिल कराया। एकमात्र आवेदन प्राप्त होने के कारण सुनेत्रा पवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। इस सीट पर दिलचस्प मुकाबला ननद और भाभी के बीच था। बारामती से शरद पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले को और अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाया था।

2364 ईटीटी की भर्ती पर लटकी तलवार

परिणाम जारी करने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

चंडीगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। 2364 ईटीटी शिक्षकों की भर्ती पर पंजाब सरकार के एक आदेश के चलते फिर से तलवार लटक गई है। इस भर्ती में डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन के 18 माह के कोर्स वाले आवेदकों को बाहर करने के निर्णय के चलते मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है और हाईकोर्ट ने अंतिम परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने दिसंबर में सरकार के दिए गए उस बयान पर भी स्पष्टीकरण मांगा है जिसमें 8 सप्ताह में परिणाम जारी करने की बात कही गई थी। याचिका दाखिल करते हुए महावीर सिंह व अन्य ने हाईकोर्ट को बताया कि पंजाब सरकार ने 2020 में 2364 ईटीटी शिक्षक पद के लिए आवेदन मांगे थे। नियुक्ति के दौरान लिखित परीक्षा और ऊंची शैक्षणिक योग्यता के 5 अंक जोड़ कर मेरिट बनाई जानी थी। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि नियमों में कहीं भी ऐसा प्रावधान नहीं है कि उच्च शैक्षणिक योग्यता के लिए अतिरिक्त अंक दिए जाएं। साथ ही कानूनी प्रावधान के अभाव में भर्ती के लिए न तो कुछ जोड़ा जा सकता है और न ही कुछ समाप्त किया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि पंजाब सरकार ग्रेजुएशन को उच्च योग्यता मान कर उसके 5 अंक दे रही है, जबकि ईटीटी शिक्षक के लिए यह अनिवार्य शर्त नहीं है। ऐसे में अतिरिक्त पांच अंक देने के नियम को खारिज करने की हाईकोर्ट से अपील की गई थी।

सिंगल बेंच ने 8 नवंबर 2021 को भर्ती की पूरी प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया था। इसके खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई थी उसे भी गत वर्ष सिंगल बेंच ने खारिज कर दिया था। ऐसे में सिंगल बेंच के आदेश को खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी गई थी। खंडपीठ ने दिसंबर 2023 में अब अपना फैसला सुनाते हुए सिंगल बेंच के 8 नवंबर के आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही पंजाब सरकार को विज्ञापन के अनुसार भर्ती पूरा करने का आदेश दिया था।

पंजाब सरकार ने तब कोर्ट को बताया था कि परिणाम तैयार है और 8 सप्ताह में भर्ती पूरी कर ली जाएगी। अब पंजाब सरकार ने एजी कार्यालय की राय लेकर फिर से योग्यता मानकों में परिवर्तन कर दिया है। इस भर्ती में 18 माह के डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन कोर्स धारकों को अयोग्य करार दे दिया है। याची ने कहा कि इस प्रकार मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाने के बाद अब अपने स्तर पर एजी कार्यालय से राय लेकर योग्यता में परिवर्तन अवैध है। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पंजाब सरकार व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही दिसंबर में दी गई अंडरटेकिंग पर भी स्पष्टीकरण मांगा है जिसके अनुसार 8 सप्ताह में भर्ती पूरी करने की दलील दी गई थी।

पिता के साथ जिंदा जलीं 2 बेटियां आग ने सब खत्म कर दिया

ग्वालियर, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में तीन मंजिला मकान में आग लगने से पिता के साथ दो बेटियां जिंदा जल गईं। आग लगने की जानकारी मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची। काफी मेहनत के बाद आग पर काबू भी पा लिया गया, लेकिन तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। इस हादसे में जान गंवाने वाले तीनों लोगों के शव अस्पताल भेज दिए गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा जाएगा।

ग्वालियर शहर में बहोड़ापुर थाना इलाके के कैलाश नगर में विजय गुप्ता अपने परिवार के साथ रहते थे। तीन मंजिला मकान में ग्राउंड फ्लोर में सूखे मेवे का गोदाम था। वहीं, ऊपर के फ्लोर में विजय गुप्ता का परिवार रहता था। उनके परिवार में विजय के अलावा उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा था। हालांकि, अब विजय और उनकी दोनों बेटियों की मौत हो चुकी है। विजय की पत्नी बेटे के साथ मायके गई हुई थी। ऐसे में वह अपनी दोनों बेटियों के साथ घर में सोए हुए थे। गुरुवार सुबह 4 बजे के करीब शॉर्ट सर्किट के कारण उनके घर में आग लग गई। चश्मदीदों के अनुसार आग वहीं लगी थी, जहां से घर से बाहर निकलने का रास्ता था। ऐसे में भीषण आग लग जाने से घर के अंदर सो रहे पिता और दो बेटियों की दम घुटने से मौत हो गई।

आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मकान से पिता और दो बेटियों के शव दीवार तोड़कर बाहर निकाले गए। तीनों शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया।

मुंबई में अगले 24 घंटे कैसा रहेगा मौसम, कहां होगी बारिश? इन इलाकों में येलो अलर्ट जारी

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। शहर और उपनगरों में अगले 24 घंटों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। मुंबई में सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है, कुछ जगहों पर बादल छाये हुए हैं। मुंबई, पालघर, ठाणे, रत्नागिरी, रायगढ़, सिंधुदुर्ग और विदर्भ में मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून, जो मुंबई पहुंचने के बाद धीमा पड़ गया था, अब गति पकड़ रहा है और 21-22 जून तक इसके और आगे बढ़ने की उम्मीद है। मानसून की प्रगति उत्तर भारत को बहुत जरूरी राहत प्रदान करेगी, जो भीषण गर्मी की मार झेल रहा है। मुंबई पहुंचने के बाद मानसून की गतिविधि कमजोर थी, लेकिन यह धीरे-धीरे मध्यम हो रही है। यह 21-22 जून तक मजबूत हो जाएगा और तटीय महाराष्ट्र में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मुंबई के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख सुनील कांबले ने बताया कि इस दौरान मराठवाड़ा सहित मध्य महाराष्ट्र में हल्की से मध्यम बारिश होगी। मुंबई के कई हिस्सों में बुधवार सुबह बारिश हुई, लेकिन यह भीषण गर्मी से राहत देने के लिए पर्याप्त नहीं थी। मानसून अपने सामान्य समय से दो दिन पहले 9 जून को मुंबई पहुंचा था।

तब से इसमें बहुत कम प्रगति हुई है और यह अभी भी उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ के कुछ हिस्सों को कवर नहीं कर पाया है। 1 जून को मानसून की अवधि की शुरुआत के बाद से भारत में 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है, और 12 से 18 जून के बीच बारिश लाने वाली प्रणाली में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आईएमडी ने कहा कि जून में सामान्य से कम बारिश होगी। जून और जुलाई को कृषि के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानसून महीने माना जाता है क्योंकि खरीफ फसल की अधिकांश बुवाई इसी अवधि के दौरान होती है।

कनाडा जाने के लिए 24 साल का लड़का बन गया 67 वर्ष का बुजुर्ग! सीआईएसएफ ने पकड़ा तो हो गया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने 24 साल के एक लड़के को पकड़ा है। यह युवक 67 वर्षीय व्यक्ति के पासपोर्ट पर कनाडा जा रहा था। हालांकि, एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों को उसके ऊपर संदेह हुआ। इसके बाद उसे रोक लिया गया और जांच में पता चला कि वह कोई और ही इंसान है। उसके ऊपर मानव तस्करी में शामिल होने और फर्जी पहचान बताने के आरोप हैं। सीआईएसएफ के एक अधिकारी के अनुसार, 18 जून को शाम 5.20 बजे, प्रोफाइलिंग और व्यवहार जांच के आधार पर, कर्मचारियों ने टर्मिनल-3 के चेक-इन क्षेत्र में एक यात्री को रोका। अधिकारी ने कहा, पूछताछ करने पर, उसने अपना नाम रशविंदर सिंह सहोता बताया, जिसका जन्म 10 फरवरी, 1957 को हुआ था और उसने बताया कि वह रात 10.50 बजे एयर कनाडा की फ्लाइट से कनाडा जा रहा है। हालांकि, उसके पासपोर्ट की जांच करने पर कई तरह की गड़बड़ी पाई गई। अधिकारी ने कहा, उसका रूप, आवाज और त्वचा की बनावट पासपोर्ट में दिए गए विवरण से काफी कम उम्र की लग रही थी। करीब से देखने पर पता चला कि उसने अपने बाल और दाढ़ी सफेद रंगवा ली थी और बूढ़ा दिखने के लिए चश्मा पहन रखा था। जैसे-जैसे उस पर संदेह बढ़ता गया, उसे गहन तलाशी के लिए प्रस्थान क्षेत्र में एक चेकिंग पॉइंट पर ले जाया गया। उसके मोबाइल फोन की जांच के दौरान, 10 जून 2000 को जन्मे

बच्चा है कोई खिलौना तो नहीं, हाई कोर्ट के जज ने क्यों लगाई मां-बाप को फटकार

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक केस की सुनवाई कर रहे उच्चन न्यायालय ने पैरेंट्स को कड़ी फटकार लगाई है। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच का कहना है कि बच्चे को मां-बाप के खिलौने की तरह नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही कहा है कि बच्चे के हित को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। कोर्ट ने मां और पिता दोनों को बच्चे की गर्मियों की छुट्टी के दौरान बराबर कस्टडी देने के आदेश दिए हैं।दरअसल, बच्चे की मां की तरफ से उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी, जिसके जरिए फैमिली कोर्ट के 8 मई के आदेश को चुनौती दी गई थी। फैमिली कोर्ट ने पिता को 7 हफ्ते और मां को 5 हफ्ते की कस्टडी दी थी। याचिका पर सुनवाई जस्टिस भरत देशपांडे की बेंच कर रही थी।

क्या बोला कोर्ट

बार एंड बेंच के मुताबिक, 'यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि माता-पिता मिलने के अधिकार की भरपाई करने के लिए बच्चे को खिलौने की तरह नहीं समझा जाना चाहिए। बच्चे के साथ इंसान जैसा बर्ताव जरूरी है और सबसे जरूरी बात यह है कि बच्चे के हित को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए।' अदालत में 14 जून को आदेश जारी किया था।

बच्चे के माता-पिता

बच्चे के माता-पिता अमेरिकी नागरिक हैं और उनकी शादी कैलिफोर्निया में हुई थी और बच्चे का जन्म 2019 में पेरिस में हुआ। कुछ समय बाद ही दोनों के बीच रिश्ते तल्ख हुए और पिता बच्चे को लेकर गोवा आ गए। तब कैलिफोर्निया की कोर्ट ने एक्स पार्ट ऑर्डर में बच्चे की कस्टडी पिता को सौंप दी थी।

इसके बाद मां भी भारत पहुंची और दोनों ने मिलकर मापुसा में फैमिली कोर्ट का रुख किया। खास बात है कि उच्च न्यायालय ने आदेश में यह भी बताया है कि उसने अक्टूबर 2023 में फैमिली कोर्ट के जून 2023 के एक आदेश का संशोधन किया है। तब बच्चे की कस्टडी मां को दी गई थी और पिता को मिलने का अधिकार दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, पिता बच्चे के खराब स्वास्थ्य के कारण उससे नहीं मिल सका था और उन्होंने स्कूल की छुट्टियों के दौरान बच्चे की कस्टडी के लिए मापुसा के फैमिली कोर्ट में आवेदन दाखिल कर दिया। अब 8 मई को फैमिली कोर्ट की तरफ से जारी आदेश में पिता को 7 हफ्ते और मां को 5 हफ्ते कस्टडी दी गई थी।

इसके खिलाफ मां ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जज साहब ने कहा कि पिता को 7 हफ्ते की कस्टडी देना बच्चे के हित के खिलाफ है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी नाजुक उम्र में मां की मौजूदगी उसके लिए ज्यादा जरूरी है। कोर्ट ने माता-पिता के बीच कस्टडी के समय को बराबर बांटने की बात कही है। ऐसे में दोनों के बीच 11 सप्ताह बराबर बांटे जाएंगे और दोनों को 5-5 सप्ताह की कस्टडी मिलेगी।

हुस्न के जाल में फंसाया, 40 गोलियां मरवाईं, आखिर कौन है लेडी डॉन अनु? जिसकी पुलिस को तलाश

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के राजौरी गार्डन में बने बर्गर किंग में घुसकर एक युवक को गोलियों से छलनी कर दिया गया। हत्याकांड की साजिश हजारों किलोमीटर दूर पुर्तगाल में बैठे गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने रची, लेकिन गैंगस्टर ने इस साजिश को अंजाम तक पहुचाने की जिम्मेदारी अपनी खासमखास अनु को दी, जिसे अपराध की दुनिया की नई लेडी डॉन का जा रहा है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने जिसे अनु के हाथों ठिकाने लगवाया, उसकी शिनाख्त झज्जर के रहने वाले अमन जून के तौर पर हुई। अनु ने अमन को अपने हुस्न के जाल में फंसाकर रेस्टोरेंट बुलाया और 40 गोलियां मरवाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। फिर वह उसका फोन, पर्स लेकर फरार हो गई। इसी लेडी डॉन अनु की तलाश ही दिल्ली पुलिस को है।

सूत्रों के मुताबिक, अनु की उम्र महज 24 साल है, लेकिन उसे डॉन बनने की चाह थी। अपनी इसी चाहत को पूरा करने के लिए अनु जरायम की दुनिया में आ गई। अनु की इसी चाहत ने उसे हिमांशु भाऊ का बेहद करीबी और विश्वासपात्र बना दिया। शायद इसलिए हिमांशु भाऊ को भरोसा था तो उसके खतरनाक मंसूबों को अजाम तक कोई पंहुचा सकता है तो वो अनु है। अनु को पिछले कई महीनों से हरियाणा पुलिस और उसका परिवार तलाश रहा है। अनु के परिवार ने अनु की गुमशुदगी रोहतक के पुलिस थाने में लिखवा रखी है, लेकिन हरियाणा की पुलिस अनु को केवल इसीलिए ही नहीं तलाश रही, बल्कि उसके अपराधों के कारण पुलिस उसे तलाश रही है। सूत्रों की मानें तो अनु हिमांशु भाऊ के गुर्गों के संपर्क में थी। अनु हिमांशु भाऊ गैंग के जेल मं बंद बदमाशों से मिलने जाती थी। दिल्ली पुलिस की कोशिश है कि जल्द से जल्द अनु को पकड़ा जाए, ताकि कत्ल की साजिश से पूरी तरह पर्दा उठ सके। पुलिस अब उस रूट को पता करने में जुटी है, जहां से शूटर्स को हथियार मिले। क्या वो हथियार दिलवाने वाली भी अनु ही थी? एक बड़ा सवाल पुलिस के सामने ये भी है कि हनीट्रैप कैसे रचा गया? आखिर हिमांशु की दोस्त अनु अमन के संपर्क में कब और कैसे आई?

अतीक अहमद के भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा के घर पर चला बुलडोजर, सामने आया वीडियो

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने आज माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ़ की ससुराल पर बड़ी कार्यवाई की है। पीडीए ने वक्फ बोर्ड को जमीन पर बनाये गए करोड़ो के मकान को आज बुलडोज़र से ध्वस्त कर दिया। 400 वर्ग गज में बना ये आलीशान मकान कानपुर हाईवे से सटा हुआ है। इसलिए इसकी कीमत भी करोड़ो में है ,वक्फ बोर्ड की इस ज़मीन को अशराफ़ में ससुराल वालों ने कागज़ों में हेरफेर करके अपने नाम करा लिया था। इस प्रॉपर्टी पर अशरफ़ की पत्नी ज़ैनब और उसके भाई फ़ैज़ी का कब्ज़ा था। ज़ैनब और उसके भाइयों पर पहले ही वक्फ बोर्ड के केयर टेकर ने मुकदमा दर्ज करा दिया था। इसके बाद राजस्व विभाग ने जांच की तो पता चला कि सलाहपुर में अशरफ के साले और ज़ैनब ने वक्फ की ज़मीन पर खुद कब्ज़ा करके दुकान बनवा-बनवा कर बेच दी और काफी ज़मीनों पर अपने लिए कोठी बनवा ली। वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति वापस पाने के लिए प्रशासन से मांग की तो पीडीए का एक्शन शुरू हो गया।

आज सल्लपुर में ज़ैनब और उसके भाई द्वारा कब्ज़ा की गई वक्फ की संपत्ति पर बने घर को 3 बुलडोज़र चलवा कर ध्वस्त किया। 400 गज में बने इस मकान की कीमत करीब 3 करोड़ रुपये है। आज इस मकान को ध्वस्त करने के बाद सोमवार को ज़ैनब की आलीशान कोठी पर भी बुलडोज़र चलेगा, जो सबसे महंगी है। प्रशासन का कहना है कि अशरफ की पत्नी जैनब ने 50 करोड़ से अधिक की वक्फ संपत्ति पर जैनब, जैद मास्टर आदि ने कब्जा कर मकान बनवाया हुआ है। इसे ध्वस्त करने का आदेश हुआ था।

ये अवैध निर्माण पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर में वक्फ बोर्ड की जमीन पर बनाया गया था। बता दें कि जैनब फातिमा के जिस आलीशान घर पर बुलडोजर चलाया जाएगा उसकी कीमत पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह घर सात बीघा जमीन पर बना हुआ था। जमीन पर अशरफ की पत्नी जैनब, उसके भाई जैद और सद्दाम ने कब्जा किया हुआ था। वक्फ बोर्ड की जमीन पर अवैध कब्जा को लेकर नंवबर 2023 में मामला दर्ज कराया गया था। इसके बाद दिसंबर 2023 को गैंगस्टर एक्ट में मुनादी कराकर इसे कुर्क किया गया था।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 21 जून- 2024

पेपर लीक कब रुकेगी?

हमने तो पूरी मेहनत से तैयारी की थी। पूरी उम्मीद थी कि नेट का एग्जाम पास कर लेंगे। कोफ्त हो रही है कि सपना पूरा होता उससे पहले ही खबर आई कि पेपर लीक होने की वजह से कैंसिल हो गया। अब फिर से एग्जाम के लिए जाना होगा। आने वाला एग्जाम भी फुल प्रूफ होगा या नहीं, यही सवाल मन को कचोट रहा है। ये दर्द है यूजीसी नेट की परीक्षा में शामिल हुए एक अभ्यर्थी का, जिसका पेपर एग्जाम के अगले ही दिन कैंसिल हो गया। उसने बताया कि बड़ी खुशी-खुशी परीक्षा देकर लौटा था। क्योंकि एग्जाम अच्छा गया था। इस बार उसे नेट क्लीयर होने का पूरी भरोसा था। लेकिन ये क्या एनटीए ने एक दिन बाद ही यूजीसी नेट की परीक्षा कैंसिल कर दी। इस खबर से कितने ही बच्चों का दिल टूट गया होगा, शायद इसका अंदाजा बच्चों के कर्णधारों को नहीं होगा। इस परीक्षा को लेकर छात्रों ने जमकर तैयारी की थी। उसे भरोसा ही नहीं हो रहा कि आखिर अचानक क्या हुआ। वो खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। छात्रों का तो बस यही कहना है कि हमारी क्या गलती है? हम तो बड़ी मेहनत से तैयारी करके एग्जाम में शामिल होने पहुंचे थे। अब हमें फिर एग्जाम की तैयारी करनी होगी। इससे भी बड़ी टेंशन ये है कि आगे फिर ऐसा नहीं होगा। हम कैसे परीक्षा की तैयारी में जी-जान से जुटें। भविष्य भी बस अंधकारमय ही नजर आ रहा है। नेट की परीक्षा कैंसिल होने से हजारों स्टूडेंट्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करना है। नेट परीक्षा कैंसिल होने से इसमें शामिल स्टूडेंट्स के सामने वही पूरा शेड्यूल आंखों के सामने घूम गया। कैसे उन्होंने तैयारी की, कई किलोमीटर की यात्रा करके परीक्षा देने गए। परीक्षा के आगे उन्होंने भूख-प्यास की भी परवाह नहीं की। उनका एकमात्र टारगेट था कि किसी तरह से नेट क्लीयर हो जाए। इससे उन्हें एक नई राह मिल जाएगी। नीट हो या यूजीसी-नेट या फिर कोई और प्रतियोगी परीक्षा, हर छात्र इसी उम्मीद से तैयारी करता है कि एग्जाम में वह अच्छे नंबर लाएगा। खास तौर से मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चों की आंखों का सपना होता है कि इन परीक्षाओं के बाद उनका और परिवार का भविष्य सुधर जाएगा। इसे पास करने के लिए वे दिन रात मेहनत कर एग्जाम की तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ लोगों की गलती का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है। पेपर लीक की आशंका पर सरकार या फिर एग्जाम कराने वाली एजेंसी परीक्षा कैंसिल करने में जरा भी देर नहीं लगाती। हालांकि, क्या वो उन स्टूडेंट्स के बारे में सोचती है जिनके लिए ये एग्जाम सबकुछ होता है। उनके एक फैसले से छात्रों की पूरी मेहनत पार पानी फिर जाता है। इस तरह अचानक पेपर लीक से सिर्फ छात्र ही परेशान नहीं हैं। उन छात्रों के परिजन भी आक्रोशित नजर आ रहे। उनका यही कहना है कि पेपर लीक की समस्या उनके जैसे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अभिशाप जैसा है। उनके बच्चे बड़ी मेहनत से परीक्षा की तैयारी करते हैं और जब परीक्षा देकर आते हैं तो पता चलता है पेपर लीक हो गया। इससे बच्चों की मेहनत पर पानी तो फिर ही जाता है। उनका हौसला भी टूट जाता है। बच्चों के साथ ही अभिभावकों का भी मनोबल प्रभावित होता है। कई परिजन लोन लेकर बच्चों की पढ़ाई कराते हैं लेकिन मेधावी बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ जिम्मेवार नेताओं और माफियाओं द्वारा किया जा रहा है। नीट पेपर लीक मामले में एनटीए पर जमकर सवाल उठे हैं। अभी वो मामला थमा भी नहीं था कि नेट की परीक्षा कैंसिल होने से हजारों स्टूडेंट्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 18 जून को नेट का एग्जाम हुआ था। अगले ही दिन इसे कैंसिल कर दिया गया। यह एग्जाम भी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ही कराता है। पेपर लीक के लगातार बढ़ते मामलों को देखकर सवाल यही उठता है कि एनटीए या फिर सरकार किसी एग्जाम की फुल प्रूफ तैयारी क्यों नहीं कर सकती। पेपर लीक का वाकई कोई निदान संभव है? कैसे इतनी अहम प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक हो रहे हैं। सरकार और एजेंसी क्यों हाथ पर हाथ धरे बैठी है। जाहिर है ऐसे मामलों में सिस्टम का फेल्योर जरूर है। इतनी बड़ी परीक्षा में शिक्षा माफिया अकसर ही जुगाड़ में लगे रहते हैं कि कैसे भी पेपर लीक हो सके। अगर नीट परीक्षा का ही उदाहरण लें तो इसमें 23 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए। देशभर में हजारों परीक्षा केंद्र बनाए गए। माफिया सेंधमारी की जुगाड करते हैं और भुगतना पड़ जाता है उन स्टूडेंट्स को जो कड़ी मेहनत से एग्जाम में शामिल होते हैं। उनका टारगेट ही परीक्षा में नकल करा कर पास कराना होता है। अब सोचिए ऐसे खेल में उन छात्रों का क्या कसूर है जो बेचारे रात दिन इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। उनकी कोशिश बस इतनी होती है कि एग्जाम क्लीयर हो जाए और वो अपना और अपने परिवार का सहारा बन सकें। लेकिन पेपर लीक और परीक्षा कैंसिल से उनकी मुश्किलें दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं।

और भज्जी ने किया पाक को बोल्ड

कुछ सिरफिरे ,मूर्ख और बदजमान ,पाकिस्तानी क्रिकेटर्स को उनकी ही जबान में जवाब देने के लिए पूर्व भारतीय गेंदबाज हरभजन सिंह , स्व.बिशन सिंह बेदी ,या पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहबाग जैसे लोग ही चाहिए। हरभजन और बेदी तो खैर सिख थे ,इसलिए उनका तत्काल रिएक्ट करना फिर भी समझ में आता है,लेकिन मुल्तान के सुल्तान (ट्रिपल सेंचुरी के कारण) कहे जाने वाले वीरेंद्र सहवाग भी बदतमीज पाकिस्तानी क्रिकेटर्स को मैदान पर लताड़ चुके हैं। पाकिस्तान के पूर्व विकेट कीपर और बल्लेबाज कामरान अकमल नाम के पड़ोसी क्रिकेटर ने कुछ दिनों पहले सिख जाति की यह कहकर हंसी उड़ाने की कोशिश की थी, कि इनके लिए तो बज गए बारह। बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा कि इस आधुनिक युग में भी पढ़े लिखे ,और जवाबदार लोग इस तरह किसी की जाति को लेकर आपत्ति जनक बातें कहते रहते हैं। हरभजन उर्फ़ भज्जी ने कामरान की लू उतारते हुए ये कह दिया है कि ऐसे नालायक लोगों को मुंह न लगाना ही बेहतर ,तो गलत क्या है इसमें?हरभजन सिंह के मार्फत पूरे भारत का स्वाभिमान बोला है। भारत में भले सिखों की संख्या 2 से 3 फीसद हो ,लेकिन अपनी वतन परस्ती के चलते आज भी भारतीय फौज में सबसे ज़्यादा सिख कौम के लोग ही भर्ती होते हैं। हरभजन सिंह ने इतिहास सम्मत ,और तर्क संगत बात कही है कि रात में बारह बजे सिख सिपाहियों ने मुगलों की मौज मस्ती का शिकार होने वाली उनकी (पाकिस्तानी मुस्लिम महिलाओं) को आधी रात में हमला करके बचाया था। हिंदू पुरुष स्त्रियों के सम्मान के रक्षक भी सिख राजा और उनके सिपाही रहे हैं। ये राष्ट्र भक्त समुदाय भारतीय लोक मानस में दूध में शक्कर की तरह घुल मिल गया है,ठीक इसी तरह मुस्लिम तथा ईसाई भी। इसीलिए ये सभी भारत के भाल का गौरव तिलक है,जबकि पाकिस्तान के क्रिकेटर्स क्रिकेट के भगवान भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को मैदान पर घायल कर स्ट्रैचर पर अस्पताल भेजने तक की बेहूदा बातें करते रहे हैं। मोहम्मद अजहरूद्दीन तो मुसलमान हैं न! एक बार वे टीम इण्डिया को अपनी कप्तानी में पाकिस्तान ले गए थे। उन्होंने भी पाक क्रिकेटरों द्वारा भारतीय खिलाड़ियों को लगातार छेड़े जाने पर टीम को ग्राउंड से वापस बुलाने का फैसला ले लिया था। पाकिस्तान के हुक्मरान क्रिकेट डिप्लोमेसी के तहत भारत से रिश्ते सुधारने को व्याकुल तक रहते हैं, लेकिन कामरान जैसे अधकचरे लोगों की बदजबानी हरदम इस तरह की कोशिशों में पलीता लगाती रही हैं। कामरान अकमल ने अपनी इस टिप्पणी को लेकर हालांकि सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है लेकिन भारतीय अल्पसंख्यक आयोग ने इसे गंभीरता से लिया।राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने विदेश मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर मामले को पाकिस्तानी सरकार के सामने उठाने की मांग की है।

राजनीतिक दलों की 'मुफ्तखोरी' पर 'लगाम' जरूरी

संतोष कुमार तिवारी

देश में महंगाई, बेरोजगारी समेत कई ऐसे मुद्दे है जो सच में आम आदमी के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहे है और इसके पीछे कही न कही देश में जनसंख्या विस्फोट और तमाम राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता पाने के लिए 'मुफ्तखोरी' की योजनाओं की घोषणा है क्योकि जब भी चुनाव का समय आता है तो तमाम राजनीतिक पार्टियां अपने 'घोषणापत्र' में 'मुफ्त' में तमाम चीजों को देने का दावा करती है जिससे लोग उनके इस 'जाल' में फंस जाते है जबकि मुफ्तखोरी की लत कहीं न कहीं उन लोगों को और कमजोर बना देती है जो सच में उस मुफ्तखोरी के योग्य नही है लेकिन फिर भी सरकार के वादों के अनुसार मुफ्त की योजना का लाभ लेते है जो कही न कही देश की आर्थिक विकास पर दबाव बनाता है।

राजनीतिक दल तो सत्ता पाने के लिए लोगों को तमाम चीजे और व्यवस्था मुफ्त में देने की घोषणा करके अपनी राजनीति चमकाते है जबकि इसका बोझ देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इन सब चीजों से राजनीतिक दलों से कोई सरोकार नही है. जनता भी है कि 'मुफ्त' की जीचें और योजनाओं के लिए लालायित रहती है। वैसे इसमें जनता का कोई दोष नही है। जनता को जब सरकार दे रही है तो लोग उस योजना का लाभ तो अवश्य ही लेंगे लेकिन राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के समय किये गये वादों पर माननीय उच्चतम न्यायालय और चुनाव आयोग की तरफ से पैनी 'नजर' होनी चाहिए और उन दलों से 'मुफ्तखोरी' की घोषणा पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव और खर्च का भी हिसाब तथा घोषणा पूरा करने के लिए आय के स्रोत की भी जानकारी जरूरी है क्योकि जब कोई भी राजनीतिक दल सत्ता में रहता है तो अपने द्वारा किये गये 'मुफ्तखोरी' की घोषणा को पूरा करने के लिए ऋण लेकर पूरा करता है और जब सत्ता से बाहर हो जाता है तो मुफ्तखोरी की घोषणा को पूरा करने के लिए बड़ी रकम में देश में ऋण बढ़ाकर छोड़ देता है जबकि इसका असर देश की अर्थव्यवस्था के ऊपर पड़ता है, खासकर उन लोगों पर जो अपने आय का एक बड़ा हिस्सा सरकार को टैक्स के रूप में देते है। शासन सत्ता में जो भी सरकार रहती है बेशक उसका कर्तव्य है कि गरीबों के लिए कल्याणकारी योजना संचालित करें और उनको भी समाज की मुख्य धारा से जोड़े लेकिन गरीबों की योजना के नाम पर ऐसे लोग भी लाभ लेते है जो सच में उसके लिए हकदार नही है क्योकि सरकार युवाओं, गरीबों, महिलाओं, बेरोजगारों, किसानों या अन्य लोगों के लिए योजना संचालित करती है जो सच में गरीब है या उस पात्रता श्रेणी में आते हैं जबकि इसी योजना के आड़ में ऐसे लोग भी लाभ लेते है जो काफी सम्पन्न है उनको इस तरह की योजना का लाभ लेने की कोई जरूरत नही है लेकिन फिर भी लाभ लेकर सरकार की अर्थ व्यवस्था पर भार बढाते है। देश में जिस तरह जनसंख्या वृद्धि तेजी से बढ़ रही है उससे तो लगता है कि सरकार की योजना जब तक चिन्हित पात्रों तक पहुंचती है तब तक इसी तरह के पात्रों की एक बड़ी जमात फिर तैयार रहती है जिससे सरकार की योजना खासकर गरीबी,महंगाई और बेरोजगारी पर प्रभावी नही हो पाती है और इसमें स्थानीय स्तर पर व्यापक भ्रष्टाचार और भी दिक्कत बढ़ाने में सहायक हो जाता है। सरकार भले ही दावा करे कि गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी कम हुई है लेकिन हकीकत यह है कि जब तक सरकार अपना कागजी आंकड़ा तैयार करती है तब तक गरीबी, बेरोजगारी बढ़ चुकी होती है। इन सभी के पीछे कही न कही जनसंख्या विस्फोट और स्थानीय स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ही जिम्मेदार है जो सरकार के मंशा के अनुरूप कार्य करने में बाधक साबित होता है। तमाम राजनीतिक दल भले ही मुफ्तखोरी का लालच देकर सत्ता तक पहुंच जाये लेकिन देश को सच में मजबूत करने के लिए 'मुफ्तखोरी' पर लगाम लगाने की जरूरत है।

देश की राजनीतिक पार्टी जो चुनाव के पहले गरीबों की तथाकथित हितैषी बनने की बात करती है तथा मुफ्तखोरी का लॉलीपॉप दिखाकर सत्ता तक पहुंचना चाहती है, चुनाव हारने के बाद गरीबों के लिए 'मौन' हो जाती है। जो मुफ्तखोरी की घोषणा करने वाले राजनीतिक दल है वे चुनाव हारने के बाद अपने पार्टी फंड से अपनी घोषणा का एक भी कार्य क्यों नही कर देती है जबकि तमाम पार्टियां है जिनको भारी मात्रा में 'चंदा' मिलता है। राजनीतिक दलों का प्रेम केवल सरकार के फंड से ही 'दानी' बनना है जबकि पार्टी के फंड से एक 'पैसा' भी नही लगाते है। इस तरह की 'मुफ्तखोरी' की घोषणा पर पूरी तरह रोक लगाई चाहिए क्योकि 'मुफ्तखोरी'से कही न कही देश की श्रमशक्ति कमजोर पड़ती है। यदि जरूरत हो तो यह योजना केवल उनपर लागू हो जो सच में पात्र है लेकिन मुफ्तखोरी की घोषणा के पहले राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग अथवा सम्बन्धित संस्था को बताना जरूरी हो कि उनकी घोषणा के बाद पड़ने वाले खर्च को किस माध्यम से पूरा किया जायेगा।

राजनीतिक दल मुफ्त की घोषणा और योजना तो गरीबों के कल्याण के लिए लागू करती है जबकि गरीबो की खाल ओढ़कर 'गलत' लोग भी योजनाओं का लाभ ले लेते हैं। राजनीतिक दल तो अपने सत्ता सुख के लिए ऋण लेकर भी लोगों का तथाकथित विकास करना चाहते हैं लेकिन उनके सत्ता से जाने के बाद उनके समय में लिये गये ऋण का दबाव देश को झेलना पड़ता है। जिससे मंहगाई समेत अन्य चीजों का भी असर देश पर होता है। देश भले ही इस विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था के तौर पर है लेकिन देश में 2 सौ लाख करोड़ से अधिक का ऋण भी देश के ऊपर है। यदि आम लोग मुफ्तखोरी के आदी बनकर सब कुछ मुफ्त में पाना चाहते है तो ऋण और भी बढ़ेगा। देश की प्रगति में जहां सरकार की योजना और रणनीति कार्य करती है वही आम आदमी की सोच और कार्यक्षमता भी कम सहयोगी नही होता । देश में जब लोग अपनी श्रमशक्ति को सुदृढ करेंगे तो मुफ्तखोरी की आदत से मुक्त रहेंगे। लोग सोचते है कि जब सरकार 'फ्री' में दे रही है तो लेने में क्या दिक्कत है लेकिन सरकार की योजना उन लोगों के लिए है जो गरीब है या उस तरह की योजना का लाभ लेने के लिए पात्र है। भले ही हम भी सरकार के तरफ से जारी गाइडलाइन्स के मुताबिक पात्र है लेकिन हमारी स्थिति ठीक है तो हमें चाहिए कि सरकार की उस योजना उन लोगों के लिए छोड़ दें जो सच में हमसे अधिक हकदार है क्योकि सरकार की तमाम योजना का लाभ ऐसे भी लोग ले लेते है जिनके लिए वह लाभ कोई खास मायने नही रखता है जबकि इसी समाज में बहुत ऐसे लोग रहते है जो पात्र और जरूरतमंद होने पर भी वंचित हो जाते है।

देश के आर्थिक विकास को और मजबूत बनाने में देश के हर एक नागरिक को अपनी अहम भूमिका निभाने की जरूरत है क्योकि जब तक देश का हर एक नागरिक देश के बारे में सकारात्मक रूप से नही विचार करके कार्य करेगा, तब तक सरकार अपने आंकडों को यू ही पेश करती रहेगी और हकीकत असलियत से काफी दूर होगी। यदि आज लोग मुफ्तखोरी की आदत से बाज नही आयेंगे तो आने वाली पीढ़ी और भी महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी से परेशान होगी और इसमें न केवल सरकारे बल्कि देश के हर एक नागरिक जिम्मेदार है।

लड़कियों को जिस्मफरोशी के धकेलने वाले समाजकंटक!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में लड़कियों को विभिन्न माध्यमों से ब्लेकमेल कर उनका यौन शोषण करने और अनैतिक कार्य के लिए मजबूर करने के कुचक्र को कुछ समाजकंटक भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं के गठजोड़ से चला रहे हैं। हाल ही में बिहार के मुजफ्फरपुर से सामने आ रहे एक समाचार से देश में बेरोजगार बच्चियों को नौकरी देने की आड़ में देह शोषण करने के बेहद शर्मनाक धंधे का भंडाफोड़ हुआ है।इस शर्मनाक रैकेट में मुजफ्फरपुर में नौकरी का झाँसा देकर करीब 200 लड़कियों के यौन शोषण का मामला सामने आया है। बता दें कि बिहार पहले से ही बेरोजगारी और पलायन की समस्या से जूझ रहा है क्योंकि यहाँ उद्योग-धंधों की कमी है। कुछ समाजकंटको ने इसी समस्या को अपराध के लिए हथियार बना लिया और एक कंपनी खोली। अहियापुर इलाके में 180 लड़कियों को नौकरी दिए जाने के नाम पर बंधक बनाया गया। उनके साथ मारपीट हुई, उनका यौन शोषण किया गया।ये वही मुजफ्फरपुर है जहाँ से 'बालिका गृह कांड' की घटना सामने आई थी। इस पर एक मुंबईया फिल्म 'भक्षक' भी बनाई गई थी । वहाँ 34 बच्चियों के यौन शोषण का मामला सामने आया था। संचालन ब्रजेश ठाकुर एक स्थानीय अख़बार भी चलाता था। अब इसी मुजफ्फरपुर में हुई वारदात को लेकर छपरा की एक पीड़िता ने मामला दर्ज कराया है। डीवीआर नामक कंपनी ने फेसबुक पर लड़कियों के लिए जॉब ऑफर पोस्ट किया था और वो इससे जुड़ी। अप्लाई करने के बाद चयन हुआ और उससे प्रशिक्षण के नाम पर 20,000 रुपए माँगे गए।

अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित बखरी के पास ही पैसा जमा किए जाने के बाद कई लड़कियों को रखा गया था। 3 महीने बीतने के बाद भी इन्हें वेतन नहीं दिया गया, जिसके शिकायत इन लड़कियों ने कंपनी के मैनेजर तिलक सिंह से की। पीड़िता को इसके बाद 50 और लड़कियों को कंपनी से जोड़ने के लिए कहा गया और वादा किया गया कि इसके बाद उसकी सैलरी 50,000 रुपए हो जाएगी। उस दौरान पुलिस ने कंपनी के दफ्तर व हॉस्टल पर छापेमारी की, तिलक सिंह कई लड़कियों को लेकर हाजीपुर शिफ्ट हो गया और वहाँ उसने पीड़िता से शादी कर डाली।

रिपोर्ट के अनुसार मुजफ्फरपुर में रहने के दौरान भी उसने पीड़िता के साथ जबरन यौन संबंध बनाया था और उसका गर्भपात भी करा दिया था। हाजीपुर में जब वो मौके जाने की जिद करती तो उसे पीटा जाता था। बौरिया क्षेत्र में उसे कुछ आपसी दिए गए और कहा गया कि अब तुम आज़ाद हो। पीड़िता ने बताया कि लड़कियों को बंधक बनाया जाता है, वो भागने न पाए इसके लिए मुस्तंडों को तैनात रखा जाता है। लड़कियों से उनकी रिश्तेदारी व जान-पहचान में स्थित अन्य लड़कियों को फोन कॉल करवाए जाते हैं, उन्हें भी जॉब का ऑफर देकर उनका यौन शोषण होता है। लड़कियों को मुँह खोलने पर उनके परिजनों की हत्या की धमकी दी जाती है। कंपनी विज्ञापन में लिखती थी कि ये नौकरी सिर्फ लड़कियों के लिए ही है और मोटी सैलरी की पेशकश की जाती थी। बेल्ट से एक लड़की की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है, आगे की जाँच की बात कही जा रही है। पीड़िता ने बताया कि लड़कियों को कॉल करना सिखाया जाता था। पीड़िता ने बताया कि उसके फोन में कई सबूत थे, आरोपितों ने उसका फोन भी तोड़ डाला, उसे फॉर्मेट कर दिया। एक ओर देश प्रदेश की सरकारों द्वारा बेटी पढाओ बेटी बचाओ का नारा दिया जाता है दूसरी ओर आए दिन इस तरह की संगठित सिंडिकेट बना कर भोली भाली लड़कियों को अपने जाल में फंसा कर उनका मानसिक शारीरिक आर्थिक शोषण कर जीवन नर्क बनाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। क्या अब यत्र नारी पूज्यन्ते तत्र रमन्ते देवता की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट भ्रष्ट कर दैहिक व्यभिचार का नर्क बनाया जाएगा। देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा, जिसमें कोई न कोई विकृति घोटाला या हेराफेरी न पनप रही हो। इनमें सरकारी तथा गैर सरकारी नौकरियां या रोजगार देने के नाम पर की जा रही हेराफेरी भी शामिल है और अब तो जरूरतमंद परिवारों की युवतियों को नौकरी देने का प्रलोभन देकर उनका यौन शोषण तक किया जाने लगा है।

आरोप है कि बिहार के मुजफ्फरपुर में 'डी.वी.आर. मार्केटिंग' नामक एक फर्जी कम्पनी में 50,000 रुपए मासिक तक का अच्छा वेतन देने का झांसा देकर दर्जनों युवतियों को महीनों तक बंधक बनाकर रखने और उनका यौन उत्पीड़न किया गया ।अब इस मामले में आरोपियों से बच कर अदालत में पहुंची एक पीड़िता, की शिकायत पर इरफान, तिलक सिंह, अहमद रजा, हरे राम, मनीष सिन्हा, एनामुल अंसारी, विजय कुशवाहा और कन्हैया कुशवाहा समेत 9 लोगों के विरुद्ध छपरा के 'मसरख' थाने में केस दर्ज किया गया है। इनमें से तिलक सिंह को 18 जून को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि बाकियों की तलाश जारी है।

पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने उसे नौकरी का प्रलोभन देकर हाजीपुर (बिहार) की 'डी.वी.आर. कंपनी' में डॉक्यूमेंट और 20,500 रुपए लेकर बुलाया। अपनी मौसी से कर्ज लेकर पीड़िता ने हाजीपुर में ज्वाइन किया लेकिन वहां काम की बजाय उसे नौकरी के नाम पर लोगों को फ्रॉड कॉल करके उन्हें 'कम्पनी' के साथ जोड़ने का तरीका सिखाया जाने लगा।पीड़िता ने भी अपने माध्यम से 21 लोगों को कंपनी के साथ जोड़ा जिनसे कंपनी ने 20,500 रुपए ले लिए। जो लड़कियां अन्य ग्राहकों को नहीं जोड़ पाती थीं, उन्हें बैल्ट से मारा-पीटा व सिगरेट से दागा जाता था। हाजीपुर में सबसे ज्यादा लड़कियों को रखा गया। पीड़िता के अनुसार वह 2021 में फेसबुक के जरिए आरोपियों के साथ जुड़ी लेकिन आज तक एक बार भी वेतन नहीं मिला। बस पीट कर और अन्य तरीकों से सबको डराकर रखा जाता था। इस दौरान युवितयों की तस्वीरें ली जातीं और उनसे छेड़छाड़ कर इंटरनैट पर डालने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया जाता था। पीड़िता के अनुसार नशा देकर सब युवतियों की पिटाई की जाती और वीडियो बनाए जाते तथा एक युवती द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उसके भाई की हत्या तथा अपहरण की धमकी तक दी।मुजफ्फरपुर के दफ्तर में छापा पड़ने पर आरोपी उसे लेकर हाजीपुर चले गए। पीड़िता के अनुसार जब वह गर्भवती हुई तो दवा खिलाकर तीन बार उसका गर्भपात भी कराया गया। फिर नकली शादी कर यौन शोषण किया गया।

हम तो चले मरने

सुरेश मिश्रा

एक नेता जी हैं। अक्सर बयान देते रहते हैं। यही उनका धंधा है। एक दिन उन्होंने लाठीचार्ज और गोलीकांड में शांति और प्रसन्नता से बयान दिया। बयान क्या, जैसे शतचंडी यज्ञ की सफलता बता रहे हों और कहा - कुल आठ आदमी पुलिस की गोली से मारे गये। उनके चेले चपाटों में से एक ने कहा-आठ नहीं, सौ मारे गये हैं। नेता जी ने देखा-हाँ, विरोधी हैं। दूसरे ने कहा- मेरे पास सरकारी और गैर-सरकारी दोनों आंकड़े हैं। बताइए आपको कौनसे चाहिए? नेता जी ने शराब का गिलास मुँह से लगाते हुए कहा -सरकारी आंकड़े तो हमीं तैयार करते हैं। गैर-साकारी आंकड़े बताओ। सामने वाला ने कहा - कुल पाँच सौ मज़दूर मारे गये हैं। कमोबेश एक-दो ज्यादा हो सकते हैं लेकिन कम तो कतई नहीं। नेता जी ने देखा -हूँ, बात तो सही है। अच्छा हुआ। आए दिन हड़ताल देने की धमकी दे रहे थे। कुछ लोगों को डराने के लिए कुछ को पीटना और कुछ को मारना पड़ता है। सेक्रेटरी ने कहा- बहुत ज़्यादा मौतें हुई हैं, तथ्यों को छिपाते जा रहे हैं। नेता जी ने देखा- हाँ, है तो विरोधी पार्टी के, पर कमबख़्त हमारे ही किसी नेता के इशारे पर काम कर रहे थे।

नेता जी ने अपने साथियों की तरफ़ देखा। वे आँखों से कह रहे थे- अरे अंधों! तुम्हारी अकल क्या काली टोपी में ही रखी रह गयी! आठ भी क्यों कहा? कह देता कि एक भी नहीं मरा. जो पता लगाने जाते, उन्हें भी मार डालते. किसे मालूम होता! अब नेता जी ने मौत का हिसाब किया- बिलकुल बनिये की तरह ख़ून की क़ीमत तय करके दे दी। देखो भाई, तुम्हारे बैंगन के इतने पैसे हुए, भिंडी के इतने और गाजर के इतने। न भूलचूक, न लेना-देना। जो मरा, उसके परिवार वालों को पाँच लाख रुपये देंगे। जो ज़्यादा घायल होकर अस्पताल में है, उसे पचास हजार रुपये। जिसकी सिर्फ़ मरहम पट्टी हुई है, उसे दस हजार रुपये। हो गया हिसाब साफ़। उधर फायरिंग के शिकार लोगों के परिवार की औरतें यों बात कर रही थीं - हमारी तो क़िस्मत फूट गयी। हमारे मर्द को मामूली मरहम-पट्टी हुई है तो हमें दस हजार ही मिलेंगे। उसमें भी बिचौलिए काटकर देंगे। मानो उन्हीं को अपनी मरहम पट्टी करवानी है। तू भागवान है सुनीता, कि तेरा मर्द मर गया। तुझे तो तुझे पूरे पाँच लाख मिलेंगे। हमारा मर्द तो शुरू से निखट्टू है। इस चंपा का घरवाला फिर भी ठीक है। अस्पताल में पड़ा है तो पचास हाजर रुपये तो मिलेंगे। हमारे मर्द से तो इत्ता भी न हुआ। सरकार धन्य है। उसने मरने वालों के परिवारों का मनोबल बहुत ऊँचा उठा दिया है। बड़ा दिल बड़ी सरकार है। लोग रोटी के बदले गोली खाने को तैयार हैं। सरकार के लिए भी रोटी से गोली सस्ती पड़ती है। वह रोटी की जगह गोली सप्लाई कर देती है। बस भगवान से यही प्रार्थना है कि बिचौलिए खाएँ तो खाएँ लेकिन थोड़ा कम खाएँ तो हमारा कुछ भला होगा। तभी चंपा ने कहा – इतनी महंगाई बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार है कि हताहतों के लिए रेट का मेनू फिक्स्ड कर रखी है। देखो न कितनी महंगाई बढ़ गई है। कम से कम मरने, इलाज कराने वालों का रेट तो बढ़ाना चाहिए। तभी सुनीता बोल उठी – इंसान निंबू थोड़े न है कि एकदम दाम बढ़ जायेंगे। यहाँ सबकी कीमत बढ़ती है। इंसान की कीमत जस की तस रहती है। वह तो भाग्य मनाओ कि कुछ तो मिल रहा है, वरना फोकट ही निपटा दिए जाते।

तन के साथ मन को भी स्वस्थ रखता है योग

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं।

महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है।

योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही।

दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए।

पति पर आने वाली हर बुरी बला की काट है वट सावित्री व्रत कथा

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को रखते हैं। वट सावित्री पूर्णिमा का व्रत सुहागन महिलाएं रखती हैं, जिससे उनका सुहाग अखंड रहे, पति को लंबी आयु प्राप्त हो और उनका दांपत्य जीवन खुशहाल हो।

वट पूर्णिमा व्रत वट सावित्री व्रत के समान ही अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाला माना जाता है। इस साल वट सावित्री पूर्णिमा व्रत 21 जून को है या फिर 22 जून को? इसकी सही तारीख को लेकर लोगों में कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई है क्योंकि वट सावित्री पूर्णिमा व्रत के लिए आवश्यक ज्येष्ठ पूर्णिमा की तिथि 21 जून को सुबह में प्रारंभ होकर अगले दिन 22 जून को सुबह तक रहेगी। वट सावित्री पूर्णिमा व्रत कब है? सही तारीख क्या है? वट सावित्री पूर्णिमा व्रत का मुहूर्त क्या है?

2 दिन पड़ रही है ज्येष्ठ पूर्णिमा की तिथि? वैदिक पंचांग के अनुसार, वट सावित्री पूर्णिमा व्रत के लिए ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि इस साल 21 जून दिन शुक्रवार को सुबह 07 बजकर 31 मिनट से शुरू हो रही है और यह 22 जून शनिवार को सुबह 06 बजकर 37 मिनट तक रहेगी।

तिथि की गणना हमेशा सूर्योदय के समय से होती है। इस आधार पर ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि 22 जून को है क्योंकि सूर्योदय उस दिन 05:24 ए एम पर होगा, वहीं 21 जून को सूर्योदय 05:24 ए एम पर होगा, लेकिन पूर्णिमा तिथि सूर्योदय के बाद लग रही है।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत की सही तारीख क्या है?

पूर्णिमा के व्रत के लिए यह जरूरी होता है कि चंद्रोदय पूर्णिमा तिथि में होना चाहिए। ऐसे में पंचांग के अनुसार देखें तो ज्येष्ठ पूर्णिमा का चंद्रोदय 21 जून को हो रहा है। ऐसे में वट सावित्री पूर्णिमा व्रत 21 जून शुक्रवार को रखना अच्छा रहेगा। वट सावित्री पूर्णिमा व्रत को वट पूर्णिमा व्रत भी कहते हैं।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत 2024 मुहूर्त

21 जून को वट सावित्री पूर्णिमा व्रत के दिन शुभ योग और ज्येष्ठा नक्षत्र है। शुभ योग प्रातःकाल से लेकर शाम 06 बजकर 42 मिनट तक है, वहीं ज्येष्ठा नक्षत्र भी सुबह से शाम 06 बजकर 19 मिनट तक है। उस दिन का शुभ मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त 11:55 ए एम से दोपहर 12:51 पी एम तक है। ऐसे में आप वट सावित्री पूर्णिमा व्रत की पूजा शुभ योग में करें, वह आपके लिए शुभ फलदायी होगा।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत का महत्व

वट पूर्णिमा या वट सावित्री पूर्णिमा का व्रत पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए रखा जाता है। इस व्रत में भी देवी सावित्री, सत्यवान और वट वृक्ष की पूजा करते हैं। इस व्रत की पूजा भी वट सावित्री व्रत के समान ही होती है। अंतर बस इतना है कि वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ अमावस्या को रखते हैं यानी वट सावित्री पूर्णिमा व्रत से 15 दिन पहले।

वट सावित्री व्रत कथा

प्राचीन काल में मद्रदेश में अश्वपति नाम के एक राजा राज करते थे। वह बड़े धर्मात्मा, ब्राह्मण भक्त, सत्यवादी और जितेंद्रिय थे। राजा को सब प्रकार का सुख था परंतु उन्हें कोई संतान नहीं थी। इसलिए उन्होंने संतान प्राप्ति की कामना से अठारह वर्षों तक सावित्री देवी की कठोर तपस्या की। सावित्री देवी ने उन्हें एक तेजस्विनी कन्या की प्राप्ति का वर दिया।

यथा समय राजा की बड़ी रानी के गर्भ से एक सुंदर कन्या ने जन्म लिया। राजा ने उस कन्या का नाम सावित्री रखा। राजकन्या शुक्ल पक्ष के चंद्रमा की भांति दिनों दिन बढने लगी। धीरे-धीरे उसने युवावस्था में प्रवेश किया। उसके रूप लावण्य को जो भी देखता उस पर मोहित हो जाता।

जब राजा के विशेष प्रयास करने पर भी सावित्री के योग्य कोई वर नहीं मिला तो उन्होंने एक दिन सावित्री से कहा, ''बेटी! अब तुम विवाह के योग्य हो गई हो इसलिए स्वयं अपने योग्य वर की खोज करो।''

पिता की आज्ञा स्वीकार कर सावित्री योग्य मंत्रियों के साथ स्वर्ण रथ पर बैठ कर यात्रा के लिए निकली। कुछ दिनों तक ब्रह्मर्षियों और राजर्षियों के तपोवनों और तीर्थों में भ्रमण करने के बाद वह राजमहल में लौट आई। उसने पिता के साथ देवर्षि नारद को बैठे देख कर उन दोनों के चरणों में श्रद्धा से प्रणाम किया।

महाराज अश्वपति ने सावित्री से उसकी यात्रा का समाचार पूछा। सावित्री ने कहा, ''पिता जी! तपोवन में अपने माता-पिता के साथ निवास कर रहे द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान सर्वथा मेरे योग्य हैं। अतः मैंने मन से उन्हीं को अपना पति चुना है।''

नारद जी सहसा चौंक उठे और बोले, ''राजन! सावित्री ने बहुत बड़ी भूल कर दी है। सत्यवान के पिता शत्रुओं के द्वारा राज्य से वंचित कर दिए गए हैं, वह वन में तपस्वी जीवन व्यतीत कर रहे हैं और अंधे हो चुके हैं। सबसे बड़ी कमी यह है कि सत्यवान की आयु अब केवल एक वर्ष ही शेष है।''

नारद जी की बात सुनकर राजा अश्वपति व्यग्र हो गए। उन्होंने सावित्री से कहा, ''बेटी! अब तुम फिर से यात्रा करो और किसी दूसरे योग्य वर का वरण करो।''

सावित्री सती थी। उसने दृढ़ता से कहा, ''पिताजी! सत्यवान चाहे अल्पायु हों या दीर्घायु, अब तो वही मेरे पति हैं। जब मैंने एक बार उन्हें अपना पति स्वीकार कर लिया फिर मैं दूसरे पुरुष का वरण कैसे कर सकती हूं?''

सावित्री का निश्चय दृढ़ जानकर महाराज अश्वपति ने उसका विवाह सत्यवान से कर दिया। धीरे-धीरे वह समय भी आ पहुंचा जिसमें सत्यवान की मृत्यु निश्चित थी। सावित्री ने उसके चार दिन पूर्व से ही निराहार व्रत रखना शुरू कर दिया था। पति एवं सास-ससुर की आज्ञा से सावित्री भी उस दिन पति के साथ जंगल में फल-फूल और लकड़ी लेने के लिए गई।

अचानक वृक्ष से लकड़ी काटते समय सत्यवान के सिर में भयानक दर्द होने लगा और वह पेड़ से नीचे उतरकर पत्नी की गोद में लेट गया। उस समय सावित्री को लाल वस्त्र पहने भयंकर आकृति वाला एक पुरुष दिखाई पड़ा। वह साक्षात यमराज थे। उन्होंने सावित्री से कहा, ''तू पतिव्रता है। तेरे पति की आयु समाप्त हो गई है। मैं इसे लेने आया हूं।''

इतना कह कर यमराज ने सत्यवान के शरीर से सूक्ष्म जीव को निकाला और उसे लेकर वे दक्षिण दिशा की ओर चल दिए। सावित्री भी उनके पीछे-पीछे चल दी। सावित्री की बुद्धिमत्तापूर्ण और धर्मयुक्त बातें सुनकर यमराज का हृदय पिघल गया। सावित्री ने उनसे अपने सास-ससुर की आंखें अच्छी होने के साथ राज्य प्राप्ति का वर, पिता को पुत्र प्राप्ति का वर और स्वयं के लिए पुत्र वती होने का आशीर्वाद भी प्राप्त कर लिया। इस प्रकार सावित्री ने सतीत्व के बल पर अपने पति को मृत्यु के मुख से छीन लिया।

बुरी नजर लग जाए तो क्या करें?

नजर दोष का भी जिक्र है। आज इसकी जद में ज्यादातर लोग हैं। इसकी चपेट में आने पर इंसान बेबश नजर आने लगता है। वह जो करता है असफलता ही हाथ लगती, मन अशांत रहने लगता और दिमाग में नकारात्मक विचार आने लगते हैं। इतना ही, ज्योतिषाचार्यों की मानें तो नजर दोष इंसान का खाना-पीना तक बंद करा सकती है।

ऐसे बचने के लिए लोग तमाम उपाय करते हैं, लेकिन बुरी नजर पीछा नहीं छोड़ती है। ऐसें में आप कुछ आसान उपाय उपाय कर सकते हैं।

बुरी नजर से बचाने में इमली के बीज भी कारगर माने जाते हैं। इसके लिए 3 इमली के बीज लें और नजर पड़ने वाले के सिर पर 7 बार उतारें। इसके बाद उन बीजों को जला दें।

ऐसा करने से नजर दोष को दूर हो सकता है।

पीपल के पत्ते भी नजर उतारने में अच्छा काम कर सकते हैं। इसके लिए पीपल के 7 या 11 पत्ते लें, फिर एक कटोरे में पानी भर लें और उस पानी में चावल, लाल मिर्च, सरसों का दाना और नींबू को चार टुकड़ों में काट लें। इस तरीके से भी आप किसी की नजर उतार सकते हैं।

बुरी नजर से बचाने में लौंग भी कारगर मानी जाती है। इसलिए अगर किसी को बुरी नजर लग गई है, तो 5 साबुत लौंग लेकर नजर लगने वाले इंसान के सिर से पैर तक 7 बार सीधा और 7 बार उल्टा उतारें। इसके बाद उसे जला दें। ऐसा करने से नजर दोष समाप्त हो सकता है।

किसी की बुरी नजर लगने पर नारियल को काले कपड़े में बांधें और उसे घर के मुख्य द्वार पर बांध दें। इससे नजर दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा कौड़ी को काले कपड़ें में बांधकर घर के मुख्य दरवाजे पर लटका सकते हैं।

बुरी नजर से बचने के लिए मंगलवार के दिन स्नान कर हनुमान जी की पूजा करें। ध्यान रहे कि पूजा के दौरान उन्हें लाल चोला अर्पित कर लड्डुओं का भोग जरूर लगाएं। यह उपाय लगातार सात मंगलवार करने से नजर दोष दूर हो सकता है।

30 जून से वक्री शनि 139 दिनों तक बरसाएंगे कृपा

शनि को ज्योतिष में न्याय का देवता, कर्मफलदाता आदि विशेषताओं से जाना जाता है। शनि इस समय में अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विद्यमान हैं। लेकिन शनि 30 जून रविवार को 12:35 ए एम पर वक्री होंगे यानी उस दिन से शनि की उल्टी चाल शुरू हो जाएगी। शनि 30 जून से 15 नवंबर तक कुंभ में वक्री रहेगे। वे 15 नवंबर को शाम 07 बजकर 51 मिनट पर वक्री से मार्गी हो जाएंगे। इस तरह से शनि 139 दिनों तक उल्टी चाल से चलेंगे। हालांकि ग्रह जब वक्री होते हैं तो अशुभ प्रभाव देते हैं, लेकिन शनि की उल्टी चाल 5 राशि वालों को लाभ पहुंचा सकती है। वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं कुंभ में वक्री शनि का किन राशियों पर शुभ प्रभाव होगा? शनि की उल्टी चाल से उनको क्या लाभ हो सकते हैं?

शनि वक्री 2024: 5 राशिवालों के आएंगे अच्छे दिन!

मेष: शनि के वक्री होने से आपको आर्थिक लाभ के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। शनि देव की कृपा से धन संबंधी परेशानियां दूर हो सकती हैं। आपका आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर हो सकता है। आप आय के नए स्रोत बना सकते हैं, जिससे लाभ होगा। हालांकि शनि की उल्टी चाल से आपको अपने सच्चे दोस्तों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। इस दौरान आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी, लेकिन आपको गलत कार्यों से दूर रहना होगा।

धनु: शनि की उल्टी चाल से धनु राशिवालों के जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों का प्रभुत्व कार्यस्थल पर बढ़ सकता है। आपके फैसलों और काम की सराहना होगी, जिससे आपके सहकर्मी काफी प्रभावित होंगे। उनका समर्थन आपको प्राप्त हो सकता है। लव लाइफ के लिए भी समय अच्छा रहेगा। लाइफ में रोमांस बढ़ेगा। पारिवारिक जीवन भी खुशहाल रहेगा। शनि देव की कृपा होगी।

मकर: शनि देव की कृपा से आपकी राशि के लोगों के धन में वृद्धि का योग बन रहा है। इस दौरान आपको अचानक धन लाभ हो सकता है या फिर कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। इस दौरान आप जो भी कार्य करेंगे या फैसले लेंगे, उसमें परिवार का पूरा सहयोग और समर्थन प्राप्त हो सकता है। हालांकि आपको सलाह दी जाती है कि आप बोलते समय शब्दों का चयन सोच समझकर करें, नहीं तो बनते काम बिगड़ सकते हैं।

कुंभ: शनि आपकी राशि में विराजमान हैं और वे इस राशि के स्वामी ग्रह भी हैं। इस राशि में उनका वक्री होना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। काफी समय से जो काम अटके पड़े हैं या जिस योजना पर काम करने की सोच रहे हैं, उसे करने का समय आ गया है। शनि कृपा से वे काम सफल हो सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको मेहनत और धैर्य से काम लेना होगा। कोई भी काम जल्दीबाजी में न करें, उसके आगे-पीछे होने वाले प्रभाव हो भी ध्यान में रखें।

3 जुलाई के बाद शुभ मुहूर्त

कर सकेंगे जनेऊ, मुंडन, गृह प्रवेश सिर्फ 8 दिन बजेगी शहनाई

शुक्र ग्रह का उदय आषाढ़ कृष्ण सप्तमी को बुध की राशि मिथुन में हो रहा है। इस राशि परिवर्तन से सभी शुभ और मांगलिक कार्य शादी- विवाह, जनेऊ, मुंडन, गृहप्रवेश, भूमि पूजन, द्विरागमन, भवन-वाहन, आभूषण की खरीदारी शुरू हो जाएगी। धन, वैभव, प्रेम, सौंदर्य और सुख- समृद्धि के दाता शुक्र ग्रह 29 अप्रैल को पूर्व दिशा में अस्त हो गए थे। वह 28 जून की शाम 5 बजे पश्चिम दिशा में उदय होंगे। शुभ मुहूर्त शुरू होते ही बाजारों में रौनक दिखनी शुरू हो जाएगी।

9 जुलाई से मुहूर्त शुरू

ज्योतिषाचार्य के अनुसार गुरु 2 जून को उदय हो चुके हैं। अब शुक्र 28 जून को उदय हो रहे हैं। हालांकि वे इस समय बाल स्वरूप में होंगे। युवा स्वरूप में वह 3 जुलाई में आ जाएंगे। इस दिन रोहणी नक्षत्र लग जाएगा। इसके बाद 9 जुलाई से मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। विवाह में शुभ मुहूर्त का होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। शादी के शुभ योग के लिए नौ ग्रहों में गुरु, शुक्र का उदित होना जरूरी माना जाता है।

विवाह का आखिरी मुहूर्त भड़ली नवमी

17 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा। चातुर्मास में विवाह मुहूर्त नहीं होते हैं। पंडित पंकज पाठक ने बताया कि भड़ली नवमी पर सिद्ध योग सुबह 07:00 बजे तक है। इसके बाद साध्य योग का निर्माण हो रहा है। साध्य योग व रवि योग का संयोग बन रहा है जो पूरे दिन रहेगा। विवाह का आखिरी मुहूर्त भड़ली नवमी 15 जुलाई को है। इससे पहले विवाह के मुहूर्त 9 से 15 जुलाई तक रहेंगे। कुल आठ दिन मुहूर्त रहेंगे। इसके बाद मुहूर्त सीधे नवंबर में देव उठनी एकादशी से प्रारंभ होंगे।

सीखने के लिए सुनना सीखो

एक द्विआयामी नक्शे का उपयोग त्रिआयामी क्षेत्र को दर्शाने के लिए किया जाता है। यह एक आसान, उपयोगी और सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इसकी भी सीमाएं हैं।

इसको समझने के लिए हमें क्षेत्र का पूरी तरह से अनुभव करने की जरूरत है। यही बात शब्दों के मामले में भी है, जो लोगों, स्थितियों, विचारों, भावनाओं और कार्यों के संदर्भ में एक बहुआयामी जीवन का वर्णन करने का प्रयास करते हैं, मगर शब्दों की भी कई सीमाएं होती हैं।

पहली सीमा यह है कि शब्द ध्रुवीय हैं। यदि एक को अच्छा बताया जाए तो हम दूसरे की बुरे के रूप में कल्पना कर लेते हैं। शायद ही कोई शब्द हो, जो ध्रुवों से परे की स्थिति का वर्णन कर सके।

दूसरा, एक ही शब्द अलग-अलग लोगों में उनके अनुभवों और परिस्थितियों के आधार पर अलग-अलग भावनाएं पैदा करता है। यही कारण है कि कुछ संस्कृतियां एकाधिक व्याख्याओं की इन सीमाओं को दूर करके संवाद करने के लिए मौन का उपयोग करती हैं।

ऐसा ही एक शब्द है 'मैं', जिसका प्रयोग श्रीकृष्ण और अर्जुन दोनों करते हैं। जहां अर्जुन का 'मैं' विभाजनों के साथ उसकी पहचान है, वहीं श्रीकृष्ण का 'मैं' प्रकट अस्तित्व के सभी विभाजनों को समाहित करने वाला एकत्व है।

शब्दों की सीमाओं के बारे में जागरूकता हमें गीता को समझने में मदद करेगी। निम्नलिखित श्लोक ऐसा ही एक उदाहरण है : श्रीकृष्ण कहते हैं, ''हे पार्थ, सुनो। अपने मन को पूरी तरह से मुझ पर केंद्रित करके, योग का अभ्यास करते हुए, मेरी शरण में आकर, तुम निस्संदेह मुझे पूर्ण रूप से जान लोगे'' (7.1)। श्रीकृष्ण के 'मैं' तक पहुंचने के लिए, हमें अपने आपको विलय करने की जरूरत है, जैसे एक नमक की गुड़िया स्वयं को सागर बनने के लिए घुल जाती है।

श्रीकृष्ण ने श्रृणु (सुनो) शब्द का प्रयोग किया, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें यह सिखाया गया कि कैसे बोलना है, जो एक भाषा हो सकती है, या खुद को कैसे व्यक्त करना है लेकिन हमें शायद ही सुनना सिखाया गया हो।

जीवन को करीब से देखने से संकेत मिलता है कि परिस्थितियां हमें सुनना और समझना सिखाती हैं, जैसे अर्जुन के लिए कुरुक्षेत्र का युद्ध। निष्कर्ष निकलता है कि यह सीखने के लिए सुनना है।

वास्तु शास्त्र में बांस के पौधे के हैं अनगिनत महत्व

हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में बैम्बू या बांस के पौधे को काफी शुभ माना जाता है। माउंट आबू के जंगल में प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाले ये पौधा काफी फायदेमंद होता है। बांस का पौधा पांच तत्वों पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल और लकड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। जब ये तत्व संतुलित होते हैं, तो हम अच्छी वाइब्स को आकर्षित करते हैं। लाल रिबिन से बंधे बांस के कुछ डंठल सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है।

इस पौधे को घर या ऑफिस में लगाने से कई समस्याएं दूर होती है, आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता है। आज हम जानते है कि बांस के पौधे को घर में लगाने से क्या फायदे हैं। वास्तु के जानकार और ज्योतिषी चम्पेश पंडित ने बताया कि बांस के पौधे का एक लाभ है, जो धन और सौभाग्य को आकर्षित करता है। बांस का पौधा लगाने से बीमारियां दूर होती हैं और शरीर भी स्वस्थ रहता है। बांस का पौधा बेडरूम में लगाने से दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है।

पूर्व दिशा में लगाना माना जाता है शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर या ऑफिस में बांस का पौधा लगाने के लिए सबसे अच्छी दिशा पूर्व है। इस दिशा में पौधा लगाने से सुख शांति बनी रहती है और आर्थिक स्थिति भी सुधरती है। बांस के पौधे को खिड़की के पास नहीं लगाना चाहिए। इससे पौधा खराब हो सकता है। ये पौधा व्यक्ति के जीवन से आर्थिक संकट को दूर करता है। माना जाता है कि ये पौधा व्यक्ति की किस्मत को चमकाने का काम भी करता है। हवा को शुद्ध करने का करता है काम

वास्तु के अलावा वैज्ञानिक दृष्टि से बांस एक वायु शोधक पौधा माना जाता है, जो कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने और ऑक्सीजन उत्पन्न करने की क्षमता रखता है। इस प्रकार इसे घर के अंदर गमले में लगाने से आपको सांस लेने के लिए शुद्ध हवा मिलती है। इसके ताजा पत्तों को पीसकर और उबालकर चाय बनाकर सेवन किया जा सकता है।

कामकाजी महिलाओं पर टिप्पणी करने का मीरा कपूर को है अफसोस, सफाई देते हुए कही यह बात

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा कपूर की साल 2017 में उस समय कड़ी आलोचना हुई थी, जब उन्होंने कामकाजी महिलाओं के बारे में टिप्पणी की थी। मीरा ने कहा कि उनकी बेटी कोई "पप्पी" नहीं है और सवाल किया कि अगर महिलाएं बच्चों के साथ समय नहीं बिता सकती हैं तो वे बच्चे क्यों पैदा करना चाहेंगी। अब, मीरा ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनके बारे में सबसे बड़ी गलतफहमियों में से एक यह थी कि वह कामकाजी माहिलाओं को दूसरी नजर से देखती थीं और उन्होंने अपनी पिछले कमेंट पर खेद भी व्यक्त किया है।

हाल ही में, एक साक्षात्कार में मीरा ने कहा कि उस समय उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया क्योंकि लोग सवाल कर रहे थे कि उनके जैसी शिक्षित महिला ने घर पर रहने वाली मां बनना क्यों चुना। मीरा को यह सोच गलत लगी और उन्होंने कहा कि उस समय वह अपने बच्चों को समय देना चाहती थीं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने शायद कुछ ऐसा कहकर अपना काम किया... मुझे नहीं लगता कि मैं अभी उनसे सहमत हूं। मुझे लगता है कि मैं उससे बहुत आगे निकल आई हूं। मीरा ने स्वीकार किया कि उनकी टिप्पणियों को किसी कारण से पसंद नहीं किया गया, और कहा, मैं समझ सकती हूं कि इसे क्यों अच्छी तरह से नहीं लिया गया। मुझे लगता है कि मैं एक कमजोर, भावनात्मक स्थिति में थी। मुझे लगता है कि मैं बस अपना बचाव करने की कोशिश कर रही थी कि मेरी पसंद भी ठीक है। मीरा ने जो कुछ भी कहा उसके लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि इससे बहुत से लोग आहत हुए हैं।

बता दें कि मीरा ने कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में कामकाजी महिलाओं पर टिप्पणी की थी। उन्होंने साझा किया कि उन्हें अभी भी उन टिप्पणियों के लिए नफरत मिल रही है। उन्होंने कहा कि जब पहली बार विवाद हुआ, तो उन्हें शाहिद से बहुत समर्थन मिला, क्योंकि वह पहले से ही 14 साल से मीडिया से निपट रहे थे। आगे मीरा ने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि मुझे इसके लिए माफ कर दिया जाए क्योंकि जीवन बहुत बड़ा है और आप गलतियां करते हैं और आप उनसे सीखते हैं।

बेटी सोनाक्षी की शादी अटेंड करेंगे शत्रुघ्न सिन्हा बोले- उसकी खुशी में मेरी खुशी है, फेक रिपोर्ट्स पर कहा- खामोश

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इस रविवार 23 जून को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी करने जा रही हैं। जब से उनकी शादी की खबरें सामने आई हैं, तभी से यह भी चर्चा है कि सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा और परिवार के बाकी सदस्य इस शादी से खुश नहीं हैं। कई रिपोर्ट्स में तो यह तक कहा गया कि शत्रुघ्न बेटी की शादी अटेंड नहीं करेंगे। हालांकि, अब एक इंटरव्यू में एक्टर ने इन खबरों पर विराम लगा दिया है।

मेरी बेटी को अपना पार्टनर चुनने का हक है: शत्रुघ्न

एक इंटरव्यू में शत्रुघ्न ने कन्फर्म किया कि वो बेटी की शादी जरूर अटेंड करेंगे। वेटरन एक्टर ने यह भी कहा कि उनकी बेटी को अपना पार्टनर चुनने का हक है और जहीर के साथ उनकी जोड़ी अच्छी लगती है। इंटरव्यू में शत्रुघ्न ने कहा, 'मुझे बताइए, यह किसकी लाइफ है? यह मेरी इकलौती बेटी सोनाक्षी की जिंदगी है, जिस पर मुझे बहुत गर्व है और जिससे मैं बहुत प्यार करता हूं।

वह मुझे पिलर ऑफ स्ट्रेंथ बुलाती है। मैं डेफिनेटली इस शादी में मौजूद रहूंगा। और रहूं भी क्यों ना? उसकी खुशी में ही मेरी खुशी है। सोनाक्षी को अपना पार्टनर और शादी से जुड़ी सभी चीजें खुद चुनने का हक है।'

दोनों एक-साथ अच्छे लगते हैं: शत्रुघ्न

शत्रुघ्न ने आगे कहा, 'मैं अभी मुंबई में ही हूं। मैं यहां न केवल बेटी की ताकत बनकर खड़ा हूं, बल्कि उनके असली कवच के रूप में भी मौजूद हूं। सोनाक्षी और जहीर को एक साथ जिंदगी गुजारनी है और वे एक-साथ बहुत अच्छे लगते हैं।'

फेक रिपोर्ट्स पर बोले- खामोश

वहीं फेक रिपोर्ट्स पर बात करते हुए शत्रुघ्न ने कहा, 'मैं उन्हें अपना सिग्नेचर डायलॉग 'खामोश..' बोलकर सावधान करना चाहूंगा। उनसे कहूंगा कि यह तुम्हारा काम नहीं है। सिर्फ अपने काम से मतलब रखो।'

पहले कहा था- आजकल बच्चे पेरेंट्स से सहमति नहीं लेते

इससे पहले जब सोनाक्षी और जहीर की शादी की खबरें सामने आई थीं तब शत्रुघ्न ने कहा था कि उन्हें इस शादी के बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। एक्टर ने यह भी कहा था कि आजकल बच्चे मां-बाप की सहमति नहीं लेते, बस इन्फॉर्म करते हैं। हम भी इंतजार कर रहे हैं कि हमें कब इस शादी के बारे में बताया जाएगा। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे थे कि शत्रुघ्न इस रशिते से खुश नहीं हैं। साथ ही बेटी के साथ उनके रिश्ते भी कुछ अच्छे नहीं चल रहे।

23 जून को मुंबई में होगी शादी

सोनाक्षी और जहीर 23 जून को मुंबई शादी करेंगे। कपल सुबह रजिस्टर्ड मैरिज करेगा। वहीं शाम को दोनों अपने फ्रेंड्स और फैमिली के लिए ग्रैंड रिसेप्शन होस्ट करेंगे। यह सेलिब्रेशन मुंबई के बैस्टियन रेस्टोरेंट में होगा जिसकी ओनर बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी हैं।

महेश बाबू की फिल्म 'एसएसबी 29' की कहानी के लिए राजामौली ने खरीदे अफ्रीकी किताबों के अधिकार!

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली 'एसएसएमबी 29' के जरिए पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शक लगातार नई जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के लेखक केवी विजयेंद्र प्रसाद ने पहले बताया था कि यह फिल्म अफ्रीकी जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इंडियाना जोन्स एडवेंचर टेम्पलेट की कहानी को दिखाएगी। वहीं अब इस फिल्म की कहानी को लेकर एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक एसएस राजामौली ने कथित तौर पर अफ्रीकी-ब्रिटिश उपन्यासकार विल्बर स्मिथ के बेस्टसेलिंग एडवेंचर उपन्यासों ट्रायम्फ ऑफ द सन और किंग ऑफ किंग्स के अधिकार खरीद लिए हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इन दोनों पुस्तकों की विषय-वस्तु निश्चित रूप से राजामौली को फिल्म की कहानी के लिए बड़ा आधार देगी, जिसके जरिए राजामौली फिल्म की कहानी को दमदार बनाने की योजना बना सकते हैं। ये दोनों पुस्तकें सूडान, अफ्रीका में सेट हैं और अफ्रीकी क्षेत्रों में कई पात्रों की साहसिक यात्रा को बताती है।

वहीं अब सोशल मीडिया पर चर्चा है कि अगर यह खबर सच्चा है तो सवाल यह है कि 'एसएसबी 29' की कहानी की लेखन प्रक्रिया अभी भी बाकी है? इसका मतलब है कि स्क्रिप्ट पूरी तरह से तय नहीं हुई है, लेकिन विजयेंद्र प्रसाद ने पहले पुष्टि की है, फिल्म की स्क्रिप्ट का काम पूरा हो चुका है। अब ऐसे में यह खबर संकेत देती है कि राजामौली ने इन किताबों के अधिकार केवल दृश्यों को फिल्माने को लेकर मदद लेने के लिए खरीदे हैं।

महेश बाबू फिल्म के लिए एक अलग लुक तैयार कर रहे हैं और कुछ समय पहले एसएस राजामौली ने उन्हें सार्वजनिक जगहों पर ज्यादा जाने से बचने के लिए कहा था, ताकि फिल्म के लिए उनके लुक को गुप्त रखा जा सके। वहीं, दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तैयार है और हीरो भी तैयार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कास्टिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा। इस पर तेजी से काम जारी है।

'एसएसएमबी 29' के जरिए म और एसएस राजामौली पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक जंगल एडवेंचर फिल्म माना जा रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर होगी।

इसके अलावा यह भी कहा जा है कि फिल्म में पौराणिक कथाओं और भारतीय महाकाव्यों की झलक होगी, जो राजामौली का ट्रेडमार्क है। वहीं कहानी के बारे में बात करें तो खबर है कि फिल्म की पटकथा और महेश बाबू का किरदार रामायण के भगवान हनुमान पर आधारित हो सकता है।

मैं होम प्रॉडक्शन की फिल्म तब करूंगी जब उस लायक हो जाऊंगी : पश्मीना रोशन

फिल्ममेकर राकेश रोशन की भतीजी और ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन ने 'इश्क विश्क रिबाउंड' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा है।

उन्होंने अपनी सिंगिंग को लेकर कहा- मेरे पापा को लगता है कि मेरी आवाज़ अच्छी है लेकिन मैं जब गाना गाती हूं तो मेरा चेहरा दर्द होता है। बॉलिवुड में जल्द ही फिल्मी परिवार की एक और बेटी दस्तक देने जा रही है और ये नई-नवेली अदाकारा हैं, पश्मीना रोशन। संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और फिल्ममेकर राकेश रोशन की भतीजी पश्मीना फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' से अपना ऐक्टिंग करियर शुरू करने जा रही हैं।

बॉलिवुड के मशहूर संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन भी जल्द ही मनोरंजन जगत का हिस्सा बनने जा रही हैं। फिल्म 'इश्क विश्व रिबाउंड' से बड़े पर्दे पर दस्तक दे रही पश्मीना ने हमसे ऐक्टिंग की ओर रुझान, संगीत से जुड़ाव, परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने के दबाव आदि पर खुलकर बात की।

कोई मिल गया के सेट पर हुआ सिनेमा से इश्क

सिनेमा से पहली बार इश्क-विश्क के बारे में पूछने पर वह बताती हैं, 'मेरी सिनेमा को लेकर शुरुआती याद फिल्म कोई मिल गया के सेट की है। फिल्म सिटी में कसौली शहर बसाया गया था। तब मैं बहुत छोटी थी मगर मैं और मेरी बहन रोज सेट पर जाते थे। फिल्म में बच्चे भी थे तो उनके साथ हम बहुत मस्ती करते थे। मुझे वहां पर इतना मजा आता था कि लगता था कि कभी घर ही ना जाना पड़े। तब से जब भी मैं सेट पर होती थी, सबसे ज्यादा खुश होती थी। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि यही मेरी दुनिया है। यहां मुझे सबसे ज्यादा खुशी और संतुष्टि मिलती है। इसलिए, मैं स्कूल में भी थिएटर करने लगी।'

'मैं गाना ना गाऊं, वही अच्छा है'

पश्मीना के पापा राजेश रोशन जाने-माने संगीतकार हैं, ऐसे में उनका गायकी की ओर रुझान नहीं हुआ? इस पर वे हंसकर कहती हैं, 'मैं कीबोर्ड बजाती हूं। वह मुझे बहुत अच्छा लगता है मगर गाने के मामले में मेरा सुर बिल्कुल नहीं लगता। मेरे पापा को लगता है कि मेरी आवाज़ अच्छी है लेकिन मैं जब गाना गाती हूं तो मेरा चेहरा दर्द होता है। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे पापा की शान के लिए अच्छा है कि मैं मैं ना गाऊं।' पश्मीना पर अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने का कितना दबाव है? इस पर उनका कहना है, 'जैसा मैंने कहा कि मेरा परिवार फनकारों का है। उनका काम मुझे बहुत पसंद है। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि उनके बीच मैं अपनी जगह बनाने जा रही हूं पर अभी ये मेरी शुरुआत है। मेरे लिए बहुत खुशी की बात होगी अगर मैं उनके जैसा काम कर पाऊं।' ताऊ जी राकेश रोशन की किसी फिल्म की सीक्वल करना चाहेंगी? इस पर पश्मीना उत्साहित होकर कहती हैं, उनकी कहो ना प्यार है मेरी फेवरेट फिल्म है, तो उसका सीक्वल करना चाहूंगी। वहीं, ताऊ जी और भैया रितिक रोशन से मिली सलाह के बारे में पूछने पर वह बताती हैं, 'ताऊजी की सीख यह थी कि जो भी करो, उसमें पूरी तरह अलर्ट रहो। अपना 100% दो। वहीं, भैया ने कहा कि खुद को हमेशा बेहतर बनाने पर काम करो। खुद को परखो और देखो कि और बेहतर कैसे हो सकती हो।'

फिल्मी फैमिली के फायदे से इंकार नहीं

पश्मीना इंडस्ट्री की मशहूर रोशन फैमिली से हैं। उनके ताऊ जी राकेश रोशन खुद बड़े निर्माता है। ऐसे में वे अपने होम प्रॉडक्शन से भी लॉन्च हो सकती थीं? इस पर वह कहती हैं, 'मैं वो नहीं चाहती थी। मैं पहले उसके लायक बनना चाहती थी। मेरे घरवाले ऐसे लोग नहीं हैं जो सिर्फ लॉन्च करने के लिए फिल्म बना दें।

दर्शन ने कबूला गुनाह, बॉडी को दफनाने के लिए दिए थे 30 लाख रुपये!

रेणुका स्वामी केस की कई नई गुत्थियां सामने आती जा रही हैं। अब इस केस में एक नया मोड़ ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रेणुका स्वामी हत्या मामले में गिरफ्तार किए गए कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा ने शव को ठिकाने लगाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ताकि उसका नाम इस केस में कहीं भी सामने ना आने पाए। साथ ही उन्होंने एक अन्य आरोपी प्रदोष को 30 लाख रुपये देने की बात भी कबूल की है। 30 लाख की रकम प्रदोष के घर से बरामद की गई है।

कबूल किया गुनाह

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दर्शन, जो कि इस पूरे मामले में आरोपी नंबर 2 है, उन्होंने अपने बयान में कहा है कि उसने शव को ठिकाने लगाने के लिए प्रदोष को 30 लाख रुपये दिए थे। यानी दर्शन ने प्रदोष को 30 लाख रुपये का भुगतान किया था। प्रदोष को अपहरण और हत्या के सभी पहलुओं को संभालने के साथ-साथ शव को ठिकाने लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस हत्याकांड में दर्शन और उसकी दोस्त पवित्रा गौड़ा समेत कुल 17 आरोपी शामिल हैं।

मामला क्या था

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता के एक प्रशंसक रेणुका स्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए थे और कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी गई। उनका शव 9 जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक बरसाती नाले के पास मिला था। अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और दर्शन थोगुदीपा के 17 साथियों ने रेणुका स्वामी की हत्या की साजिश रची थी। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों में से एक, राघवेंद्र, जो चित्रदुर्ग में दर्शन के फैन क्लब का हिस्सा है, वह रेणुका स्वामी को इस बहाने यहां आर आर नगर के एक शेड में लाया था कि दर्शन उससे मिलना चाहता था। इसी शेड में उसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया और मार डाला गया।

अपराध के मिले सबूत

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस शेड से खून के धब्बे के नमूने बरामद किए गए हैं, जहां रेणुका स्वामी को प्रताड़ित कर उसकी हत्या की गई थी, जिस जगह पर अपराध हुआ था वहां से कथित हमले के लिए इस्तेमाल की गई लाठी और लकड़ी के लट्ठे जैसी चीजें, पानी की बोतल, खून के धब्बे और सामग्री के साथ सीसीटीवी फुटेज वाले डीवीआर बरामद किए गए हैं। कथित तौर पर शव को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किए गए वाहन पर भी दाग पाए गए हैं। बताया जा रहा है कि रेणुका स्वामी की मृत्यु कई गहरी चोटों की वजह से सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई थी। विसरा के नमूनों को आगे के विश्लेषण के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में भेज दिया गया है। इसके अलावा जांच टीम ने सीसीटीवी फुटेज समेत कई सबूत जुटाए हैं, जिससे यह साबित हो सकता है कि रेणुका स्वामी पर कथित हमले के दौरान दर्शन वहीं मौजूद थे।

टप्पू और सोनू के बाद गोली ने भी कहा 'तारक मेहता...' को अलविदा! 16 साल बाद शो छोड़ रहे हैं कुश शाह?

एक्टर कुश शाह 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में गोली के रोल के लिए जाने जाते हैं। शुरुआत से ही वो इस शो से जुड़े हुए हैं। उनका किरदार, एक टप्पू सेना का मेंबर, अपनी बुद्धि और मस्ती भरे एटिट्यूड के लिए फेमस है। हाल ही में ऐसी खबरें सामने आईं कि वह शो छोड़ देंगे। अफवाहों के बीच गोली के एक फैन ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी फोटो पोस्ट की। इन्हें कुश शाह का फैन भी कहा जाता है।

फोटो में न्यूयॉर्क में फैन और कुश शाह के बीच एक पल को कैद किया गया और इसके कैप्शन से इस बात का पता चला। फैन ने दावा किया कि उसकी मुलाकात अचानक कुश शाह से हुई, जिन्होंने कथित तौर पर न्यूयॉर्क में अपनी पढ़ाई करने के लिए शो छोड़ने के अपने इरादे का खुलासा किया। पोस्ट में लिखा है, 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी जाते समय अचानक मुझे न्यूयॉर्क में कुश शाह उर्फ गोली मिला। उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने शो छोड़ दिया है और न्यूयॉर्क में अपनी पढ़ाई कर रहे हैं।'

फैंस का दिल टूट गया

अब उनके चाहने वाले इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'ओह नहीं। मैंने वास्तव में उनकी और जेठालाल की नोकझोंक को एंजॉय किया। वैसे भी, यह उसके लिए बेहतर है।' एक फैन ने रोते हुए चेहरे वाले इमोजी का इस्तेमाल करते हुए दुखी होकर कहा, 'अभी तो और मजा आएगा ही नहीं।' पोस्ट के बारे में बात करते हुए, उस फैन ने अपने फेसबुक अकाउंट से तस्वीर हटा दी है। हालांकि, यह फोटो अब हर तरफ फैल चुकी है।

क्या शो छोड़ेंगे कुश शाह?

हालांकि, कुश शाह के शो से बाहर होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस और कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी है। उनका किरदार, गोली फैंस का पसंदीदा बन गया है और शो में एक अलग क्रिस्प जोड़ता है। शो के हालिया एपिसोड के साथ, कुश ऑनस्क्रीन छाए हुए हैं और उनके बाहर निकलने की संभावना कम लगती है।

'तू चोरी करके भागा है', रिमी सेन के अजीज दोस्त ने किया 'हेरा फेरी', दोस्ती कर उड़ा ले गया 4.14 करोड़

मार्च 2022 में रिमी सेन ने अपने दोस्त रौनक व्यास के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था, जिसमें उन पर 4.14 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था. उस समय दायर किए गए कागजात के अनुसार, जतिन व्यास ने रिमी को एलईडी लाइटिंग से जुड़ी अपनी नई फर्म में निवेश करने पर काफी मुनाफा देने का वादा किया था.

जब जतिन ने उनकी कॉल का जवाब देना बंद कर दिया और पैसे वापस करने से इनकार कर दिया, तब अभिनेत्री को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है.।

एक इंटरव्यू में रिमी ने इस मामले के बारे में बात की और बताया कि उन्हें आगे बढ़ने में दो साल क्यों लग गए. उन्होंने कहा- मेरी फाइल गुम हो गई थी. यह तब हुआ जब खार पुलिस स्टेशन को ट्रांसफर किया जा रहा था. एफआईआर के लिए तीन से चार सीनियर अधिकारियों के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है. इसलिए, यदि आपकी फाइल खो जाती है, तो आपको प्रक्रिया को फिर से शुरू करना होगा और शुरुआत से हस्ताक्षर प्राप्त करने होंगे. इसमें दो साल लग गए.

ठग निकला दोस्त

रिमी ने आगे कहा, 'वह एक ठग है. वह किसी शहर में जाकर बस जाएगा और लोढ़ा जैसे बिल्डर की आलीशान रिहायशी सोसायटी में फ्लैट किराए पर लेगा. वह एक शानदार कार खरीदेगा और कुलीन क्लबों और जिम का सदस्य बन जाएगा. वह लोगों से दोस्ती करेगा और फिर उन्हें ठगने के बाद भाग जाएगा. गुजरात में भी उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं.

क्या कहा था आखिरी बार

रिमी ने यह जवाब देते हुए निष्कर्ष निकाला कि क्या उन्होंने अपने परिवार के साथ बातचीत की है और कहा, "पुलिस अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों से संपर्क किया. 'इतना ज्यादा पैसा कैसे देंगे?' लेकिन मेरी मूल राशि 4.14 करोड़ रुपये है. अगर मैं ब्याज शामिल करती हूं, तो कुल 13-14 करोड़ रुपये आते हैं. हालांकि, जतिन के परिवार ने कहा कि उसे मुझ पर सिर्फ 2 करोड़ रुपये बकाया हैं. ये सब धोखाधड़ी है. उन्होंने यह भी कहा कि आखिरी बार जब उन्होंने उससे बात की थी, तब उन्होंने कहा था, तू चोरी करके भागा है. मैं तेरे पास पहुंच गई तो तेरे से गिन गिन के पैसे लूंगी.

दीपिका पादुकोण का 6 महीने बाद बेबी बंप तो दिख गया

लेकिन लोगों को रास नहीं आई ये हरकत, बोले- इतनी ऊंची हील, हद है

दीपिका पादुकोण ने आखिरकार अपने बेबी बंप पर सवाल उठाने वालों की बोलती बंद कर दी है। दीपिका पति रणवीर सिंह के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उन्होंने बुधवार शाम को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही थीं। धुंधली तस्वीर में दीपिका का चेहरा तो नहीं दिख रहा था लेकिन वह काले रंग की बॉडी-हगिंग आउटफिट में पोज देती नजर आ रही थीं। उनका बेबी बंप भी साफ नजर आ रहा था। उसके बाद शाम होते-होते उन्हें 'कल्कि 2898 एडी' के इवेंट में देखा गया, जहां उनका बेबी बंप साफ दिखा। यहां दीपिका हाई हील्स पहनकर आई थीं, जिसके लिए पूरे इंटरनेट पर उन्हें लेकर बातें हो रही हैं। आइए बताते हैं।

कुछ हफ्ते पहले दीपिका पादुकोण को तब ट्रोल किया गया था जब वह वोट डालने के लिए बाहर निकली थीं और नेटिजन्स ने उनके बेबी बंप को 'नकली' कहा था। 20 मई को, दीपिका को तब देखा गया जब वह मुंबई लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में अपना वोट डालने पहुंचीं। हालांकि, उन्हें लेकर उनके बेबी बंप के बारे में काफी कुछ कहा गया।

दीपिका पादुकोण की हाई हील्स पर सवाल

अब, 19 जून को इवेंट में दीपिका जब ब्लैक ड्रेस के साथ हाई हील्स पहनकर पहुंचीं, तो लोग उनकी इस हरकत से नाराज हो गए। दीपिका 6 महीने की प्रेग्नेंट हैं और ऐसे में इतनी ऊंची हील पहनने पर उन्हें काफी कुछ सुनाया गया। एक यूजर ने लिखा- प्रेग्नेंसी में इतनी ऊंची हील, ये खतरनाक है। एक ने कहा- आप कितनी भी सुंदर क्यों ना दिखना चाहें, इस वक्त हाई हील्स नहीं पहनना था। एक ने लिखा- प्रेग्नेंसी में इतनी ऊंची हील कौन पहनता है। लगभग हर किसी ने उनकी हील्स की तरफ प्वॉइंट किया है।

प्रभास ने दीपिका को खिलाया खाना

इवेंट के दौरान, दीपिका ने कई सारी बातें कीं, जिसमें उन्होंने अपने बढ़ते बेबी बंप का जिक्र किया और प्रभास के बारे में बात की और बताया कि वह सेट पर पूरे स्टाफ को कैसे खाना खिलाते थे। दीपिका ने कहा, 'उन्होंने मुझे जो खाना खिलाया है, उनके कारण मैं ऐसी हूं। हर दिन, एक समय पर, ऐसा लगता था जैसे खाना केवल उनके घर से ही नहीं आ रहा था, बल्कि यह किसी सेवा केंद्र से आ रहा था। प्रभास सभी को क्या खिला रहे हैं? जो लोग उन्हें अच्छी तरह से जानते हैं, वे जानते हैं कि वह दिल से खिलाते हैं।'

'कल्कि 2898 एडी' रिलीज डेट

इसके अलावा, दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आएंगी जिसमें वह प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। फिल्म 'कल्कि 2898 AD' का ट्रेलर पिछले हफ्ते रिलीज हुआ था। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर किया। पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, 'द फ्यूचर वर्जन... #कल्कि2898AD ट्रेलर यहां है! 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।'

हंसल मेहता को एकता कपूर ने 15 दिनों में ही शो से निकाला था और कहा- सर आप जाओ, 19 साल बाद हरा हुआ पुराना जख्म

उतार-चढ़ाव तो जिंदगी का हिस्सा है और ऐसा नहीं कि इसका असर केवल आम पब्लिक पर ही होता हो, इस चपेट में बड़े-बड़े लोग और सिलेब्रिटीज़ भी आते हैं। ऐसा ही दौर डायरेक्टर हंसल मेहता ने भी देखा है, जिन्होंने स्कैम 1992', 'शाहिद' और 'अलीगढ़' जैसी की शानदार फिल्में इंडस्ट्री को दी हैं। हंसल मेहता ने फिल्मों के अलावा भी लाइफ में काफी सारे काम किए हैं। उन्होंने डायरेक्शन के अलावा वेडिंग वीडियोग्राफर, फूड शो क्रिएटर का भी काम किया है, लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया जब उन्हें घर चलाने के लिए टीवी इंडस्ट्री में काम करना पड़ा था। वहीं 19 साल बाद हंसल मेहता ने ये बताते हुए चुप्पी तोड़ी है कि एकता ने उन्हें अपने शो से निकाल दिया था।

अपनी हालिया बातचीत में टीवी इंडस्ट्री में काम से जुड़े कई राज खोले। उन्होंने अपने इस लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया है कि हंसल मेहता तब अपनी लाइफ के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और घर चलाने के लिए उन्होंने टीवी में काम करने का फैसला लिया। वहीं उन्होंने ये बताकर सबको हैरान कर दिया है कि टीवी इंडस्ट्री पर राज करने वालीं एकता कपूर ने उन्हें अपने प्रोजेक्ट से बाहर कर दिया था।

मुझे 15 दिन में ही शो से बाहर निकाल दिया गया'

हंसल ने बात करते हुए बताया कि एक बार उन्होंने एकता कपूर के शो को डायरेक्ट करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, 'मैंने एकता कपूर के शो (के स्ट्रीट पाली हिल) को डायरेक्ट करने की कोशिश की थी। यह एक डेली सोप था। मैं इसे डायरेक्ट कर रहा था लेकिन मुझे 15 दिन में ही बाहर निकाल दिया गया।'

एकता ने विनम्रता से उनसे शो छोड़ने के लिए कहा था

हंसल मेहता ने इस घटना का जिक्र करते हुए और भी बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि ये वैसा नहीं था जैसा लोग सोच रहे हैं। उन्होंने मामले को साफ करते हुए कहा कि एकता कपूर ने बहुत ही विनम्रता से उनसे शो छोड़ने के लिए कहा था। हंसल ने बताया- एकता ने मुझसे कहा, सर ये एक फिल्म की तरह हो गया है। ये 2005 की बात है और मुझे बहुत विनम्रता के साथ उन्होंने इसे छोड़ने के लिए कहा।

ताम-झाम से दूर रहते हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी, छोटी फिल्में करना है पसंद

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रौतू का राज' के सिलसिले में व्यस्त हैं। इस फिल्म में नवाज पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में नवाजुद्दीन एकदम अलग किरदार में दिखेंगे। हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में अभिनेता ने अपने अब तक के करियर की समीक्षा करते हुए कहा कि उन्हें छोटी फिल्मे करना पसंद है। इस दौरान उन्होंने साझा किया कि वह ताम-झाम से दूर रहते हैं। आइए जानते हैं नवाज ने क्या कुछ कहा?

ताम-झाम से दूर रहते हैं नवाज

अभिनेता से जब पूछा गया कि वह अपने साथ बहुत कम लोगों को रखते हैं, जबकि आजकल के ज्यादातर सितारों के साथ उनके खाने, बालों और मेकअप का ख्याल रखने के लिए एक पूरी टीम होती है। इस पर उन्होंने कहा, 'क्योंकि यह सही बात नहीं है।' बता दें कि इंडस्ट्री में इस बात पर चर्चा चल रही है कि आज कल के सितारों के पास कई वैनिटी वैन होती हैं और सेट पर उनका ख्याल रखने के लिए एक बड़ी टीम रहती है।

करण जौहर समेत कई फिल्म निर्माताओं ने इसके खिलाफ आवाज उठाई है और इस बात पर चिंता जताई है कि कैसे बढ़ती लागत फिल्म के बजट और निर्माताओं को प्रभावित कर रही है।

तय फीस में काम करना चाहते हैं अभिनेता

हालांकि, नवाजुद्दीन सबसे बिल्कुल अलग हैं, जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें यह सब पसंद नहीं है। उनके लिए एक बात साफ है कि उन्होंने अपनी जितनी फीस तय की है, उन्हें उतने में ही काम करना है। अभिनेता ने आगे कहा, 'यह जो ताम-झाम बढ़ाते हैं, इसका फिल्म में इस्तेमाल नहीं हो रहा है, तो कोई मतलब नहीं उसका। मैं हमेशा इससे दूर रहा हूं, क्योंकि हमारी फिल्में बहुत बड़े बजट की नहीं होती हैं, सच कहूं तो, भले ही बजट बड़ा हो, मैं इससे दूर रहता हूं, क्योंकि यह सही चीज नहीं है। यह आपके क्षेत्र के लिए सही नहीं है।'

छोटी फिल्में करना है पसंद

साक्षात्कार के दौरान अभिनेता ने अपने 25 साल के करियर को याद करते हुए साझा किया कि उन्हें किस तरह से सिनेमा से जुड़ने में मजा आया। अभिनेता ने यह भी बताया कि उन्हें अच्छी कहानी और बेहतरीन किरदार वाली "छोटी" फिल्में करना पसंद है, लेकिन उन्होंने पैसे के लिए "बड़ी फ़िल्में" भी की हैं। अभिनेता कहते हैं कि वह यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि वह संतुलित रहें, अगर उन्होंने कोई बड़ी फिल्म की है तो छोटी फिल्में भी करें। छोटी फिल्मों में भले पैसा कम मिलता है, लेकिन वह इससे संतुलन बनाने में कामयाब रहते हैं।

'संध्या बींदणी' के साथ सेट पर हादसा! 'मंगल लक्ष्मी' की शूटिंग के दौरान दीपिका सिंह पर गिरा भारी-भरकम सामान

ऐसा लग रहा है कि 'दीया और बाती' फेम 'संध्या बींदणी' यानी फेमस एक्ट्रेस दीपिका सिंह के लिए चीजें ठीक नहीं चल रही हैं। टीवी सीरियल 'मंगल लक्ष्मी' की शूटिंग के दौरान वो फिर से घायल हो गई हैं। इस बार उनके ऊपर भारी-भरकम प्लाईवुड बोर्ड गिर गया, जिससे उनकी पीठ के ऊपरी हिस्से पर चोट लग गई है। इससे पहले उनकी आंख में चोट लगी थी। इसके बावजूद वो चिलचिलाती गर्मी में शूटिंग करती रहीं, जिससे उन्हें बहुत परेशानी हुई थी।

हमारे सहयोगी ईटाइम्स टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, सेट पर मौजूद सूत्रों ने बताया कि दीपिका फिल्मसिटी में डेली सोप 'मंगल लक्ष्मी' के लिए एक ड्रीम सीक्वेंस की शूटिंग कर रही थीं। इस सीक्वेंस में उन्हें दिखाया जा रहा था कि उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। जब वो इस सीक्वेंस की शूटिंग कर रही तीं, तो उनके पीछे रखा एक बड़ा और भारी प्लाईवुड बोर्ड एक्ट्रेस पर गिर गया। तेज हवा के कारण भारी प्लाईवुड बोर्ड उनकी पीठ पर गिर गया, जिससे वो घायल हो गईं।\

पीठ में बढ़ गई सूजन, फिर भी की शूटिंग

दीपिका दर्द से चिल्ला उठीं और नमन तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़े। दर्द के बावजूद उन्होंने जरूरी सीन की शूटिंग जारी रखने की कोशिश की, लेकिन पीठ में सूजन बढ़ने के कारण उन्हें काम रोकना पड़ा। 'मंगल लक्ष्मी' सेट के पास बच्चों का डांस शो फिल्माया जा रहा था, वहां से आइस पैक मंगवाया गया। इसका इस्तेमाल करने के बाद दीपिका ने जितने सीन शूट कर सकती थीं, उतने शूट किए। हालांकि, जब दर्द असहनीय हो गया तो दीपिका सेट छोड़कर घर चली गईं।

आंख में जम गया था खून का थक्का

'मंगल लक्ष्मी' सीरियल में दीपिका एक होममेकर और बहन के किरदार में हैं। अपनी एक्टिंग से वो दर्शकों का दिल जीत रही हैं। बीते दिनों शूटिंग के दौरान उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था। चोट के बावजूद उन्होंने शूटिंग जारी रखी थी, क्योंकि वे एक अहम शादी का सीन सूट कर रही थीं।

चिलचिलाती गर्मी में आंखों में जलन

उस समय उन्होंने बात करते हुए कहा था, 'मैं ब्रेक नहीं ले सकती थी, क्योंकि हम लक्ष्मी की शादी के एक जरूरी ट्रैक की शूटिंग कर रहे थे और एक लीड एक्ट्रेस के रूप में मेरी हर सीन में जरूरत थी। मेरा ना होना असंभव था। इसलिए मैं छुट्टी नहीं मांग सकती थी। प्रोड्यूसर्स ने मुझे बीच-बीच में ब्रेक दिया था।' उन्होंने ये भी बताया था कि चिलचिलाती गर्मी के कारण उनकी आंखों में जलन भी हो रही थी।

दिल टूटा तो सीखा रिश्ते में क्या नहीं चाहिए अब तो टिंडर पर लोगों को प्यार होता है

अपनी वेब सीरीज 'मामला लीगल है' में शानदार ऐक्टिंग के लिए वाहवाही बटोर चुकीं ऐक्ट्रेस नायला ग्रेवाल अब जल्द ही बड़े पर्दे पर फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में आज के जमाने के टिंडर वाले प्यार का फलसफा सिखा रहीं नायला खुद शाहरुख-काजोल वाले प्यार में भरोसा रखती हैं। उनका कहना है कि उनकी पीढ़ी शाहरुख-काजोल वाले रोमांस और आज के डेटिंग ऐप्स वाले जमाने के बीच फंस गई है।

शाहरुख-काजोल और टिंडर वाले रोमांस के बीच अटक गए

बकौल नायला, 'हमने वो शाहरुख खान, काजोल, रानी मुखर्जी वाला रोमांस देखा है कि स्लो मोशन में बाल उड़ेंगे, वे आपको बाहों में समेट लेंगे तो हमें प्यार के वही मायने समझ में आते हैं, जबकि आज टिंडर और डेटिंग ऐप्स पर प्यार हो रहा है। ऐसे में, हम इन दोनों दुनिया के बीच में कहीं अटक गए हैं। हमें पता है कि यह डेटिंग ऐप्स का जमाना है और हम भी इसी जमाने का हिस्सा हैं पर बचपन से हम शाहरुख-काजोल वाला रोमांस देखते आए हैं तो हम बीच में फंस गए हैं। मगर आज रिश्तों में सिचुएशनशिप, जहां आप रिलेशनशिप में हैं पर कंफ्यूज हैं और रीबाउंड, जिसमें आप एक रिश्ते से निकले नहीं कि दूसरे में घुस गए, ऐसी चीजें हो रही हैं। हम भी इन्हें समझ और सीख रहे हैं।'

मैं किसी के बिना अधूरी नहीं

क्या नायला खुद कभी दिल टूटने के दर्द से गुजरी हैं? यह पूछने पर वह बताती हैं, 'हां, मुझे लगा था कि मेरे साथ ऐसा नहीं होगा पर मेरा भी दिल टूटा है। लेकिन इस हार्ट ब्रेक के बाद मुझे ये पता चल गया कि मुझे एक रिलेशनशिप में क्या नहीं चाहिए। उस वाकये से मैंने सीखा कि मैं किसी के बिना अधूरी नहीं हूं। मैं खुद में पूर्ण हूं। मुझे खुद को कंप्लीट करने के लिए कोई नहीं चाहिए। यह अहसास आपको तब होता है, जब आपको खुद से प्यार हो जाता है। इसलिए, अब मुझे किसी ऐसे रिश्ते में नहीं घुसना, जहां वो मेरी इनसिक्योरिटीज को दूर करे या मुझे पूर्ण महसूस कराए। मुझे लगता है कि अगर आप खुद में कंप्लीट हैं और आपकी एनर्जी पॉजिटिव है तो अच्छे इंसान आपके प्रति आकर्षित होते हैं।'

पिछली 'इश्क-विश्क' का दबाव नहीं

'इश्क विश्क रिबाउंड' 21 साल पहले आई शाहिद कपूर और अमृता राव की डेब्यू फिल्म 'इश्क विश्क' का सीक्वल कही जा रही है। ऐसे में, उनसे तुलना के सवाल पर नायला कहती हैं, 'मैं और फिल्म में मेरे को-स्टार्स रोहित सराफ, पश्मीना रोशन और जिब्रान खान, हम चारों ने ही ये तय किया था कि हम यह दबाव नहीं लेंगे, क्योंकि अगर हमने प्रेशर लिया तो कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर होगी। हमने दिल से काम किया है, लोगों को वो पसंद आए या ना आए, वो हमारे बस में नहीं है लेकिन अगर हम ये सोचेंगे कि शाहिद कपूर या अमृता ने ऐसा किया तो मुझे उनसे बेहतर करना है तो उल्टा खिचड़ी बन जाएगी, इसलिए हमने इसे एक नई फिल्म की तरह बनाया है। इसमें बस सुर इश्क-विश्क वाला है और कुछ गाने, जो बहुत यादगार हैं, उन्हें रीक्रिएट

नायला ग्रेवाल

जल्द ही बड़े पर्दे पर फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' में नजर आने वाली हैं

किसानों को तोहफा, खरीफ सीजन के लिए 14 फसलों के एमएसपी को मंजूरी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने खरीफ सीजन के लिए 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी है। यह फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया गया। सरकार का कहना है कि एमएसपी में बढ़ोतरी का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना और कृषि क्षेत्र को अधिक लाभदायक बनाना है। एमएसपी केंद्र सरकार की ओर से तय एक न्यूनतम मूल्य है। इस पर सरकार किसानों से उनकी उपज खरीदने की गारंटी देती है।

केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'आज कैबिनेट में किसान कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। खरीफ फसल के लिए 14 फसलों पर कैबिनेट ने MSP को मंजूरी दी है। धान का नया MSP 2,300 रुपये किया गया है जो पिछली MSP से 117 रुपये अधिक है। कपास का नया MSP 7,121 और एक दूसरी किस्म के लिए 7,521 रुपये पर मंजूरी दी है जो पिछली MSP से 501 रुपये ज्यादा है

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। जिन 14 खरीफ फसलों के MSP को मंजूरी दी गई है उनमें धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास शामिल हैं।

पीएम मोदी का तीसरा कार्यकाल अहम

वैष्णव ने कहा, 'पीएम मोदी का तीसरा कार्यकाल बहुत महत्वपूर्ण है। कारण है कि यह किसानों के कल्याण के लिए कई फैसलों के जरिये बदलाव के साथ निरंतरता पर केंद्रित है।' वैष्णव ने बताया कि आज के फैसले के बाद किसानों को एमएसपी के रूप में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। कैबिनेट ने वधावन बंदरगाह के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है।

12 साल बाद छिन गई चीन की बादशाहत

सऊदी अरब निकल गया है ड्रैगन से आगे

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। करीब दो दशक तक ग्लोबल इकॉनमी का इंजन रहा चीन अब कई मोर्चों पर पिछड़ने लगा है। 12 साल में पहली बार एमर्जिंग मार्केट बोरोअर के तौर पर सऊदी अरब ने उसे पछाड़ दिया है। सऊदी अरब ने इस साल 33.2 अरब डॉलर के इंटरनेशनल बॉन्ड जारी किए हैं जबकि चीन 23.3 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गया है। साउथ कोरिया 20 अरब डॉलर के साथ तीसरे और यूएई 18.5 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर है। सऊदी अरब की इकॉनमी का साइज चीन की जीडीपी के 16वें हिस्से के बराबर है। पिछले 12 साल से चीन सबसे बड़ा एमर्जिंग मार्केट बोरोअर बना हुआ था। लेकिन वहां ट्रेंड में बदलाव दिख रहा है। चीन में लोकल करेंसी बॉन्ड की खरीद में तेजी दिख रही है।

सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के विजन 2030 प्लान को विदेशी निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया है। यही वजह है कि देश रेकॉर्ड तेजी के साथ इंटरनेशनल बॉन्ड जारी कर रहा है। चीन 18.536 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है जबकि सऊदी अरब की इकॉनमी का साइज 1.112 ट्रिलियन डॉलर है। पहली तिमाही में सऊदी अरब की जीडीपी में 1.8 फीसदी गिरावट देखने को मिली। पिछले साल की चौथी तिमाही में भी कंपनी की जीडीपी में 3.7% गिरावट आई थी। तेल उत्पादन में कटौती और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से देश की इकॉनमी प्रभावित हुई। सऊदी अरब दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है।

चीन की स्थिति

चीन की इकॉनमी पिछले कुछ समय से कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है।

सेल्फ-ड्राइविंग, रोबोट, एलन मस्क ने दिखा दिया फ्यूचर

टेस्ला की बादशाहत को लेकर बड़े दावे!

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क अक्सर अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं और भविष्यवाणियों के लिए सुर्खियों में रहते हैं। बीते दिनों उन्होंने ऑटोनॉमस ड्राइविंग और मानव रोबोट से जोड़कर टेस्ला के भविष्य के बारे में कुछ बड़े दावे किए। टेस्ला की एनुअल जनरल मीटिंग में मस्क ने ऑटोनॉमस ड्राइविंग, ह्यूमनॉइड रोबोट और टेस्ला की AI क्षमताओं पर जमकर चर्चा की। एक तरह से उन्होंने दिखा दिया कि भविष्य में ऑटो इंडस्ट्री की शक्ल क्या रहने वाली है। ऑटोनॉमस ड्राइविंग को सेल्फ-ड्राइविंग या ड्राइवरलेस कार भी कहा जाता है। यह एक ऐसी तकनीक है जो वाहनों को मानव हस्तक्षेप के बिना चलाने में सक्षम बनाती है।

ऑटोनॉमस ड्राइविंग में तेजी से प्रगति

एजीएम 2024 में एलन मस्क टेस्ला के लिए काफी उत्साहित दिखे। उनका मानना है कि ऑटोनॉमस ड्राइविंग में तेजी से प्रगति हो रही है। जल्द ही टेस्ला के ओनर अपनी कारों को टैक्सियों की तरह चलाकर पैसा कमा सकेंगे। यह 'उबर के एयरबीएनबी' जैसा होगा। ऑटोनॉमस कारों का बाजार 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। एलन मस्क के मुताबिक, भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट का बोलबाला होगा। यही भविष्य हैं। उनका अनुमान है कि आगे चलकर दुनिया में 16 अरब रोबोट होंगे, यानी हर इंसान पर दो रोबोट। एक रोबोट बनाने की लागत 10,000 डॉलर तक आ सकती है। इससे ऑप्टिमस रोबोट कारोबार का वैल्यूएशन 25 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

टेस्ला दूसरी टेक कंपनियों से कहीं आगे मस्क ने यह भी दावा किया कि टेस्ला वास्तविक दुनिया में AI का इस्तेमाल करने के मामले में गूगल, मेटा और ओपनएआई से आगे है। टेस्ला अपने चिप्स खुद बनाती है। कारण है कि एनवीडिया जैसी कंपनियां टेस्ला के ह्यूमनॉइड रोबोट, कार और कैमरा के लिए चिप्स नहीं बना सकती हैं।

पांच महीने में 28 टन सोना खरीद चुका है आरबीआई

आखिर क्या है सेंट्रल बैंक का प्लान?

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दुनियाभर के सेंट्रल बैंक तेजी से सोना खरीद रहे हैं। आरबीआई भी इसमें पीछे नहीं है। मई तक केंद्रीय बैंक 28 टन सोना खरीद चुका है। मई में बैंक ने तीन टन सोना खरीदा। उससे पहले अप्रैल में केंद्रीय बैंक ने करीब छह टन सोना खरीदा और सात बिलियन डॉलर मूल्य की अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज बेच दी। आरबीआई अपने विदेशी मुद्रा भंडार मैनेजमेंट में विविधता ला रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार आरबीआई की होल्डिंग्स में अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज की वैल्यू अप्रैल में 7.1 अरब डॉलर घटकर 233.5 अरब डॉलर रह गया। इसकी तुलना में, भारत ने पिछले साल अप्रैल में लगभग एक अरब डॉलर मूल्य की अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज खरीदी थी।

आरबीआई की रणनीति

दुनिया के दूसरे प्रमुख केंद्रीय बैंकों की स्ट्रैटजी के अनुरूप है। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से ये बैंक अपने भंडार में सोने की मात्रा बढ़ा रहे हैं और डॉलर वाली एसेट्स का हिस्सा कम कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक विदेशी केंद्रीय बैंकों ने अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज में अपना एक्सपोजर 30 अरब डॉलर तक कम कर दिया है। दूसरी ओर, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-मार्च तिमाही में वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों ने रिकॉर्ड 290 टन सोना खरीदा। इस दौरान चीन और तुर्की के केंद्रीय बैंकों ने सबसे ज्यादा खरीदारी की। आरबीआई ने दिसंबर 2017 से बाजार से नियमित रूप से सोने की खरीदारी शुरू की थी। लेकिन यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव से पिछले दो वर्षों में बैंक इसमें तेजी लाया है।

गोल्ड रिजर्व क्यों बढ़ा रहे हैं बैंक

लेकिन इस साल जनवरी से आरबीआई ने सोने की खरीद में काफी तेजी दिखाई है। केंद्रीय बैंक मई तक 28 टन सोना खरीद चुका है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा 2024 में कराए गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक केंद्रीय बैंकों के सोना खरीदने के तीन मुख्य कारण हैं। पहला कारण है सोने की लॉन्ग टर्म वैल्यू। दूसरी वजह यह है कि संकट के समय हमेशा सोने की चमक बढ़ी है। तीसरी वजह यह है कि पोर्टफोलियो डाइवर्सिफायर के रूप में इसकी कारगर भूमिका रही है। आरबीआई स्ट्रैटजिक मूव के तौर पर अपने भंडार में सोने की मात्रा बढ़ा रहा है। इसे महंगाई और फॉरेन करेंसी रिस्क में हेज के रूप में देखा जाता है।

सेंसेक्स 141 अंक चढ़कर 77,478 पर बंद

निफ्टी में भी 51 अंक की तेजी रही, मेटल और बैंकिंग शेयर्स में रही बढ़त

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। यर बाजार में आज यानी 20 जून को बढ़त देखने को मिली है। संसेक्स 141 अंक की तेजी के साथ 77,478 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 51 अंक की तेजी रही। ये 23,567 के स्तर पर बंद हुआ।

संसेक्स के 30 शेयरों में 16 में गिरावट और 14 में तेजी रही। मेटल और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा तेजी देखने को मिली है। इससे पहले कल यानी 19 जून को शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था। आज एशियाई बाजारों में गिरावट HDFC, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स, एयरटेल और रिलायंस मार्केट को ऊपर खींच रहे हैं। वहीं ICICI, सनफार्मा, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड बाजार को नीचे खींच रहे हैं।

एशियाई बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 255 में करीब 0.50% की गिरावट है। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट इंडेक्स और और हांगकांग के हैंग सेंग में भी गिरावट है। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FIIs) ने बुधवार को 7,908.36 करोड़ के शेयर खरीदे। इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DII) ने भी 7,107.80 करोड़ के शेयर खरीदे। DEE डेवलपमेंट और एक्मे फिनट्रेड के IPO में निवेश का मौका DEE डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड और एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड के IPO का आज दूसरा दिन है हैं। रिटेल निवेशक इस IPO के लिए 21 जून तक बोली लगा सकेंगे।

खड़ी की 5480 करोड़ की कंपनी फिर 5 साल में बेच दी

अब क्या करती हैं हैदराबादी वाणी कोला?

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। आज हम आपको ऐसी शख्सीयत से मिलाते हैं जिनसे बड़ी संख्या में लोग प्रेरित होते हैं। उनका नाम है वाणी कोला। 22 साल अमेरिका में काम करने के बाद वाणी ने वापस भारत आकर अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कलारी कैपिटल नाम की एक सफल वेंचर कैपिटल फर्म की स्थापना की। यह कंपनी शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स में निवेश करती है। वाणी इस कंपनी की संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

वाणी हैदराबाद से ताल्लुक रखती हैं। इसी शहर में उनका जन्म हुआ। उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद वह अमेरिका चली गईं। अरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी से उन्होंने मास्टर डिग्री हासिल की।

साल 1996 में वाणी ने राइटवर्क्स नाम की एक ई-प्रोक्योरमेंट कंपनी शुरू की। पांच साल बाद उन्होंने इसे ICG को 657 मिलियन डॉलर में बेच दिया जो आज के समय में लगभग 5480 करोड़ रुपये होते हैं। इसके बाद उन्होंने सर्टस सॉफ्टवेयर नाम की एक और कंपनी शुरू की और उसे भी बेच दिया। फिर वाणी ने भारत वापस आकर अपनी वेंचर कैपिटल फर्म शुरू करने का फैसला किया। भारत लौटकर वाणी ने विनोद धाम और कुआर शिर्लागी के साथ मिलकर इंडो-यूएस वेंचर पार्टनर्स फंड लॉन्च किया। इस फंड को न्यू एंटरप्राइज एसोसिएट्स का समर्थन प्राप्त था। चार साल बाद NEA ने इस संयुक्त उद्यम से अलग होने का फैसला किया। 2012 में वाणी ने इसका नाम बदलकर कलारी कैपिटल कर दिया। उनकी फर्म ने अब तक 850 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं। 110 से अधिक स्टार्टअप्स को फंड दिया है। यह जानकारी कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

व्यावसायिक जीवन के अलावा वाणी को पढ़ने का बहुत शौक है। उन्हें लिखना और अपने विचार साझा करना भी पसंद है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उनके 87.6 हजार फॉलोअर्स हैं। वाणी एक साहसी पर्वतारोही और धावक हुआ करती थीं। उन्होंने 2000 के दशक में माउंट किलिमंजारो की चोटी पर चढ़ाई की थी।

आज सोना-चांदी के दामों में तेजी

10 ग्राम सोना 72,440 का हुआ, चांदी फिर 92 हजार रुपए के पार निकली

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 20 जून को तेजी है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 220 रुपए बढ़कर 72,440 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी 1,500 रुपए बढ़कर 92,500 रुपए में बिक रही है। इस साल सोने के दाम 8,570 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। वहीं चांदी 72,160 रुपए प्रति किलो पर थी। यानी, चांदी इस साल 20,340 रुपए बढ़ चुकी है।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	72,440
22	66,400
18	54,330

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,590 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,440 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,440 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 7,3010 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,490 रुपए है।

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 25 जून से न्यूनतम 14,893 निवेश करने होंगे

कंपनी शराब के 16 ब्रांड बनाती है

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स आईपीओ लेकर आ रही है। इसका आईपीओ 25 जून से रिटेल सब्सक्राइबर्स के लिए खुलेगा। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड भी तय कर दिया गया है, जो कि 267-281 है। रिटेल निवेशकों के पास आईपीओ में 27 जून तक निवेश का मौका रहेगा।

इस आईपीओ के जरिए कंपनी का लक्ष्य 1,500 करोड़ रुपए जुटाने का है। इसमें फ्रेश इश्यू के साथ ही ऑफर फॉर सेल शामिल है। इश्यू के तहत 1,000 करोड़ रुपए के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, मौजूदा शेयरहोल्डर्स के 500 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री की जाएगी। इस इश्यू का प्राइस बैंड 267-281 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 53 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 281 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,893 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 689 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइस बैंड के हिसाब से 193,609 इन्वेस्ट करने होंगे। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स IPO से आने वाले 720 करोड़ रुपए का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी। इसके अलावा, बाकी पैसों का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। दिसंबर 2023 तक कंपनी पर करीब 808 करोड़ रुपए का कर्ज था। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स, इंडियन मेड फॉरेन लिकर बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। कंपनी के पोर्टफोलिया में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोदका के 16 ब्रांडों के प्रॉडक्ट हैं। इनमें ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, स्टर्लिंग रिजर्व और ऑफिसर्स चॉइस ब्लू सहित अन्य ब्रांड शामिल हैं। पूरे भारत में डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क वाली मुंबई स्थित शराब कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 1.6 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.5% अधिक है। इसी अवधि के दौरान रेवेन्यू (एक्साइजड्यूटी को छोड़कर) 17.2% बढ़कर 3,146.6 करोड़ रुपए हो गया।

वित्तीय प्रणाली मजबूत स्थिति में- शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का निम्न स्तर और स्वस्थ लाभप्रदता देश के बैंकिंग और गैर-बैंकिंग उधारदाताओं की पहचान बन चुकी है। ये बातें केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कही है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की घरेलू वित्तीय प्रणाली अब कोविड संकट पहले की तुलना में बहुत मजबूत स्थिति में है। आरबीआई गवर्नर दास ने मुंबई में 'वित्तीय प्रणाली को लचीला, भविष्य के लिए तैयार और संकट से निपटने में सक्षम' बनाए रखने से जुड़े एक सत्र के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। दास ने कहा, मैं बैंकों और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। आत्मसंतोष के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है क्योंकि दुनिया बदल रही है, चुनौतियां आ रही हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-46
सूर्यास्त. -18-49
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल --पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 07-31 तक उप पूर्णिमा
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , शुक्रवार 21 June
नक्षत्र - ज्येष्ठा 18-18 तक उपरान्त मूल
योग - शुभ 18- 41 तक उप शुक्ल
करण- वणिज 07-31 तक उप विष्टि
विशेष:- पूर्णिमा व्रत, वर्षा श्रेष्ठ
व्रत -त्योहार - वटसावित्री व्रत पूर्ण

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	05-21 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	कर्क...	07-34 बजे
मंगल	मेष में	सिंह....	09-45 बजे
बुध-	मिथुन में	कन्या..	11-52 बजे
गुरु-	वृष में	तुला.....	13-58 बजे
शुक्र-	मिथुन में	वृश्चिक..	16-08 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	18-21 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	20-27 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	22-18 बजे
		मीन...	23-53 बजे
		मेष....	01-32 बजे
		वृष....	03-17 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:40 से 12:18 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:46 - 07:23	शुभ	रोग.	18:49 - 20:13	अशुभ
लाभ	07:23 - 09:01	शुभ	काल.	20:13 - 21:35	अशुभ
अमृत	09:01 - 10:40	शुभ	लाभ.	21:35 - 22:57	शुभ
काल	10:40 - 12:18	अशुभ	उत्पात	22:57 - 00:18	अशुभ
शुभ	12:18 - 13:56	शुभ	शुभ।	00:18 - 01:40	शुभ
रोग	13:56 - 15:35	अशुभ	अमृत	01:40 - 03:01	शुभ
उत्पात	15:35 - 17:13	अशुभ	चंचल	03:01 - 04:23	शुभ
चंचल	17:13 - 18:49	शुभ	रोग	04:23 - 05:46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें छुट्टी का दिन शांति से बिताएं अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी छोटी दिक्कतें हो सकती हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,): आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे आपके लिए रोमांचक समय है आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज आपकी किस्मत आपके साथ है आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें आज कोई दोस्त मिल सकता है दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमन साव पलामू से गिरिडीह जेल किया गया शिफ्ट

एनआईए रेड में कई अहम सुराग एसयूवी भी जब्त बिश्नोई गैंग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं अमन के गुर्गे

पलामू, 20 जून (एजेंसियां)। अपराधी अमन साव को पलामू से गिरिडीह की जेल में शिफ्ट किया गया है। अमन पिछले एक साल से पलामू जेल में बंद था। यह दूसरी बार है जब उसे पलामू से गिरिडीह भेजा गया। दो साल पहले अमन साव ने पलामू सेंट्रल जेल के जेलर को धमकी दी थी। इस धमकी के बाद उसे पलामू से गिरिडीह जेल में शिफ्ट कर दिया गया था।

पलामू सेंट्रल जेल के जेलर प्रमोद कुमार ने अमन साव को गिरिडीह जेल ट्रांसफर करने की पुष्टि की है। अमन साव जेल में है लेकिन इसका कद अपराध की दुनिया में लगातार बढ़ रहा है। अमन साव का रिश्ता लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़ा है। अमन साव के खिलाफ राज्य के कई जिलों में मामले दर्ज है। एनआईए की टीम ने अमन के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इसमें रांची में बुढ़मू स्थित अमन साव के घर, कांके के बुकरू में रिश्तेदार संजय प्रसाद और रामगढ़ के गिद्दी में एक अन्य रिश्तेदार के घर पर सुबह 5 बजे एक साथ पहुंची थी । बुढ़मू

के मतवे गांव स्थित घर से काले रंग की फॉरच्यूनर (जेएच01ईभी 4900) जब्त की गई है। एसयूवी बुढ़मू थाने को सौंप दी गई है।

जेल से चला रहा है गिरोह

पहले अमन का मकान कच्चा और छोटा था। पिछले वर्ष नए घर का निर्माण कराया गया था। इसमें रंगदारी-लेवी के पैसे का इस्तेमाल हुआ है। अन्य ठिकानों से एनआईए को कई दस्तावेज और डिजीटल डिवाइस भी मिले हैं। जांच एजेंसी को सूचना मिली है कि अमन साव जेल से ही गिरोह चला रहा है। कोयला कारोबारियों, ट्रांसपोर्टरों और व्यवसायियों से रंगदारी वसूल रहा है। अवैध वसूली से रांची, रामगढ़, हजारीबाग और दूसरे राज्यों में भी अचल संपत्ति खरीदी है। रंगदारी के पैसे को वह कंस्ट्रक्शन कारोबार में लगा रहा है। लातेहार के सीसीएल के तेतरियाखाड़ कोलियरी में 18 दिसंबर 2020 को आगजनी व गोलीबारी की घटना हुई थी। अपराधियों ने चार ट्रक व एक मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया था। घटना में चार लोग जख्मी हो गए थे। इस घटना में शामिल अपराधी सुजीत सिन्हा व अमन साहू गिरोह के थे। कोर्ट में पुलिस के 20 पन्नों के दिए बयान के अनुसार गैंगस्टर अमन साहू, अमन साव के नाम से भी जाना जाता है। जन्म रांची जिले के मतवे, बुढ़मू गांव में साल 1995 में हुआ। वर्ष 2010 में उसने मैट्रिक की परीक्षा 78 फीसदी अंकों के साथ पास की। उसके बाद इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एवं कंप्यूटर साइंस में पंजाब के मोहाली से डिप्लोमा 62% अंक के साथ पास किया। साल 2012 में जब वह घर आया था तब उसकी पहचान झारखंड जनमुक्ति मोर्चा के तत्कालीन सुप्रीमो कुलेश्वर सिंह से हुई और यहीं से उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा। एक कांड के दौरान वह 2015 में पहली बार जेल गया। जहां उसकी दोस्ती सुजीत सिन्हा एवं मयंक सिंह से हुई। यहीं से वह उग्रवादी संगठनों के अलावा दूसरे आपराधिक गिरोह के संपर्क में आया। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और कुख्यात अपराधी अमन साहू दोनों जेल में बंद हैं। इसके बाद भी ये एक-दूसरे के संपर्क में कैसे आए, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। एनआईए इसकी भी जांच कर रही है। एनआईए इस बात को पता करने में जुटी है कि दोनों अपराधियों के बीच संपर्क कराने वाला सूत्रधार कौन है।

लिकर स्कैम केस, 10 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश

ईडी ने रिटायर्ड आईएएस टुटेजा, अनवर ढेबर ढिल्लन और एपी त्रिपाठी को बताया मास्टरमाइंड

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को रायपुर की पीएमएलए अदालत में चार्जशीट पेश की। ईडी ने 10 हजार पन्नों के चालान के साथ 200 पेज का आरोप पत्र भी पेश किया। इस चार्टशीट में रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, कारोबारी अनवर ढेबर, त्रिलोक ढिल्लन और आबकारी विभाग में अधिकारी रहे एपी त्रिपाठी को मास्टरमाइंड बताया गया है।

जानकारी के मुताबिक दस्तावेजों में बताया गया है कि इन लोगों ने मिलकर सरकारी सिस्टम का दुरुपयोग करते हुए बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। चार्जशीट में इस बात का भी जिक्र है कि इन रुपयों को कुछ राजनीतिक साझेदारी के साथ बांटा भी गया। चार्जशीट में कारोबारियों और अधिकारियों के बीच हुई वॉट्सऐप चैट से लेकर शराब घोटाले के सिंडिकेट के बीच कामकाज का ब्योरा भी है।

शराब घोटाला केस में 8 अप्रैल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी

की ईसीआईआर को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। इसके साथ ही अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश समेत 6 आरोपियों को राहत मिली थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही इस केस में एसीबी-ईओडब्ल्यू की एफआईआर को आधार बनाते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने नई ईसीआईआर दर्ज की है।

आर्किटेक्ट ऑफ लिकर स्कैम

ईडी ने अनिल टुटेजा की गिरफ्तारी के कई आधार बताए थे। ईडी ने कहा था कि शराब घोटाले में अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाया और उस सिंडिकेट को सबसे ज्यादा पावर अनिल टुटेजा से मिलती थी, जो कंट्रोलर की भूमिका में थे। ईडी ने उन्हें आर्किटेक्ट ऑफ लिकर स्कैम बताया था। पार्ट ए के तहत आईएएस और अनवर ढेबर को शामिल किया गया है। ईडी की एफआईआर के मुताबिक अवैध वसूली के मुख्य आरोपी अनवर ढेबर को आईएएस की नजदीकियों का पूरा फायदा मिला। सीएसएमसीएल के एमडी के रूप में अरुणपति त्रिपाठी की नियुक्ति आईएएस अफसर के प्रभाव की वजह से ही हो सकी। राज्य की नौकरशाही में प्रभाव के कारण, आईएएस ने अनवर ढेबर और बाकी अधिकारियों के जरिए महत्वपूर्ण नियुक्तियों और सिंडिकेट को नियंत्रित किया। वहीं अनवर ढेबर वो व्यक्ति थे जिन्होंने पूरे कैश कलेक्शन को नियंत्रित किया। इसके अलावा सिंडिकेट को संरक्षण देने का काम पूर्व आईएएस विवेक ढांढ ने किया। जिन्हें अवैध राशि का शेयर दिया जाता था। ढेबर के करीबियों को एफएल10 ए लाइसेंसधारी, मैनपावर, कैश कलेक्शन जैसे सभी महत्वपूर्ण जगहों पर रखा गया। उनके सहयोगियों ने हजारों करोड़ रुपए का कमीशन कलेक्ट किया। ईडी की एफआईआर में आईएएस के बेटे यश का भी नाम है।

सीएएफ जवानों की पिकअप खाई में गिरी, 2 की मौत

ड्राइवर सहित 2 की हालत गंभीर, छत्तीसगढ़ में कैंप शिफ्टिंग के दौरान हुआ ब्रेक फेल

बलरामपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पिकअप पलटने से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के 2 जवानों की मौत हो गई। इस हादसे में एक जवान और ड्राइवर घायल हैं। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। घटना सामरी पाठ थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात 10वीं बटालियन रामचंद्रपुर से सीएएफ के 3 जवानों की टीम पिकअप में सवार होकर चुनचुना पुंदाग के लिए निकली थी। पिकअप से दो बार सामान पुंदाग कैंप भेजा जा चुका था। रात करीब 8 बजे तीसरी ट्रिप लेकर पिकअप भुताही मोड़ के पास ब्रेक फेल होने से करीब 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। बताया जा रहा है कि, सामरी क्षेत्र में बुधवार को कैंप शिफ्टिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान रात में सीएएफ जवान किराए के पिकअप वाहन में सामान के साथ जा रहे थे। इसी दौरान पिकअप बेकाबू होकर खाई में जा गिरी। केबिन में सवार प्रधान आरक्षक फतेह बहादुर और पीछे ट्राली में सवार आरक्षक नारायण प्रसाद पिकअप में दब गए। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। वहीं, पिकअप में पीछे सवार सीतापुर निवासी जवान रामप्रताप मंडावी और ड्राइवर को गंभीर चोटें आई है। सीएएफ बटालियन के जवानों और सामरी पुलिस टीम ने बाहर निकाला। उसका अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ड्राइवर कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। देर रात हादसा होने के कारण बचाव कार्य में दिक्कत का सामना करना पड़ा। हादसे में वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दोनों जवानों के शव का कुसमी सीएचसी में पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। सीएएफ के जवान रामचंद्रपुर से सामानों के साथ सबाग तक पहुंचे थे। आगे का इलाका नक्सल प्रभावित होने के कारण जवानों से भरी बस को ले जाने से पहले रोड ओपनिंग की गई। जवानों के सामानों को पिकअप से ले जाया जा रहा था। इस दौरान पिकअप हादसे का शिकार हो गई। प्रधान आरक्षक फतेह बहादुर और आरक्षक नारायण प्रसाद को कुसमी थाना परिसर में एसएसपी डॉ. लाल उमेन्द सिंह समेत कई पुलिसकर्मियों ने अंतिम विदाई दी गई। जिसके बाद फतेह बहादुर निवासी यूपी के ग्राम चिरैयाडांड और नारायण प्रसाद निवासी सीतापुर के पोकसरी के पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम रवाना कर दिया गया।

4 जिलों में यलो, 7 में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

झारखंड में जल्द होगी मानसून की एंट्री, गढ़वा का पारा पहुंचा 44 के करीब

रांची, 20 जून (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग ने आज यलो और ओरेंज अलर्ट दोनों जारी किया गया है। गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार में यलो अलर्ट तो वहीं साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, सरायकेला, खरसांवा और पूर्वी सिंहभूम में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के कई इलाकों में हो रहे प्री मानसून की बारिश से लोगों को राहत मिली है।

अगले दो से तीन दिनों में प्रवेश करेगा मानसून

अगले दो से तीन दिनों में संताल के रास्ते मानसून राज्य में प्रवेश कर सकता है। राज्य में कई जगहों पर गर्जन के साथ तेज हवा चलने की संभावना है। जिसे लेकर ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटा हो सकती है। यलो अलर्ट राज्य के उत्तर पूर्वी और दक्षिण पूर्वी भाग के लिए जारी किया गया है। जहां भारी बारिश की संभावना है। राज्य में मौसम विभाग ने अभी 23 जून तक रेंज और यलो अलर्ट जारी किया है।

राज्य में पिछले 24 घंटे के मौसम के मिजाज पर नजर डालें तो राज्य के कई हिस्सों में गर्जन के साथ बारिश हुई है। राज्य में सबसे अधिक बारिश 65.4 एमएम की हुई जो धनबाद इलाके में दर्ज की गई है।

प्रदेश में सबसे अधिक तापमान गढ़वा में 43.7 डिग्री सेल्सियस रहा है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश के बाद भी अभी झारखंड में बड़ी राहत नहीं मिली है। राज्य के कई जिलों में पारा अब भी 40 के पार दर्ज किया गया है।

एनएसयूआई-युवा कांग्रेस का बवाल

इस्तीफे की मांग को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा के बंगले का घेराव, घसीटते हुए ले गई पुलिस

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लचर कानून व्यवस्था का आरोप लगाते हुए रायपुर में गृहमंत्री निवास का घेराव किया। गुरुवार को युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और महिला कांग्रेस ने संयुक्त प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस से कार्यकर्ताओं को झड़प और धक्का-मुक्की भी हुई। सैकड़ों की संख्या में नेता और कार्यकर्ता घेराव के लिए निकले थे। इस दौरान रायपुर पुलिस ने महिला थाना के पास बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की। कार्यकर्ता जब बैरिकेडिंग की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस कई कार्यकर्ताओं को घसीटते हुए ले जाने लगी।

दोपहर 12 बजे से ही पुराने कांग्रेस भवन गांधी मैदान में कार्यकर्ता एकजुट हुए थे। लगभग डेढ़ बजे के करीब कांग्रेस के अलग अलग विंग के नेता गृहमंत्री निवास का घेराव करने के लिए नगर निगम से सिविल लाइन की ओर आगे बढ़ने लगे। पुलिस बल ने महिला

थाना के पास ही बैरिकेडिंग कर इन नेताओं को रोका। पुलिस की बैरिकेडिंग को तोड़कर आगे जाने का प्रयास करने वाले नेताओं को पुलिस ने घसीटते हुए रोका। इस दौरान जमकर झूमाझटकी हुई। कांग्रेस नेताओं की मांग है कि, बलौदा बाजार में हुई हिंसा समेत पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है इसलिए गृहमंत्री विजय शर्मा को इस्तीफा देना चाहिए। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा का कहना है कि गृहमंत्री कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने में नाकाम साबित हुए हैं, इसलिए उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक लगातार अलग-अलग क्राइम की खबरें आ रही हैं। नई सरकार के गठन को अब तक छह महीने भी नहीं हुए और सरकार, गृहमंत्री पूरी तरह से नाकाम हो गए हैं। नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर देशभर में 21 जून को विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

दलपत सागर में गिरी कार, एनएमडीसी के 3 कर्मचारियों की मौत

जगदलपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर दलपत सागर में गिर गई। जिससे कार में सवार 3 दोस्तों की मौत हो गई, जो एनएमडीसी नगरनार स्टील प्लांट में पदस्थ थे। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि, पानी में गिरने के बाद कार का गेट लॉक हो गया था। इसलिए पानी में डूबने से अनुराग मसीह (34) निवासी भिलाई, सोहेल राय (35) निवासी कोलकाता और देवी दत्त होता (35) निवासी रायपुर ने मौके पर दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक, तीनों दोस्त खाना खाने के लिए धरमपुरा गए हुए थे। आधी रात को कार से धरमपुरा से दलपत सागर वाले रास्ते से होते हुए जगदलपुर मुख्यालय आ रहे थे।

हाईकोर्ट के पूर्व एजी सतीशचंद वर्मा को मिली धमकी

पुलिसकर्मी बनकर ठगों ने किया कॉल, कहा- आपका बेटा गिरफ्तार, पैसे लेकर थाने आ जाओ

बिलासपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व एडवोकेट जनरल सतीश चंद वर्मा को कॉल कर धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिसकर्मी बनकर ठग ने उनके बेटे की गिरफ्तारी की जानकारी दी और पैसे लेकर थाने आने को कहा। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, सतीशचंद वर्मा तिफरा के बापजी कॉलोनी में रहते हैं। 11 जून को वो हाईकोर्ट में अपने ऑफिस में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने अपने आपको पुलिसकर्मी बताया। उसने उनके बेटे की गिरफ्तारी होने की बात कहते हुए छुड़ाने के लिए पैसे लेकर थाने

बुलाया गया। सीनियर एडवोकेट वर्मा ने धमकी भरे कॉल की जानकारी अपने सहयोगी वकीलों को दी। जिसके बाद उन्होंने चकरभाठा थाने में शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

सीनियर एडवोकेट वर्मा ने आशंका जताई है कि, कोई उनके खिलाफ आपराधिक साजिश की जा रही है। फोन करने वाले के पास उनके परिवार और बेटे के संबंध में जानकारी कैसे आई। यह जांच का विषय है। इससे आशंका है कि कोई आपराधिक संगठन उनके परिवार की जानकारी रखता है। साथ ही उन्हें ब्लैकमेल कर पैसों की मांग कर रहा है।

जिले में पुलिस के नाम से धमकी देकर पैसे वसूली के कई मामले सामने आए हैं। साइबर ठग ऑनलाइन एफआईआर से शिकायतकर्ताओं के नंबर हासिल कर पुलिसकर्मी बनकर पैसे भी वसूल लिए। इसके बाद पुलिस की ओर से लोगों को कई बार चेतावनी भी दी गई। इस तरह की ठगी को देखते हुए पुलिस ने अब एफआईआर से शिकायतकर्ताओं के नाम को विलोपित कर दिया है।

विधायकी के बाद बृजमोहन ने मंत्री पद भी छोड़ा

इमोशनल होकर रायपुर सांसद बोले- किसी को कष्ट हुआ हो तो माफ करें, सीएम को सौंपा इस्तीफा

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर से सांसद चुने गए बृजमोहन अग्रवाल ने साय कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। वह प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री थे। बुधवार को साय कैबिनेट की बैठक में बृजमोहन शामिल होने के लिए पहुंचे थे। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफा देने के बाद बृजमोहन अग्रवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि, इतने साल मंत्री रहा। किसी को कोई कष्ट हुआ तो माफ कर दे। बृजमोहन अग्रवाल अब तक संसदीय कार्य मंत्री थे। उनके इस्तीफे के बाद चर्चा है कि मंत्री राम विचार नेताम को जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं बृजमोहन अग्रवाल के मंत्री पद से इस्तीफे पर कांग्रेस ने तंज किया है। दो दिन पहले ही (17 जून को) विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। उन्होंने इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को सौंपा था। तब

मीडिया से बृजमोहन ने कहा था कि केंद्रीय नेतृत्व में सांसद का चुनाव लड़वाया है, तो सोच समझकर लड़ाया होगा। मुख्यमंत्री के अधिकारों में है कि वे 6 महीने तक मंत्री रख सकते हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, मैंने छत्तीसगढ़ विधानसभा की सदस्यता एक दिन पहले त्यागी थी और आज मैंने अपना मंत्री पद त्यागा है। मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों ने आज मेरा लोकसभा चुनाव जीतने पर स्वागत किया है। मैं सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। मेरे कार्यकाल में अगर किसी को कोई तकलीफ हुई है तो उनसे मैं क्षमा चाहता हूं। जनता और कार्यकर्ताओं का लगाव और प्रेम अब तक जैसा मुझे मिला है, उम्मीद करता हूं आगे भी वैसा ही मिलता रहेगा। मैं जनता की आवाज पहले छत्तीसगढ़ में था अब संसद में बनूंगा। रायपुर दक्षिण सीट की जनता की बात करते हुए भावुक हुए बृजमोहन ने कहा कि, जनता का मेरे ऊपर एहसान और ऋण है। किसी एक व्यक्ति को आठ बार और बिना गैप के लगातार विधायक बनाया। जब विधायक पद से विदाई की तो इतिहास बना कर की। लोकसभा में भेजा तो इतिहास बनाया। मैं सबके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इस्तीफा देने से 24 घंटे पहले ही बृजमोहन अग्रवाल ने अपने विभाग की समीक्षा की थी।

उन्होंने प्रदेश के स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम बनाने और वित्त मंत्री से स्वीकृति के बाद 33 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की बात कही थी।

छत्तीसगढ़ में सरकार खुद खरीदेगी शराब

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकार खुद शराब खरीदेगी। साय सरकार ने एफएल10 एबी की व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। अब सरकार सीधे निर्माता कंपनियों से शराब खरीदेगी। खरीदी की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन को दी गई है। वहीं उच्च शिक्षा विभाग में गेस्ट लेक्चरर नीति-2024 को मंजूरी मिल गई है, 5 प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया गया है।

सीएम साय इनकी कमान संभालेंगे। इनमें बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण अन्य पिछड़ा वर्ग शामिल है। स्थानीय विधायकों में से एक विधायक को इसका उपाध्यक्ष बनाया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव या सचिव इन पांचों प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे। साय कैबिनेट की बैठक में ये फैसले लिए गए हैं।

साय कैबिनेट के फैसले

कैबिनेट ने उच्च शिक्षा विभाग में गेस्ट लेक्चरर नीति-2024 को मंजूरी दी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत चना वितरण के लिएम पर चना खरीदने के संबंध में कैबिनेट में निर्णय लिया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र एवं मॉडा क्षेत्र में अन्त्योदय और प्राथमिकता वाले परिवारों को चना वितरण के लिए भारत सरकार की ओर से निर्धारित निर्गम मूल्य और नागरिक आपूर्ति निगम को प्राप्त रॉ चना की मिलिंग और परिवहन दर को जोड़कर प्राप्त कुल दर पर चना खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री के स्वेच्छानुदान मद से 14 हजार 369 व्यक्तियों और संस्थाओं को 19 करोड़ 37 लाख 93 हजार रुपए की स्वीकृत राशि का कार्योत्तर अनुमोदन मंत्रिपरिषद की ओर से प्रदान किया गया। कैबिनेट द्वारा विदेशी मदिरा के थोक विक्रय और भंडारण के लिए वर्तमान में प्रचलित एफएल 10 एबी अनुज्ञप्ति की व्यवस्था को समाप्त करते हुए सीधे विनिर्माता इकाइयों से विदेशी मदिरा का थोक क्रय को अप्रूवल दिया गया। विदेशी मदिरा का क्रय इससे पहले लाइसेंसियों की ओर से किया जाता था।

सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त करने के साथ ही विदेशी मदिरा क्रय करने की जिम्मेदारी अब छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन को दे दी है।

कांकेर लोकसभा सीट की ईवीएम होगी चेक

कांग्रेस उम्मीदवार की शिकायत पर ईसीआई का फैसला, भाजपा के भोजराज नाग 1884 वोटों से जीते हैं

कांकेर/रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ की कांकेर लोकसभा सीट पर चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। अब यहां पर ईवीएम की जांच कराई जाएगी। कांकेर से भाजपा के भोजराज नाग ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के बीरेश ठाकुर को 1884 वोटों से हराया है।

इसके बाद कांग्रेस उम्मीदवार ने चुनाव के दौरान गड़बड़ी की आशंका जताई थी। इसे लेकर चुनाव आयोग में शिकायत भी की गई थी। इससे पहले भी मतगणना के दिन रिकाउंटिंग के चलते इस सीट का परिणाम सबसे देर से आया था। हालांकि परिणाम से संतुष्ट नहीं होने पर कांग्रेस उम्मीदवार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर ईवीएम की जांच कराने की मांग की थी। चुनाव आयोग की ओर से कहा गया है कि लोकसभा चुनाव 2024 में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत के 8 आवेदन आए थे। इनमें छत्तीसगढ़ के कांकेर लोकसभा सीट के भी नाम शामिल थे। इनमें ईवीएम की मेमोरी और माइक्रो कंट्रोलर की जांच की मांग की गई थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने कांकेर की 3 विधानसभा क्षेत्रों संजारी बालोद, गुंडरदेही और सिहावा के 4 बूथों पर जांच के आदेश दिए हैं। इनमें संजारी बालोद के 2 और बाकी के 1-1 बूथ शामिल हैं। यह पहली बार है कि ईसीआई ने ईवीएम चेक कराने को लेकर गाइडलाइन जारी की है।

पंचायत सेवक घूस लेते गिरफ्तार

एसीबी की टीम ने पांच हजार लेते पकड़ा, योजना के भुगतान के लिए मांगे थे पैसे

लातेहार, 20 जून (एजेंसियां)। लातेहार पलामू एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बालूमाथ प्रखंड के सेरेगड़ा पंचायत के पंचायत सेवक अर्जुन राम को पांच हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम अपने साथ पंचायत सेवक को पलामू ले गई। बताया जाता है कि 15 वें वित योजना के तहत ईट्टा सोलिंग निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया था। योजना का भुगतान के लिए पंचायत सेवक अर्जुन राम द्वारा पांच हजार रुपये घूस मांगी जा रही थी।

जिसकी शिकायत लाभुक ने पलामू एसीबी टीम को दी। मामला दर्ज करने के बाद पलामू एसीबी टीम के पुलिस उपाध्यक्ष द्वारा मामले के सत्यापन किया गया। जिसमे मामला सत्य पाया गया।

इसके बाद गुरुवार को एसीबी की टीम ने लाभुक को पांच हजार रुपये देकर भेजा। जैसे ही पंचायत सेवक घूस का पैसा लिया। वैसे ही एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इधर, एसीबी टीम के कार्रवाई से प्रखंड के कर्मियों में हड़कंप मच गई।

दूसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे एस जयशंकर

'पड़ोसी पहले' नीति पर फोकस

कोलंबो, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार को श्रीलंका पहुंचे। यह उनके लगातार दूसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा है। श्रीलंका दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। जयशंकर का कोलंबो पहुंचने पर श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल सेंथिल थोंडामन ने उनका स्वागत किया।

श्रीलंका पहुंचने पर विदेश मंत्री साझा की पोस्ट

एस जयशंकर ने श्रीलंका पहुंचने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा 'नए कार्यकाल में पहली बार कोलंबो पहुंचा हूं। गर्मजोशी से स्वागत के लिए राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल एस थोंडामन का शुक्रिया। शीर्ष नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों का बेसब्री से इंतजार है।' विदेश मंत्री ने लिखा कि 'श्रीलंका, भारत की पड़ोसी पहले और सागर नीतियों का केंद्र है। अपनी पड़ोसी पहले नीति के तहत भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण और परस्पर लाभकारी संबंध विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

विदेश मंत्री की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और हिंद महासागर में समुद्री सहयोगा भू-राजनीतिक ढांचा बनाने का है। एस जयशंकर ने बीती 11 जून को देश के विदेश मंत्री के रूप में लगातार दूसरी बार कार्यभार संभाला था। जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया में आयोजित हुए जी7 शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए थे, लेकिन उस समय वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वहीं श्रीलंका का दौरा उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। एस जयशंकर के श्रीलंका दौरे पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि 'भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत यह यात्रा श्रीलंका को सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी के रूप में भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।' श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थे, जो 9 जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे।

हिजबुल्लाह बोला-जंग हुई तो इजराइल का कोई कोना नहीं छोड़ेंगे

जमीन, हवा, पानी, हर तरफ से करेंगे हमला, साइप्रस को भी युद्ध की धमकी दी

यरूशलम, 20 जून (एजेंसियां)। लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह ने बुधवार को इजराइल को चेतावनी दी है। नसरहल्लाह ने कहा कि अगर इजराइल के साथ जंग हुई तो वहां एक भी जगह सुरक्षित नहीं बचेगी। इसके अलावा नसरल्लाह ने साइप्रस को भी हमले की धमकी दी है।

नसरल्लाह ने कहा कि अगर इजराइल ने हमला किया तो हम जमीन, हवा और पानी हर तरफ से उन पर अटैक करेंगे। इससे भूमध्य सागर भी खतरे में पड़ सकता है। हिजबुल्लाह बिना किसी नियम और सीमा के लड़ने को तैयार है। हमारे दुश्मन जानते हैं कि उनकी कोई भी जगह हमारे रॉकेट से बच नहीं पाएगी।

वहीं साइप्रस को जंग की धमकी देते हुए नसरहल्लाह ने कहा कि उन्होंने जंग के दौरान इजराइल को अपने एयरपोर्ट और मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। अगर उसने लेबनान पर हमले में भी इजराइल की मदद की हिजबुल्लाह उसे जंग का हिस्सा मानेगा। इसके बाद उसे भी हिजबुल्लाह के हमलों को झेलना पड़ेगा।

नसरल्लाह के भाषण के बाद साइप्रस के राष्ट्रपति ने कहा है कि उनका देश किसी भी तरह से जंग का हिस्सा नहीं है। साइप्रस जंग नहीं बल्कि उसका हल निकालने की मुहिम में शामिल रहा है।

दूसरी तरफ इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के प्रवक्ता एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा है कि हमारी जंग हमास को खत्म करने के मकसद के लिए काफी नहीं है। हमास के खात्मे की सोच इजराइलियों की आंख में धूल झोंकने जैसा है। हमास एक विचारधारा है। यह फिलिस्तीनियों के दिल में बसी हुई है। जिसे भी लगता है कि वह हमास को मिटा सकता है, वो गलत है।

हगारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने जलद कोई और विकल्प नहीं निकाला तो हमास हमेशा हमारे बीच बना रहेगा। इसके जवाब में नेतन्याहू के ऑफिस ने एक स्टेटमेंट जारी कर कहा कि जंग में हमारा एक लक्ष्य हमास की सैन्य क्षमता को खत्म करना है। आईडीएफ इसके लिए प्रतिबद्ध है। इसके इतर दिया कोई भी बयान लक्ष्य से भटकाने जैसा माना जाएगा।

इजराइल में 9 महीने 6 दिन बाद वॉर कैबिनेट भंग

इससे पहले 17 जून को नेतन्याहू ने हमास के खातमे के लिए बनी वॉर कैबिनेट को भंग कर दिया था। कैबिनेट 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद 11 अक्टूबर को बनाई गई थी। नेतन्याहू ने कैबिनेट भंग करते हुए कहा था कि हमने कई ऐसे फैसले लिए थे जिनसे सेना सहमत नहीं थी। दरअसल, नेतन्याहू के नेतृत्व में बनी वॉर कैबिनेट में काफी दिनों से मतभेद चल रहे थे। इसके चलते कैबिनेट के मेंबर बेनी गांट्ज ने इस्तीफा भी दे दिया था। उन्होंने इसकी वजह गाजा युद्ध में होस्टेज डील को लेकर पीएम नेतन्याहू के गलत रवैये को बताया था। गांट्ज ने आरोप लगाया था कि नेतन्याहू की वजह से हमास का खात्मा नहीं हो पा रहा है। इसलिए वो वॉर कैबिनेट छोड़ रहे हैं।

नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में शामिल कट्टरपंथी पार्टियों के नेता नई वॉर कैबिनेट की मांग कर रहे हैं। इसमें बेन ग्विर को शामिल करने को कहा जा रहा है। ग्विर फिलहाल इजराइल के इंटीरियर सिक्योरिटी मिनिस्टर हैं।

ईरान की सेना को बड़ा झटका

कनाडा की सरकार ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी संगठन घोषित किया

ओटावा, 20 जून (एजेंसियां)। कनाडा की सरकार ने बुधवार को ईरान को बड़ा झटका देते हुए उसके सशस्त्र बल के एक अहम निकाय 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' को आतंकी संगठन घोषित कर दिया। कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मामलों के मंत्री डोमिनिक लीब्लांक ने सरकार के फैसले का एलान किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में कनाडा की सरकार ने कहा कि 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कृत्यों और तथ्यों के आधार पर यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि ईरान की सेना आतंकी गतिविधियों में लिप्त है। वह जानबूझकर किसी के साथ मिलकर या किसी के निर्देश पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में आईआरजीसी को आतंकी संगठन घोषित किया जाता है।'

कनाडा की सरकार का कहना है कि 'क्रिमिनल कोड के तहत आईआरजीसी को आतंकी संगठन घोषित करने से कनाडा सख्त संदेश देगा कि कनाडा की सरकार आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए हर औजार का इस्तेमाल करेगी। कनाडा ने ये भी कहा कि ईरान की सेना का आतंकी संगठनों हिजबुल्ला और हमास के साथ भी नाता है।' कनाडा ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकी संगठन घोषित करने का मतलब ये होगा कि कनाडा के वित्तीय संस्थान जैसे बैंक और ब्रोकरेज फर्म आदि आईआरसीजी से जुड़ी संपत्ति को जब्त करेंगे। साथ ही किसी भी व्यक्ति या संस्था का आईआरजीसी से कोई भी समझौता या संबंध अपराध माना जाएगा। कनाडा ने ईरान की सेना के निकाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया और कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था को अस्थिर करना चाहते हैं। कनाडा ने कहा कि 'आईआरजीसी पर प्रतिबंधों से साफ है कि कनाडा की सरकार ईरान की गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ कोई दया नहीं करेगी। हमारी सरकार हमेशा मानवाधिकारों की समर्थक रही है और जो भी कनाडा या पूरी दुनिया में कहीं भी मानवाधिकारों के खिलाफ काम करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

बता दें कि ईरान की सेना का हिस्सा आईआरजीसी सीधे ईरान के सुप्रीम लीडर को रिपोर्ट करती है।

कुवैत में आग मामले में 3 भारतीय समेत 8 गिरफ्तार

45 भारतीयों की मौत हुई थी, कुवैत सरकार मृतकों के परिवार को 12 .5 लाख मुआवजा देगी

मंगाफ, 20 जून (एजेंसियां)। कुवैत की इमारत में लगी भीषण आग के मामले में अधिकारियों ने 3 भारतीय, 4 मिस्र के नागरिक और 1 कुवैती को गिरफ्तार किया है। 12 जून को तड़के 6 मंजिला बिल्डिंग में लगी आग में कुल 50 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 45 लोग भारतीय थे।

इस बिल्डिंग में 196 कामगार रहते थे, जिनमें से ज्यादातर भारतीय थे। अरब टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए 8 लोगों को 2 हफ्ते की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। उन पर लापरवाही और हत्या के आरोपों में केस दर्ज किया गया है।

कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह ने बुधवार को घोषणा की थी कि पीड़ितों के परिजनों को साढ़े 12 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। कुवैत के सरकारी सूत्रों के मुताबिक, यह पैसे विदेशी कामगारों के दूतावास को दिए जाएंगे, जहां से ये उनके परिजनों तक पहुंचेंगे। मरने वालों में भारत के अलावा फिलिपींस के भी नागरिक थे।

कुवैत ने मामले की जांच के लिए एक टीम भी बनाई है। इसे आग लगने का कारण ढूंढने का काम सौंपा गया है। कुवैत के समयानुसार यह हादसा बुधवार (12 जून) सुबह करीब 4:30 बजे हुआ। कुवैती फायर फोर्स के मुताबिक यह आग इलेक्ट्रिकल सर्किट के चलते लगी थी। उस वक्त सभी कामगार सो रहे थे।

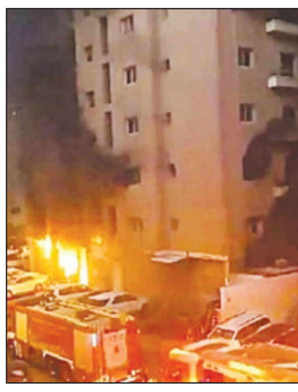

आग लगने की वजह से मची भगदड़ के बीच कई लोगों ने घबराकर बिल्डिंग की खिड़कियों से छलांग लगा दी। कई लोग इमारत के अंदर ही फंसे रह गए और धुएं में दम घुटने से उनकी मौत हो गई। कुवैती मीडिया के मुताबिक, इस बिल्डिंग को कंस्ट्रक्शन कंपनी एनबीटीसी ग्रुप ने किराए पर ले रखा था।

मलयाली व्यापारी ने किराए पर ली थी बिल्डिंग

एनबीटीसी ग्रुप के मालिक मलयाली व्यापारी केजी अब्राहम हैं। केजी अब्राहम केरल के तिरुवल्ला के व्यवसायी हैं। केजी अब्राहम, जिन्हें केजीए के नाम से भी जाना जाता है, केजीए समूह के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। यह कंपनी 1977 से कुवैत के ऑयल एंड इंडस्ट्रीज का हिस्सा है।

कुवैत के गृह मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबह ने बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। अरब टाइम्स के मुताबिक, मरने वालों की उम्र 20 से 50 साल के बीच है। इनमें 23 केरल, 7 तमिलनाडु और बाकी भारत के अलग-अलग राज्यों से थे। सभी एनबीटीसी कंपनी में काम करते थे।

14 जून को भारत लाए गए थे शव

हादसे के बाद भारत के विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह कुवैत गए थे। उन्होंने 5 अस्पतालों का दौरा किया, जहां घायल भारतीयों का इलाज किया जा रहा है। हादसे के 2 दिन बाद 14 जून को 45 भारतीयों के शव लेकर भारतीय वायुसेना का स्पेशल एयरक्राफ्ट भारत पहुंचा था। यह कोच्चि के एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था।

यहां केरल के 23 मृतकों को श्रद्धांजलि दिए जाने के बाद विमान बाकी शवों के साथ उसी दिन शाम को नई दिल्ली पहुंचा था। कुवैत की कुल आबादी में 21%(10 लाख) भारतीय हैं।

बिल नेल्सन बोले- आईसीईटी पर अमेरिका-भारत की पहल को आगे बढ़ा रहा नासा

दोनों देशों में गहरा हो रहा सहयोग

वॉशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका अपने अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेसी दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पर पहल को आगे बढ़ाने के लिए भी काम कर रही है। यह बात नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने गुरुवार को कही।

उन्होंने कहा कि दोनों देश अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में इसरो के अंतरिक्ष यात्री के साथ साझा प्रयास पर काम कर रहे हैं। नेल्सन ने एक्स पर लिखा, नासा ने मानवता के हित में अमेरिका और भारत की आईसीईटी की पहल को आगे बढ़ाना जारी रखा है। हम दोनों देश मिलकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग को गहरा कर रहे हैं, ताकि अंतरिक्ष स्टेशन में इसरो के अंतरिक्ष यात्री के साथ साझा प्रयास जारी रखा जा सके। उन्होंने कहा कि हम अभी मिशन पर काम कर रहे हैं। ये प्रयास भविष्य में मानव अंतरिक्ष यान का समर्थन करेंगे और धरती पर जीवन को बेहतर बनाएंगे।

फ्रांस में 12 साल की यहूदी लड़की से गैंगरेप

सभी आरोपी नाबालिग, पीड़ित बोली-धर्म की वजह से टारगेट किया

पेरिस, 20 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में एक 12 साल की नाबालिग लड़की के साथ हुए गैंगरेप से पूरे देश में गुस्से का माहौल है। आरोप है कि लड़की के यहूदी होने की वजह से उसके साथ ये घटना हुई। पुलिस ने घटना में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

फ्रांस में इसी महीने 30 जून को चुनाव होंगे। चुनाव से पहले हुई इस घटना से दो समुदाय के बीच तनाव बढ़ने का खतरा मंडराने लगा है।

फ्रांस में इजराइल और अमेरिका के बाद सबसे अधिक यहूदी रहते हैं। वही यूरोप में सबसे अधिक मुस्लिम फ्रांस में ही रहते हैं। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस के नजदीक कॉरबिवो सिटी में ये घटना हुई। घटना के बाद लड़की को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी जांच की गई। इसमें रेप की पुष्टि हुई।

लड़की ने 2 आरोपियों की पहचान की

नाबालिग ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम को जब वह अपने घर के पास एक पार्क में अपने दोस्त के साथ बैठी थी तभी उसके पास 3 लड़के आए। ये सभी उसी की उम्र के थे। वे उसे एक शेड के पास खींच कर ले गए और उसके साथ गंदी हरकत की। इस दौरान वे सभी यहूदी विरोधी टिप्पणी भी कर रहे थे।

पुलिस सूत्र ने एएफपी को बताया कि तीनों आरोपी लड़के ने लड़की की पिटाई की और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक नाबालिग लड़की ने 2 लड़कों की पहचान की है। इसके बाद तीसरे लड़के को भी पकड़ लिया गया।

इन तीन आरोपियों में से दो की उम्र 13 साल और एक की उम्र 12 साल है। 12 साल के लड़के पर रेप का आरोप नहीं लगा है। उस पर हिंसा करने, यहूदी विरोधी टिप्पणी और मौत की धमकी देने का आरोप लगा है।

12 साल के आरोपी को घर भेज दिया गया है जबकि बाकी दोनों लड़कों को हिरासत में रखा गया है। फ्रांसासी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीनों में से एक लड़का, पीड़ित लड़की का पूर्व प्रेमी है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया है।

आरोपी ने कबूली गलती, कहा- लड़की ने धर्म छुपाया था

रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी लड़क ने हमले की बात कबूल की है। उसने कहा कि उसने बदला लेने के लिए ऐसा किया क्योंकि लड़की ने उससे अपनी धार्मिक पहचान छिपाई थी। रिपोर्टस में ये भी कहा गया है कि आरोपी लड़के के फोन में पुलिस ने यहूदी विरोधी कंटेंट देखा गया है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

फ्रांस के यहूदी समुदाय के नेताओं ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है। यहूदी नेता हैम कोर्सिया ने पोस्ट कर लिखा है कि फ्रांस में यहूदी विरोधी भावना जोरों पर है। वे इस घटना से भयभीत हैं। कॉरबिवो के मेयर जैक्स कोसोवस्की ने कहा कि इस घटना में शामिल किसी भी दोषी को माफ नहीं किया जाना चाहिए भले ही उसकी उम्र कितनी ही कम क्यों न हो।

7 अक्टूबर के बाद बढ़ी यहूदी विरोधी घटनाएं

आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि फ्रांस में यहूदी विरोधी गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं। 2024 के शुरुआती महीनों की तुलना 2023 से की जाए तो इसमें 3 गुना इजाफा हुआ है। फ्रांस में दर्ज 1,676 यहूदी विरोधी घटनाओं में से 12.7 प्रतिशत घटना स्कूलों में घटी है।

साउथ चाइना सी में चीन-फिलीपींस के सैनिक भिड़े

बीजिंग, 20 जून (एजेंसियां)। फिलीपींस ने दावा किया है कि चीन ने 17 जून को साउथ चाइना सी में झड़प के दौरान कुल्हाड़ी और धारदार हथियारों से हमला किया था। फिलिपींस की सेना ने गुरुवार को इसका वीडियो भी जारी किया। इसमें चीनी कोस्ट गार्ड फिलीपींस के सैनिकों को हाथ में हथियार लेकर धमकाते दिख रहे हैं। इस बीच वे उनकी बोट पर वार भी करते हैं। एक न्यूज कॉन्फ्रेंस के दौरान बुधवार को फिलीपींस के सैन्य अधिकारियों ने बताया कि चीन के कोस्ट गार्ड अफसर गैरकानूनी तरह से उनकी रबर बोट पर चढ़ गए थे।

इस दौरान उन्होंने कई राइफल भी लूट लीं। चीन के अधिकारियों ने जहाज के बाहर की मोटर, नेविगेशन से जुड़े उपकरण को नष्ट कर दिया। इसके अलावा उन्होंने फिलीपींस के सैनिकों के फोन भी छीन लिए।

इटली के खेत में काम करने वाले भारतीय की मौत

घास काटते वक्त मशीन से हाथ कटा, मालिक ने इलाज के बजाय सड़क किनारे छोड़ा

रोम, 20 जून (एजेंसियां)। इटली के लैटिना इलाके में खेतों में काम करने वाले भारत के 30 साल के कर्मचारी सतनाम सिंह की बुधवार को मौत हो गई है। खेत में घास काटते वक्त मशीन से सतनाम का हाथ कट गया। इसके बाद उसकी मदद करने की बजाय उसके मालिक ने उसे घर के पास एक सड़क किनारे अकेला छोड़ दिया।

इसके बाद सतनाम की पत्नी और उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। फिर भारतीय कर्मचारी को एयर एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए राजधानी रोम के अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, यहां उसकी मौत हो गई। इटली के ट्रेड यूनियन ने कहा है कि हादसे के बाद सतनाम को कूड़े की तरह फेंक दिया गया। यह एक डरावनी फिल्म जैसा था।

सरकार बोली- घटना क्रूरता का उदाहरण, दोषियों को सजा देंगे

इटली की लेबर मंत्री मारीना कैल्डरोन ने घटना की निंदा की है। संसद में इससे जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह घटना क्रूरता का उदाहरण है। भारतीय कामगार को गंभीर हालत में अकेला छोड़ दिया गया था। अधिकारी इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जाएगी।

इटली में मौजूद भारतीय दूतावास ने घटना पर दुख जताया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दूतावास ने कहा कि उन्हें मामले की सूचना मिली है। ऐंबैसी क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ संपर्क में है। हम सतनाम के परिजनों से कॉन्टैक्ट कर हरसंभव मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

सतनाम के पास इटली में काम करने की इजाजत नहीं थी

सतनाम सिंह इटली के लैटिना इलाके में काम करता था। यह एक ग्रामीण क्षेत्र है, जहां हजारों भारतीय काम की तलाश में पहुंचते हैं। सतनाम के पास खेत में काम करने के लिए कानूनी दस्तावेज नहीं थे। इटली की सेंटर-लेफ्ट डेमोक्रेटिक पार्टी ने सतनाम के साथ किए गए दुर्व्यवहार की निंदा की है। उन्होंने इसे मानवता की हार बताया है।

जनवरी 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, इटली में 1 लाख 67 हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। 2023 में यहां 8 हजार भारतीय कामगार थे। वहीं 2025 तक यह संख्या 12 हजार के पार पहुंच जाएगी। पिछले साल दिसंबर में भारत ने इटली के माइग्रेशन समझौते को पास किया था। इसके तहत भारत हर साल 20 हजार श्रमिकों को इटली भेजेगा।

एयर न्यूजीलैंड के विमान में खतरनाक टर्बुलेंस

छत से टकराई केबिन क्रू, यात्री पर गिरी गर्म कॉफी

वेलिंगटन, 20 जून (एजेंसियां)। एयर न्यूजीलैंड की एक उड़ान को खतरनाक टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इस टर्बुलेंस के कारण चालक दल के सदस्यों समेत कई यात्रियों का सिर विमान की छत से टकरा गया। यह घटना 16 जून की है, जब एयरबस ए320 वेलिंगटन से क्वींसटाउन के लिए उड़ान भर रहा था। इस हादसे के बाद यात्रियों ने अपना अनुभव साझा किया। सूजे नाम की एक यात्री ने कहा, उड़ान 15 मिनट तक हवा में थी, जब ड्रिंग कार्ट नीचे की तरफ गिरने लगा। जब कार्ट रुका तो विमान में एक तेज झटका लगा। इस दौरान चालक दल का एक सदस्य हवा में उड़ा और उसका सिर छत से टकरा गया। टर्बुलेंस के कारण एक यात्री पर गर्म कॉफी गिर गई। महिला यात्री ने कहा, इसमें आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं। आप बंधे हुए हैं। टर्बुलेंस आगे भी होगा। आपको गर्म कॉफी से जलने के बाद खुद निपटना होगा। मैं एक ठंडे बोतल को पकड़ने में कामयाब रही और उसे अपने ऊपर डालने लगी। मैंने जमीन पर गिरी चालक दल के सदस्य से बात करने की कोशिश की। मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं और भी बोतल का इस्तेमाल कर सकती हूं, क्योंकि मैं इस समय यही कर सकती थी। उन्होंने मुझे इसकी इजाजत दे दी। महिला के पास एक पैरामेडिक बैठा था, जिसने उसकी मदद की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि दोनों को विमान से उतार लिया गया है और इलाज के लिए पास के लेक डिस्ट्रिंक्ट अस्पताल भेजा गया। इस घटना के बाद यात्री ने कहा कि वह चाहती है कि एयर न्यूजीलैंड छोटी उड़ानों में गर्म पेय परोसने पर पुनर्विचार करे और अपने कॉफी पॉट पर ढक्कन में सुधार करे। एयर न्यूजीलैंड के मुख्य परिचालन अखंडता और सुरक्षा अधिकारी कैप्टन डेविड मॉर्गन ने कहा कंपनी अपनी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपनी परिचालन प्रक्रियाओं की समीक्षा कर रही है।

पूर्व पीएम इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का लाहौर में अपहरण

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लाहौर में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार गुलाम शब्बीर के अपहरण की खबर सामने आई है। इस मामले में लाहौर के काहना पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में बताया गया है कि गुलाम शब्बीर का दो दिन पहले अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया।

गुलाम शब्बीर के बेटे बिलाल ने यह एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शब्बीर देर रात लाहौर के खयाबन-ए-अमीन स्थित अपने आवास से निकल कर इस्लामाबाद की ओर चले गए थे।

सऊदी में गर्मी से 922 हज यात्रियों की मौत

इनमें 600 मिस्र, 68 भारत के, इस साल 1.75 लाख भारतीय हज पर गए

रियाद, 20 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब के मक्का में हज करने गए 922 लोगों की गर्मी से मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी ने अलग-अलग देशों के आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी। एक अरबी डिप्लोमैट ने बताया कि मरने वालों में करीब 600 हाजी अकेले मिस्र के हैं। वहीं 1400 लोग अब भी लापता हैं।

हालांकि सऊदी अरब की तरह से अब तक मरने वालों की संख्या को लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है। मिडिल ईस्ट में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मक्का में 17 जून को तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 18 जून को थोड़ी राहत के साथ पारा 47 डिग्री रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, 12 से 19 जून तक चले हज के बीच 68 भारतीय यात्रियों की भी मौत हुई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, इस साल सबसे ज्यादा 1,75,000 भारतीय हज यात्रा के लिए मक्का पहुंचे। केरल के हज मंत्री अब्दुर्रहीमन ने बुधवार को केंद्र सरकार से भारतीयों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

केरल के 18.2 हजार लोग हज करने गए

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके लिए उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और जेद्दाह में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास को खत लिखा। केरल से करीब 18 हजार 200 हाजी सऊदी अरब गए थे। मंत्री अब्दुर्रहीमन ने लिखा कि जेद्दाह पहुंचने के बाद हाजियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उन्हें 30 किमी दूर असीसी जाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। इसके अलावा वहां रुकने की व्यवस्था भी ठीक तरह से नहीं की गई थी।

एएफपी के मुताबिक, जिन हाजियों की मौत हुई है उनमें इंडोनेशिया, जॉर्डन, ईरान और ट्यूनीशिया के भी नागरिक हैं। सऊदी डिप्लोमैट्स ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि मरने वालों में मिस्र के यात्रियों की तादाद इसीलिए ज्यादा है, क्योंकि इनमें कई ऐसे हैं जिन्होंने हज के लिए रजिस्टर नहीं कराया था। हर साल हज पर जाने वाले हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास इसके लिए वीजा नहीं होता है। पैसों की कमी की वजह से इस तरह के यात्री गलत तरीकों से मक्का पहुंचते हैं। इस महीने की शुरुआत में सऊदी ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले हजारों हज यात्रियों को मक्का से हटाया था।

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

तीन जिले किए रद्द

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से 19 नए जिले बनाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से पहले की गई कुचामन, मालपुरा व सुजानगढ़ को जिला बनाने की घोषणा पूरी नहीं होगी।

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने विधानसभा में विधायक हरिशचन्द्र मीणा की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में यह जानकारी दी है कि नए जिलों के पुनर्गठन/सृजन के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति को समाप्त कर दिया है। ऐसे में अब कुचामन, मालपुरा व सुजानगढ़ के जिले बनने की संभावना खत्म हो गई है।

बता दें कि पिछले साल पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले दो बार नए जिलों की घोषणा की थी। पहले चरण में

19 नए जिले बनाए थे। इसके बाद राजस्थान में कुल जिलों की संख्या 50 हो गई थी।

ये तीन शहर इसलिए हीं बन पाए जिले

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से ठीक पहले कांग्रेस सरकार ने तीन और जिलों की घोषणा कर दी थी। ऐसे में पहले से माना जा रहा था कि इन तीन जिलों को रद्द किया जा सकता है। क्योंकि आचार संहिता लगने के कारण कुचामन, मालपुरा व सुजानगढ़ जिले पर कोई काम नहीं हो पाया था। राजस्थान में पहले 33 जिले थे। लेकिन, 19 नए जिले बनाने के बाद इनकी संख्या 52 हो गई थी। हालांकि, जयपुर और जोधपुर को दो भागों में बांटा गया था। इस कारण जिलों की संख्या कुल 50 हो गई थी। राजस्थान में अब अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, दूदू, फलौदी, गंगापुर सिटी, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, नीमकाथाना, सलूम्बर, सांचौर, शाहपुरा (भीलवाड़ा), श्रीगंगानगर, धौलपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, करौली, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, पाली, दौसा, सिरोही, झुंझुनूं, सीकर, बूंदी, बारां, झालावाड़, कोटा, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, राजसमंद, बाड़मेर, जालौर, भरतपुर, अलवर, प्रतापगढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, टोंक और उदयपुर जिला हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप लगा अनीता खीचड़ को पद से हटाने की मांग

अश्वासन के बाद पार्षदों ने खत्म किया धरना

झुंझुनू, 20 जून (एजेंसियां)। झुंझुनू नगर परिषद में आयुक्त अनीता खीचड़ के खिलाफ पार्षदों ने धरना देकर उनको हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारी पार्षदों ने आयुक्त पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इस पर भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी के एक महीने में सभी समस्याओं के समाधान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद पार्षदों का धरना खत्म हुआ।

यह था पूरा मामला

झुंझुनू में प्रसिद्ध शेखावाटी की अनमोल हवेलियां जो छउ हवेली के नाम से प्रसिद्ध है। ये हवेलियां हेरिटेज में भी शामिल हैं। आरोप है कि आयुक्त अनीता खीचड़ के कार्यकाल में हवेल को ध्वस्त कर बड़े-बड़े कॉम्प्लेक्स बनाने का कार्य शुरू किया गया था। झुंझुनू में अवैध इमारतें भी इन्हीं के कार्यकाल में जोर-शोर से बनाई गई थीं। आयुक्त पर कई बार भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। एक बार टोंक में आयुक्त रहते हुए एसीबी में ट्रैप भी हो चुकी हैं। लोकायुक्त में भी आरोपित हैं। ऐसे अधिकारी को जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली भजनलाल सरकार ने आखिर फील्ड पोस्टिंग क्यों दी? इन्हीं मामलों को लेकर

पार्षद तीन दिन से लगातार नगर परिषद आयुक्त के कमरे के बाहर धरना दिए बैठे थे। आज आश्वासन मिलने के बाद धरना समाप्त किया गया।

भ्रष्टाचार की देवी

पिछली कांग्रेस सरकार में भी कई बार भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने आयुक्त अनीता खीचड़ के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया था।

हमेशा इन्हें भ्रष्टाचार की देवी बताया गया था। उस समय भी हटाने की मांग की गई थी।

आज भाजपा का शासन आते ही भ्रष्टाचार के मामले में ट्रैप हुई आयुक्त को फील्ड पोस्टिंग देने के फैसले को पार्षदों ने कमिश्नर का खेल बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयुक्त को सभी रास्ते पता हैं। कैसे ऊपर की कमाई की जाती है इस ऊपर की कमाई के लालच में इन्हें फील्ड पोस्टिंग दी गई है।

भाजपा ने धरना दिया था

पिछली कांग्रेस सरकार में भाजपा ने नगर परिषद आयुक्त अनीता खीचड़ के खिलाफ 2020-2021-2022 में कई बार धरने प्रदर्शन किए गए और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए।

ओपीएस में नया आंध्र मॉडल लागू करने में क्यों हिचक रही सरकार? विपक्ष के सवालों पर भी साधी चुप्पी

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार एक-एक कर पिछली गहलोत सरकार के फैसलों को बदल रही है। अब OPS को बदलकर नया आंध्र मॉडल लागू करने की तैयारी है। इसमें परेशानी ये है कि योजना को बदलने के बाद राजस्थान में 2 नहीं तीन तरह की पेंशन लागू हो जाएगी।

राजस्थान में पिछली गहलोत सरकार में लागू की गई ओल्ड पेंशन योजना के तहत अब तक सरकार कुल 1761 लोगों के पेंशन आदेश जारी कर चुकी है। इनमें 1164 रेग्यूलर पेंशन और 597 पारिवारिक पेंशन के प्रकरण शामिल हैं। अब प्रदेश की नई भजनलाल सरकार इस OPS के लिए नया प्लान तैयार कर रही है, जिसमें आंध्र प्रदेश की तर्ज पर 50% फिक्स किए जाने का प्रावधान है।

राजस्थान में फिलहाल दो तरह की पेंशन लागू हैं। इनमें एक 2004 से पूर्व की ओल्ड पेंशन 1-1-2004 के बाद एनपीएस योजना शामिल है। गहलोत सरकार ने इस एनपीएस योजना को ही बदलकर ओपीएस लागू की थी। यदि सरकार अब इस पेंशन योजना में बदलाव करती है तो 2004 से पहले की पेंशन, गहलोत सरकार में लागू ओल्ड पेंशन और इसके बाद लागू होने वाली पेंशन अलग-अलग जारी करनी होगी। इसके लिए पेंशन विभाग को तीन तरह के आंकड़ों को अलग-अलग कंपाइलेशन करना होगा।

ओपीएस जारी रहेगी या नहीं इससे जुड़े सवालों पर सरकार की चुप्पी

भजनलाल सरकार ओपीएस को बदलकर नया आंध्र मॉडल लागू तो करना चाहती है, लेकिन कर्मचारियों के नाराज होने का डर भी है। इसी साल प्रदेश में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। वहीं इसके बाद लोकल बॉडी के चुनाव भी हैं, जिन पर कर्मचारियों का खासा प्रभाव रहता है। राजस्थान में ओपीएस के दायरे में करीब साढ़े 4 लाख कर्मचारी आते हैं। इसलिए विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की तरफ से ओपीएस लेकर पूछे गए सवालों का बीते 6 महीने से सरकार ने विधानसभा को कोई जवाब नहीं भेजा।

पेपर लीक मुद्दे पर भाजपा पर बरसे टीका राम जूली

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। नीट परीक्षा के बाद अब यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। इसके बाद जहां छात्र आंदोलित हो रहे है वहीं विपक्षी पार्टियों ने रौद्र रुप धारण कर लिया है। भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पेपर लीक, नीट परीक्षा और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द मामले पर कांग्रेस के दिग्गज नेता ने भाजपा की केंद्र व राजस्थान सरकार पर जमकर हमला किया। राजस्थान एलओपी और कांग्रेस नेता टीका राम जूली का कहना है, देश का युवा लंबे समय से पेपर लीक से पीड़ित है। केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है। यूजीसी-नेट परीक्षा भी रद्द कर दी गई है।

छात्रों के भविष्य से कब तक करेगी खिलवाड़?

टीका राम जूली ने आगे सवाल करते हुए कहा कि मोदी सरकार कब तक छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगी? वह इस पर सख्त कानून बनाकर कार्रवाई क्यों नहीं करना चाहती है?

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द, सीबीआइ करेगी जांच

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी-नेट परीक्षा में गड़बड़ी सामने आने के बाद परीक्षा रद्द कर दी। मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूजीसी नेट का नए सिरे से आयोजन किया जाएगा।

परीक्षा की नई तिथि जल्द घोषित कर दी जाएंगी। गौरतलब है कि एनटीए नीट-यूजी 2024 को लेकर पहले ही विवादों में घिरी हुई है।

पुलवामा हमले के बाद भारत ने बंद की थार एक्सप्रेस तो सीमा पार के लोग बोले पैदल ही आने दो

बाड़मेर, 20 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर. पाकिस्तान से राजस्थान आने वाले अधिकांश शरणार्थियों के रिश्तेदारों को आना तो जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर है लेकिन इसके लिए उन्हें पहले पंजाब के बाघा बॉर्डर जाना होगा और इसके बाद इधर आएंगे। इसी तरह बाड़मेर-जैसलमेर-जोधपुर से पाकिस्तान जाने वाले भी यही चक्कर काटते हैं। बाड़मेर के मुनाबाव से भी पाकिस्तान जाने का मार्ग है, लेकिन विडंबना यह है कि 2019 से बंद है। बाघा बॉर्डर से ऑन फुट वीजा दिया जा रहा है और इधर ताले लगे हैं। करीब दो से ढाई लाख शरणार्थी परिवार बाड़मेर-जैसलमेर-जोधपुर में बसे हैं, उनका कहना है कि अव्वल तो थार एक्सप्रेस फिर से शुरू की जाए, ऐसा न हो तो वाघा की तरह मुनाबाव से ऑन फुट वीजा देकर मुनाबाव-खोखरापार मार्ग को खोल जाए।

1947 के बाद बाड़मेर जिले में करीब एक लाख शरणार्थी आकर बसे हैं। जैसलमेर, जोधपुर, जालोर में भी एक लाख के करीब हैं। इन परिवारों की रिश्तेदारी पाकिस्तान में है। 2006 में भारत पाक के बीच मुनाबाव बॉर्डर से थार एक्सप्रेस शुरू की थी, लेकिन पुलवामा हमले के बाद 2019 में इसको बंद कर दिया गया। इसके बाद इस मार्ग से आना-जाना बंद हो गया। उधर, पंजाब के बाघा बॉर्डर (Wagah Border) का मार्ग पुलवामा बाद खोल दिया गया और वहां ऑन फुट वीजा से पाकिस्तान आ जा रहे हैं। थार एक्सप्रेस की ठोस पैरवी नहीं थार एक्सप्रेस 2006 से 2019 तक करीब 14 साल चली।

इसके 728 साप्ताहिक फेरों में 4.5 लाख लोगों ने सफर किया, जो 90 फीसदी शरणार्थी परिवारों से ताल्लुक रखते थे। थार को बंद करने के बाद इसकी ठोस पैरवी कहीं से भी नहीं हुई। इस कारण यह मार्ग बंद है। पंजाब में रिट्रीट सेरेमनी और आना-जाना पंजाब में न केवल बाघा बॉर्डर का मार्ग खोला हुआ है। यहां अटारी में रिट्रीट सेरेमनी भी होती है। साथ ही पर्यटकों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रहती है। पश्चिम में मुनाबाव का बॉर्डर शांत माना जाता है। ऐसे में पश्चिम के इस बॉर्डर को भी बाघा की तर्ज पर ही लिया जाए तो यहां शरणार्थियों के आने-जाने के साथ ही पर्यटन का बड़ा स्थल बनने की संभावनाएं भी है।

शरणार्थी परिवारों को हारी-बीमारी, तीज-त्योहार, शादी-रिश्तेदारी में बहुत जरूरी होने पर पाकिस्तान जाना और आना करना पड़ता है। अब यों समझिए कि बाड़मेर-जैसलमेर के बॉर्डर के ठीक पास गांव है, उनकी अधिकांश रिश्तेदारी ठीक सामने बॉर्डर के उस पर 15 से 100 किमी दूरी के गांवों से है। मुनाबाव से ये लोग रवाना हों तो सुबह से शाम और कम किराए में पहुंच जाएं। लेकिन सुविधा नहीं होने से पहले इनको 700-800 किमी तक पंजाब का रास्ता नापना पड़ रहा है। फिर पाकिस्तान में भी 800 से 1000 किमी सफर कर सिंध के इलाके में आना पड़ता है।

भारत-पाकिस्तान दोनों देशों ने पंजाब का मार्ग खोल रखा है तो मुनाबाव में कहां परेशानी है। ऑन फुट वीजा दे दें। इमीग्रेशन और अन्य के लिए तो मुनाबाव-खोखरापार दोनों में व्यवस्था हो सकती है, पहले भी थी। वैसे थार एक्सप्रेस को पुनङ शुरू करने में भी कहां परेशानी है? शरणार्थियों की यह बड़ी मांग है।

यूनिवर्सिटी में छात्रों का हंगामा

जानबूझकर फेल करने का लगाया आरोप, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में गुरुवार को फर्स्ट सेमेस्टर परीक्षा में फेल होने से आक्रोशित छात्रों ने प्रदर्शन किया। इस आक्रोश के कारण छात्रों ने यूनिवर्सिटी परिसर में प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा प्रणाली में खामियां हैं और परिणाम अनियमितताओं से भरे हुए हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे तनाव और बढ़ गया।

प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि उन्हें जानबूझकर फेल किया गया है। उनका मानना है कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता नहीं है और वे न्याय की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि उनकी मेहनत के बावजूद उन्हें फेल कर दिया गया है, जिससे उनका भविष्य खतरे में है। छात्रों ने आरोप लगाया है कि परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी और पारदर्शिता की कमी उनके भविष्य को प्रभावित कर रही है। उनके अनुसार, उनकी मेहनत को नज़रअंदाज़ किया गया है।

प्रदर्शन के दौरान स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस लाठीचार्ज में कई छात्र घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि उन्होंने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, स्थिति गंभीर हो गई थी और छात्रों को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के बीच एक बैठक आयोजित की गई। प्रशासन ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि उनकी शिकायतों की जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। छात्रों ने भी अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल नियुक्त किया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और उन्हें सुलझाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। राजस्थान यूनिवर्सिटी में हुई इस घटना ने छात्रों और प्रशासन के बीच के तनाव को उजागर कर दिया है। छात्रों की शिकायतों की जांच और समस्या का समाधान न किया गया तो यह हंगामा और बढ़ सकता है। प्रशासन और छात्रों के बीच संवाद स्थापित कर इस समस्या का हल निकालना आवश्यक है। प्रशासन को छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाने होंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस हंगामे ने विश्वविद्यालय के वातावरण को भी प्रभावित किया है और छात्र-शिक्षक संबंधों में दरार पैदा की है। उचित समाधान के लिए दोनों पक्षों को मिलकर काम करना होगा।

बजट से पहले आ सकती है आईएएस तबादला सूची

हो सकते हैं बड़े फेरबदल

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में आईएएस तबादला सूची को लेकर एक बार फिर से चर्चा तेज हो गई है। मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार को दिल्ली से जयपुर पहुंच रहे हैं। संभावना है कि सीएम भजनलाल से चर्चा के बाद आईएएस तबादला सूची जारी कर दी जाए।

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आईएएस प्रवीण गुप्ता की जगह आईएएस नवीन महाजन को लगाए जाने का निर्णय हो चुका है।

राज्य सरकार की तरफ से निर्वाचन आयोग को नए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति के लिए तीन नामों का पैनल भेजा गया था। इसमें नवीन महाजन का नाम भी शामिल था।

बता दें कि इसमें से नवीन महाजन का नाम फाइनल हो चुका है। अब राज्य सरकार के स्तर पर कार्मिक विभाग इसके ऑर्डर जारी करेगा। लेकिन अब प्रवीण गुप्ता को भी नए विभाग में नियुक्ति दी जानी है। ऐसे में आईएएस तबादला सूची आना तय माना जा रहा है। क्योंकि सूची नहीं आती है तो सीनियर आईएएस को इतने लंबे समय तक एपीओ रखना होगा।

हीटस्ट्रोक से 9 लोगों की मौत

भीषण गर्मी से राहत कब?

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अधिकतर जिले में भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में है। कई जिलों में हीटस्ट्रोक के मामले सामने आ रहे हैं। अलवर में गर्मी के कारण पिछले 48 घंटों में 9 लोगों की मौत हो गई है। इसमें हीटस्ट्रोक वार्ड में 6 और सामान्य वार्ड में भर्ती तीन मरीज शामिल हैं। बता दें कि अब तक हीटस्ट्रोक से अलवर में 11 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, वार्ड में अभी 8 लोग भर्ती हैं। दो दिन में इस वार्ड में हीटस्ट्रोक के 21 मरीज आ चुके हैं। उधर, सामान्य वार्ड में भी गर्मी से बीमार मरीज भर्ती हैं। ओपीडी में भी उलटी-दस्त के बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं।

अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार हीट स्ट्रॉक वार्ड में भर्ती भगवान (82), नाथन (86), सुखबाई (76), असनकी (65), राजुअंती (78) के साथ एक अज्ञात व्यक्ति की गर्मी से मौत हुई है। वहीं, सामान्य वार्ड में भर्ती फुलिया देवी, विजय गिरी और लक्ष्मण दास की मौत हो गई। उधर, कई मरीजों को उपचार के बाद वार्ड से छुट्टी भी दी गई है। इस समय जिला अस्पताल की मोर्चरी में 8 अज्ञात शव हैं। जिनमें से 4 शव एक ही दिन के हैं। इनकी पहचान नहीं हो सकी है।

जेल में बंदी की तबीयत बिगड़ी, मौत

सेंट्रल जेल अलवर के ओपन कैम्प में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक बंदी की मंगलवार शाम को तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। पुलिस ने सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं, बंदी की मौत के कारणों को न्यायिक

जांच शुरू कर दी गई है। प्रथम दृष्टया इसे गर्मी से मौत होना बताया जा रहा है। शहर कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि मालाखेड़ा के मिर्जापुर निवासी नेमीचंद (61) पुत्र हरलया जाट हत्या के प्रकरण में वर्ष 2008 से अलवर सेंट्रल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था।

गंगानगर रहा सबसे गर्म

पिछले 24 घंटे में राजस्थान के कई जिलों में हीटवेव का असर देखा गया। गंगानगर में सर्वाधिक तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, धौलपुर, चूरू, अलवर, पिलानी, करौली, भरतपुर, फलोदी, फतेहपुर, बीकानेर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, जयपुर, बाड़मेर, कोटा और सीकर में पारा 40 डिग्री पार रहा।

कब मिलेगी गर्मी से राहत?

अच्छी बात ये है कि राजस्थान में आज से लू का दौर खत्म हो चुका है। मौसम विभाग ने आज राजस्थान के 12 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें अजमेर, बारां, भरतपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़ और गंगानगर शामिल हैं।

एक महीने से फरारी काट रहा था पांच हजार रुपये का इनामी आरोपी

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार

दौसा, 20 जून (एजेंसियां)। दौसा की पुलिस थाना बसवा ने कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार किया है। जो दुष्कर्म के मामले में करीब एक महीने से फरारी काट रहा था। दौसा पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया, रेंज स्तरीय विशेष अभियान के दौरान बसवा थानाधिकारी सचिन कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। इस पर बसवा थाना टीम ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

मामला 23 मई 2024 का है, जब थाना बसवा पर एक परिवादी ने अपनी नाबालिग बेटी का अपहरण कर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसकी जांच करते हुए बसवा थाना पुलिस ने मुलजिम की तलाश शुरू करने के लिए टीम गठित की। थाना की टीम ने कई जगह दबिश दी तो मुखबिर की सूचना और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने मुलजिम को 17 जून 24 को दस्तयाब किया। बसवा थाना अधिकारी सचिन शर्मा ने बताया कि दस्तयाब युवक का नाम गोलू कुमार मेहरा उर्फ टिंकू पुत्र रत्तीराम मेहरा बैरवा निवासी काला खेत की ढाणी, नांदरी पुलिस थाना मेहन्दीपुर बालाजी जिला दौसा का रहने वाला है।

घुमाने के बहाने ले गए पति ने की पत्नी की हत्या

शादी के 2 माह बाद ही रह रहे थे अलग-अलग

सीकर, 20 जून (एजेंसियां)। नीमकाथाना. तीन दिन पहले भराला मोड़ के पास सड़क किनारे पड़े मिले महिला बैंककर्मी शिखा अग्रवाल के शव की घटना पर से पुलिस ने 48 घंटे में पर्दा उठा दिया। महिला की हत्या रविवार रात को उसके ही पति पंकज बत्रा ने गला दबाकर की थी। आरोपी ने शव को सूनसान जगह देखकर सड़क किनारे डाल दिया और वहां से गाड़ी लेकर फरार हो गया। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच करते हुए हत्यारे पति पंकज को पाटन इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में पति ने स्वयं ने पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया है। पुलिस आरोपी को गुरुवार सुबह कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस उप अधीक्षक अनुज डाल ने बताया कि सोमवार को शिखा अग्रवाल का शव भराला मोड़ के पास मिला था। इधर, पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने मामले को गंभीरता से देखते हुए

टीम का गठन किया। सीकर की मोबाइल फोरेंसिक टीम से घटनास्थल का मुआयना करवाया गया तथा फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी करवाई गई। पुलिस ने घटनास्थल से सभी साक्ष्य जुटाकर आरोपी की तलाश में जुट गई थी।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि चार दिसंबर 2023 को शिखा व पंकज की शादी हुई थी। इसके कुछ दिन बाद ही घरेलू बातों को लेकर दोनों में अनबन होने लगी। सात फरवरी 2024 को आरोपी पति के बीच घरेलू बातों को लेकर झगड़ा हुआ। इससे बार शिखा अपने पिता के घर खेतड़ी मोड़ जाकर रहने लग गई थी। हालांकि ये साफ नहीं हो पाया कि झगड़े का मूल कारण क्या था। मई 2024 से दोनों की वापस फोन पर बात करने लगी। फिर दोनों फिर एक दूसरे से मिलने भी लगे।

16 जून 2024 को पंकज बत्रा ने पत्नी शिखा को मिलने के बहाने से नेहरू पार्क बुलाया जहां दोनों ने बातचीत की। इसके बाद आरोपी पंकज पत्नी शिखा को घुमाने के बहाने से गाड़ी में बैठाकर जीर की चौकी की तरफ ले गया। सूनसान जगह पर गाड़ी रोककर आरोपी ने शिखा को बातों में लगाकर उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी शव को गाड़ी से नीचे उतारकर रोड के साइड में गड्ढे में धकेल कर फरार हो गया।

न्यायमूर्ति को शक्ति जांच आयोग से इस्तीफा दे देना चाहिए

पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रवीण कुमार ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार ने कहा है कि सरकार को महत्वपूर्ण पदों पर लोगों का चयन करने से पहले उनकी पृष्ठभूमि की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि ऊर्जा नीति की जांच आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एल नरसिम्हा रेड्डी को नैतिक और तकनीकी आधार पर पद छोड़ देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में प्रवीण कुमार ने कहा कि आयोग द्वारा भेजे गए नोटिस पर विपक्ष के नेता और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव की ओर से दिए गए 12 पृष्ठों के जवाब में तेलंगाना को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनकी टेक्नोक्रेट टीम की दूरदर्शिता और परिश्रम को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। प्रवीण कुमार ने बताया कि दक्षिणी तेलंगाना में कृष्णा नदी के तट पर थर्मल पावर स्टेशन स्थापित करने के निर्णय से वे विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि 5000 मेगावाट की कमी से जूझ रहे राज्य को 20,000 मेगावाट क्षमता के शिखर पर पहुंचाना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। स्वतंत्र भारत में कोई भी मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की तरह रिकॉर्ड समय में एक नवजात राज्य में ऐसी मेगा दूरदर्शी परियोजनाओं को शुरू और पूरा नहीं कर सकता था। उन्होंने लिखा कि वास्तव में इन सभी महान नीतिगत चमत्कारों को देश भर के बिजनेस और पब्लिक पॉलिसी स्कूलों में केस स्टडी के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। जब डॉक्टर आपातकालीन वार्ड में मरीजों का इलाज करते हैं, तो वे लैब टेस्ट के परिणामों में सटीकता की परवाह नहीं करते हैं। कुछ तो ऐसे परीक्षणों में समय भी बर्बाद नहीं करते! वे सबसे पहले जान बचाने के लिए अपनी सहज प्रवृत्ति का पालन करते हैं। 2014 में तेलंगाना का मामला ऐसा ही था। केसीआर ने वही किया जो उनके मंत्रिमंडल ने सबसे युवा राज्य के लिए उचित समझा, जो जीवन रक्षक प्रणाली पर था। आपातकाल हमेशा प्रतिक्रिया में सटीकता से अधिक तत्परता की मांग करता है। प्रवीण कुमार ने कहा कि यदि वर्तमान राज्य सरकार सुशासन और अपना नाम बनाने के लिए उत्सुक है, तो उसे तत्काल इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि पिछली सरकार द्वारा जो कार्य किए गए हैं, उनकी दक्षता में किस प्रकार सुधार किया जाए।

उन्होंने कहा कि आयोगों का गठन न केवल समय और सार्वजनिक धन की बर्बादी है, बल्कि मौजूदा सत्तारूढ़ व्यवस्था के प्रतिशोधी रवैये को भी दर्शाता है। एक व्यक्ति जिसके परिवार के सदस्यों पर ओयू की जमीनों पर अतिक्रमण करने के गंभीर आरोप लगे हों, एक न्यायाधीश जिसने 2006 में सीट बेल्ट न पहनने के लिए एसआई द्वारा जुर्माना लगाए जाने पर हंगामा किया हो और एक न्यायिक अधिकारी जिसके सहकर्मियों ने बिहार में 'मुगल बादशाह' की तरह काम करने के कारण उसकी विदाई में शामिल होने से इनकार कर दिया हो, वह राष्ट्रीय महत्व के विषय की जांच के लिए गठित आयोग का अध्यक्ष बनने के लायक नहीं है। प्रवीण कुमार ने कहा कि सरकार को महत्वपूर्ण पदों पर लोगों को चुनने से पहले उनकी पृष्ठभूमि की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए थी।

सिकंदराबाद कैंट के विधायक श्री गणेश ने ली शपथ

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंट से विधायक चुने गए कांग्रेस नेता श्री गणेश ने गुरुवार को विधानसभा में शपथ ली। स्पीकर गद्दाम प्रसाद ने उन्हें शपथ दिलाई। कार्यक्रम में विधानसभा मामलों के मंत्री डी श्रीधर बाबू, हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अन्य लोग शामिल हुए। बाद में, अध्यक्ष और मंत्री ने श्री गणेश को बधाई दी। बीआरएस विधायक लास्या नंदिता की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ ही सिकंदराबाद छावनी विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया गया। श्री गणेश ने भाजपा उम्मीदवार वंश तिलक और बीआरएस उम्मीदवार निवेदिता को 13,206 मतों के अंतर से हराया था।

डीजीपी रवि गुप्ता ने सिल्वर ओक्स इंटरनेशनल स्कूल की वर्षगांठ में हिस्सा लिया

हैदराबाद, 20 जून (एनएसएस): तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता ने गुरुवार को ओकविंड्स परिसर, बौरामपेट में सिल्वर ओक्स इंटरनेशनल स्कूल की पहली वर्षगांठ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।समारोह के हिस्से के रूप में, रवि गुप्ता ने कार्यक्रम की शुरुआत को चिह्नित करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सिल्वर ओक्स के एयर एनसीसी स्क्वाड्रन द्वारा डीजीपी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, गुप्ता ने पाठ्येतर गतिविधियों के साथ शैक्षणिक संतुलन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बौद्धिक और व्यक्तिगत विकास दोनों को बढ़ावा देने वाली समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।सिल्वर ओक्स इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंध निदेशक धनुंजय ने इस विशेष अवसर पर उपस्थिति और समर्थन के लिए शिक्षक, लेखक, ब्लॉगर और रवि गुप्ता और अंजलि गुप्ता को धन्यवाद दिया।

गेल में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। आंचलिक मुख्य महाप्रबंधक/प्रभारी अधिकारी भिकू राठौड़ द्वारा इसका उद्घाटन हुआ। उन्होंने सभी कार्मिकों को भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप अपना कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करने का आग्रह किया।

मुख्य वक्ता एनएमडीसी के उप महाप्रबंधक रुद्रनाथ मिश्र ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं पर सविस्तार चर्चा की। साथ ही दैनिक कामकाज में प्रयोग की जाने वाली हिंदी शब्दावली से भी सभी को परिचित कराया और विचार-विमर्श सत्र में शब्दावली के प्रयोग में आने वाली समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किए। कार्यशाला में गेल क्षेत्रीय कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित सभी कार्मिक शामिल हुए।

एनआईआईएमएच हैदराबाद द्वारा योग अभ्यास सत्र आयोजित

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा गुरुवार को रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी पार्क के सदस्यों के लिए जागरूकता कार्यक्रम और योग अभ्यास सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे डॉ. क्रिस एंटोनी ने स्वास्थ्य संवर्धन के लिए योग के लाभों के बारे में बात की और इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के विषय, 'स्वयं और समाज के लिए योग' और 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग के बारे में भी बात की, जिसे महिलाओं में, जीवन शैली के विकारों में और सामान्य बीमारियों के लिए अभ्यास किया जा सकता है। डॉ. वैरामुथु , डॉ. स्मृति के, और श्रीनिवास राव, डॉ क्रिस एंटनी ने प्रतिभागियों को योगासनों का प्रदर्शन किया। कॉलोनी के लगभग 25 सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

तिरुमाला राव आंध्र प्रदेश के डीजीपी नियुक्त

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी और हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) में एमएससी-गणित 1985-8% बैच के पूर्व छात्र चौ. द्वारका तिरुमाला राव को आंध्र प्रदेश का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी - पुलिस बल का प्रमुख) नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से पहले, तिरुमाला राव सार्वजनिक परिवहन विभाग के आयुक्त और ए.पी. राज्य सड़क परिवहन विभाग (एपीएसआरटीसी) के पदेन उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक थे। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने पहले महानिदेशक (रेलवे) और हैदराबाद और विजयवाड़ा के पुलिस आयुक्त सहित विभिन्न क्षमताओं में कार्य किया था। यूओएच ने चौ. द्वारका तिरुमाला राव को उनके नवीनतम महत्वपूर्ण कार्यभार के लिए बधाई दी।

पावरग्रिड कारपोरेशन द्वारा इंटर रीजनल टेबल टेनिस टूर्नामेन्ट का आयोजन

हैदराबाद, 20 जून(स्वतंत्र वार्ता)। पावरग्रिड इंटर रीजनल टेबल टेनिस टूर्नामेन्ट-2024 का आयोजन 21 से 23 जून तक किया गया है। देश की अग्रणी कंपनी पावरग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, उर्जा मंत्रालय, भारत सरकार से जुडी महारत्न दर्जा प्राप्त है। इस कंपनी का दक्षिण क्षेत्रीय मुख्यालय ग्रेटर हैदराबाद में स्थित है।

पावरग्रिड सदर्न रीजन-। द्वारा यह टूर्नामेंट ग्रेटर हैदराबाद स्थित एल.बी. स्टेडियम में हो रही है। जिसमें पावरग्रिड कंपनी के अन्य क्षेत्र की पुरुष व महिला खिलाडी युक्त टीमें इस टूर्नामेन्ट में भाग ले रहे हैं। इसके तहत पुरुष एवं महिला वर्गों के मध्य इन्डिवीज्युएल, डबल्स तथा टीम टाइटल में कुल 15 टीम्स का मुकाबला हो रहा हैं। इससे जुडा इनागुरल सेशन 21 जून के सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा। तेलंगाना टेबल टेनिस एसोसिएशन, हैदराबाद द्वारा तत्संबंधित मैचेस का आयोजन एवं समन्यवन किया जा रहा है।

मंचेरियाल में घर पर भांग उगाने वाला गिरफ्तार

मंचेरियाल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अपने घर के परिसर में कथित तौर पर 13 भांग के पौधे उगाने वाले एक व्यक्ति को गुरुवार को मंडमरी में गिरफ्तार किया गया।

मंडमरी के उप-निरीक्षक राजशेखर ने कहा कि कोयला बेल्ट शहर के केके5 फिल्टर बेड क्षेत्र के 50 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर राजम को उसके घर के आसपास भांग के पौधे उगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने जब उसके घर पर छापा मारा तो वह अपने घर के परिसर में पौधे उगाता हुआ पाया गया। राजम के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। राजम ने बीजों के स्रोत का खुलासा नहीं किया और अपने निजी उपभोग के लिए पौधों को उगाने की बात स्वीकार की।

चिकित्सकों ने शुरू किया काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन

24 जून को पूर्ण बहिष्कार की योजना

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हड़ताल के लिए दिए गए नोटिस पर कोई प्रतिक्रिया न दिए जाने के कारण चिकित्सकों ने गुरुवार को सभी मेडिकल कॉलेजों में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। 24 जून को चिकित्सा कार्य का पूर्ण बहिष्कार शुरू करने से पहले, विरोध प्रदर्शन को और तेज करने के एक हिस्से के रूप में, टीजेयूडीए ने पूरी तरह से काली पट्टी बांधकर अपने काम पर आने का फैसला किया है।

तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) के सदस्य काली पट्टी बांधकर अपने नियमित चिकित्सा कार्य में शामिल हुए और अपनी नियमित ड्यूटी पर लौटने से पहले एक संक्षिप्त विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया।

हमें हड़ताल का नोटिस दिए हुए तीन दिन हो चुके हैं और अभी तक किसी ने हमारी मांगों को सुनने या उन पर चर्चा करने की जहमत नहीं उठाई है। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से हमें विरोध प्रदर्शन बंद करने का आग्रह किया गया था, जिसे हमने सिरे से नकार दिया, क्योंकि हमारी मांगों पर अभी चर्चा होनी है, टीजेयूडीए के अध्यक्ष डॉ. सीएच साई श्री हर्ष ने कहा।

मंगलवार को टीजेयूडीए के सदस्यों ने चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. एन वाणी से मुलाकात की और 24 जून से तेलंगाना के सभी मेडिकल कॉलेजों में हड़ताल शुरू करने का नोटिस सौंपा। उनकी मुख्य मांगों में समय पर वजीफे के भुगतान के लिए ग्रीन चैनल, एमबीबीएस प्रवेश के लिए आगामी काउंसलिंग में तेलंगाना के छात्रों को वरीयता, बेहतर छात्रावास सुविधाएं, ओजीएच के लिए नई इमारत और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बुनियादी ढांचे में समग्र सुधार शामिल हैं।

जीएचएमसी उपस्थिति प्रणाली से बचा रहा सालाना 1.25 करोड़

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले आधार बायोमेट्रिक उपस्थिति ट्रैकर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित चेहरे की पहचान प्रणाली से बदलकर, जीएचएमसी हर साल लगभग 1.25 करोड़ रुपये बचा रहा है। कारवान में सफाई कर्मचारियों के साथ एक सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद, इस प्रणाली का उपयोग अब सफाई, कीट विज्ञान और पशु चिकित्सा विंग में किया जा रहा है।

गुरुवार को जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, चेहरे की पहचान प्रणाली पर वार्षिक व्यय 1.92 करोड़ रुपये से घटकर 67.08 लाख रुपये हो गया है। इसके अलावा, अधिकारी अनुपस्थित लोगों की पहचान करने और कर्मचारियों की तैनाती की योजना बनाने में भी बेहतर तरीके से सक्षम हैं।रिलीज़ में कहा गया है, "चेहरे की पहचान वाली उपस्थिति प्रणाली एक फुलप्रूफ़ प्रणाली है जिसमें दो-चरणीय पंजीकरण प्रक्रिया है जिसमें पहले कर्मचारियों का चेहरा कैप्चर किया जाता है, उसके बाद आधार कार्ड और संबंधित अधिकारियों द्वारा पंजीकरण को मंजूरी दी जाती है।" साथ ही, डेटा नेटवर्क और अतिरिक्त उपकरणों पर निर्भरता समाप्त हो जाती है। ऐप उपयोगकर्ता के अनुकूल है और ऑफ़लाइन भी उपस्थिति दर्ज करता है।

जामबाग नगरसेवक राकेश जायसवाल ने शासकीय गांधी भवन स्कूल नामपल्ली के बच्चों को 'कृमि मुक्ति दिवस' के अवसर पर आवश्यक दवा उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में डॉ. उमैरा, श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, रामकृष्ण, रेणु स्कूल के शिक्षकगण उपस्थित थे।

कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिलकर काम करें : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि हम जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगे। गुरुवार को डी.वी. श्रीनिवास ने जिला पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया। श्रीनिवास राव ने जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर के समाहर्ता कक्ष में जिला कलेक्टर से मुलाकात की और उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि हम जिले में शांति एवं सुरक्षा कायम रखने के मामले में समन्वय बनाकर काम करेंगे तथा जनता की सुरक्षा के लिए काम करेंगे। डीवी श्रीनिवास राव साइबराबाद के तहत मेडचल यातायात डीसीपी जिला एसपी के रूप में स्थानांतरण पर आए।

70 वर्ष की आयु में योग सीखा रहे हैं सेवानिवृत्त कर्मचारी

मंचेरियल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 60 साल की उम्र पार करने के बाद बुजुर्गों में कोई न कोई बीमारी पाई जाती है लेकिन 70 वर्षीय सेवानिवृत्त एससीसीएल कर्मचारी अपनी फिटनेस बनाए हुए हैं और वह बिना किसी परेशानी के उल्टे योग के सबसे कठिन आसनों में से एक शीर्षासन करते हैं, वह भी सिर्फ एक या दो मिनट नहीं बल्कि 10 मिनट तक। उनकी फिटनेस और जुनून न सिर्फ उनके साथियों बल्कि युवाओं को भी हैरान कर रहा है।

शहर के हाई-टेक सिटी कॉलोनी के निवासी गोकाराजू विजय राम राजू 30 साल तक सिविल विभाग और एक भूमिगत खदान में काम करने के बाद 2013 में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने एक नए क्षेत्र की खोज की - योग जो 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए करियर के रूप में चुनने के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है। हालाँकि, उन्होंने विभिन्न योगासनों में महारत हासिल करने में कामयाबी हासिल की और उत्साही फिटनेस प्रेमियों को योग सिखाना शुरू किया।

राम राजू ने बताया कि करीब 10 साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योग सीखने और उसका अभ्यास करने के आह्वान से प्रेरणा लेते हुए मैंने प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की मदद से योगासन करना शुरू किया। मैं योग के विभिन्न स्वास्थ्य लाभों से दंग रह गया। मैं शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से फिट रहने में सक्षम हूं। इसका श्रेय योग को जाता है। योगाभ्यास के परिणामों से उत्साहित, दो बेटियों के पिता ने स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास)-बेंगलुरु द्वारा संचालित तीन महीने के योग प्रशिक्षक पाठ्यक्रम को 2023 में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण किया। अब, वह प्रतिदिन डेढ़ घंटे अभ्यास करने के अलावा लोगों को योग सिखा रहे हैं।

सिद्दीपेट में 499 ग्राम पंचायत कार्यालय प्लास्टिक मुक्त

सिद्दीपेट, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में जिला ग्राम पंचायत अधिकारी (डीपीओ) के एक विचार ने जिले के 499 ग्राम पंचायत कार्यालयों को प्लास्टिक मुक्त बनाने में मदद की है। चूंकि ग्राम पंचायत कार्यालय नियमित रूप से बैठकों का आयोजन करते हैं और ग्राम पंचायत के विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मेजबानी करते हैं, इसलिए डीपीओ देवकी देवी ने स्टील बैंक का विचार प्रस्तावित किया था।

देवकी देवी ने कहा कि स्टील बैंक का विचार सिद्दीपेट शहर में बहुत सफल रहा। इस विचार से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने फरवरी 2023 में सभी पंचायत सचिवों को पंचायत में उपलब्ध धन या दानदाताओं के सहयोग से स्टील बैंक खरीदने का निर्देश दिया था। इसके बाद, जिले की सभी 499 पंचायतों के पास अब स्टील बैंक हैं। प्रत्येक स्टील बैंक में स्टील के गिलास, चाय के गिलास, लंच प्लेट, स्टील की बोतलें और अन्य स्टील के बर्तन हैं, जिन्हें फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। देवकी देवी को उनके काम के लिए हरीश राव और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भी सराहा। अब उनकी योजना अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के सहयोग से जल्द ही सभी 26 मंडल परिषदों में इसे दोहराने की है। उन्होंने कहा कि चूंकि मंडल परिषदें नियमित बैठकें करती हैं, इसलिए वे स्टील बैंक खरीदकर भारी मात्रा में प्लास्टिक का उपयोग करने से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस विचार को जाति-आधारित सामुदायिक हॉलों में भी उन समुदायों की मदद से लागू करना चाहती हैं।

मंचेरियल में मनाया गया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मंचेरियल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मैत्री योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र (एमवाईएनसीसी) द्वारा गुरुवार को केंद्र परिसर में दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिला प्रधान न्यायाधीश श्रीनिवास मुख्य अतिथि थे, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष वी रघुनाथ राव विशिष्ट अतिथि थे। श्रीनिवास ने कहा कि योगाभ्यास ने उनकी स्वास्थ्य समस्याओं को ठीक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि केवल योग ही शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक तंदुरुस्ती पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि अन्य कई स्वास्थ्य प्रणालियाँ ऐसा नहीं करती हैं। उन्होंने पाया कि योग की मदद से शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने इसे सिखाने के लिए डॉ. सुकुमार और डॉ. पी. समीरा की प्रशंसा की।

रघुनाथ राव ने लोगों को सलाह दी कि वे खुद के लिए योग करें और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए दूसरों को भी योग सिखाएं- जो इस साल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम था। मंचेरियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गुंडा सुधाकर, आईएमए के अध्यक्ष डॉ. रमना, प्रमुख त्वचा विशेषज्ञ वाई सूर्यनारायण राव और हाई-टेक सिटी कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएच हनुमंत राव ने भी योग के असंख्य लाभों के बारे में बताया।

इससे पहले डॉ. पी. समीरा ने आसन, प्राणायाम और ध्यान का प्रदर्शन करके योग के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डाला। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने लगभग एक घंटे तक विभिन्न आसन बनाए और श्वास अभ्यास का अभ्यास किया। उन्होंने लोगों से कहा कि वे ऋषि पतंजलि द्वारा आविष्कृत प्राचीन स्वास्थ्य प्रणाली को अपने जीवन का आंतरिक हिस्सा बनाएं ताकि वे कई मोर्चों पर फिट रह सकें और शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। पुरुष वरिष्ठ साधकों ने 10 वर्षीय बालिका नमनी वेंकट अद्विका के साथ मिलकर कठिन आसन और करतब दिखाए, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। महिला साधकों ने भी कुछ आसन प्रदर्शित किए। सुकुमार और समीरा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत और विदेशों में योग के प्रति उत्साही लोगों को योग सिखाने के लिए प्रशिक्षकों को सम्मानित किया।

नागरकर्नूल में काम पर न आने पर आदिवासी महिला पर हमला

नागरकर्नूल, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोल्लापुर मंडल के मोलाचिंतलापल्ली गांव में एक आदिवासी महिला पर 3 लोगों ने कथित तौर पर तब हमला किया जब वह उनके खेतों में काम करने नहीं आई। रिपोर्ट के अनुसार एडन्ना और ईश्वरम्मा ने बंदी वेंकटेश और बंदी शिवुडू से तीन एकड़ जमीन लीज पर ली थी। पिछले कुछ सालों से वे उनके खेतों में बंधुआ मजदूर के तौर पर काम कर रहे थे।

10 दिन पहले, एडन्ना और ईश्वरम्मा के बीच झगड़ा हुआ और गुस्से में ईश्वरम्मा अपने माता-पिता के घर चली गई। जब शिवुडू, वेंकटेश और सालेश्वरम को पता चला कि वह काम पर नहीं आ रही है, तो उन्होंने कथित तौर पर बल प्रयोग किया और ईश्वरम्मा को उसके माता-पिता से वापस ले आए। मोलाचिंतलापल्ली के रास्ते में, उन्होंने कथित तौर पर ईश्वरम्मा के साथ मारपीट की, उसके कपड़े फाड़ दिए और उसे बंधक बना लिया। बुधवार रात को जब मामला प्रकाश में आया, तो कोल्लापुर पुलिस ने ईश्वरम्मा को तीनों से बचाया। उसे इलाज के लिए नागरकुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

आदिलाबाद में भाषा शिक्षकों ने दिया धरना

आदिलाबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाषा शिक्षकों ने शिक्षकों की पदोन्नति और तबादलों में देरी के विरोध में गुरुवार को यहां धरना दिया। शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के सामने धरना दिया और पदोन्नति और तबादलों से संबंधित आदेश जारी करने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि 110 शिक्षक पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने खेद जताया कि अत्यधिक देरी के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी जवाब नहीं दे रहे हैं।

आंदोलनकारी शिक्षकों ने कहा कि हाल ही में पदोन्नत और स्थानांतरित किए जाने वाले भाषा शिक्षकों की सूची जारी की गई थी, लेकिन उसमें त्रुटियां थीं। अधिकारियों ने घोषणा की कि एक या दो दिन में पदोन्नति और तबादलों की एक और सूची घोषित की जाएगी। हालांकि, अभी तक संशोधित सूची जारी नहीं की गई है, जिससे शिक्षकों को पदोन्नति और तबादलों का इंतजार करना पड़ रहा है। इस बीच, 27 जैविक विज्ञान और 44 सामाजिक विज्ञान माध्यमिक ग्रेड शिक्षकों की पदोन्नति लेने के आदेश जारी किए गए। शिक्षक गुरुवार को अपने-अपने स्कूलों में ड्यूटी पर लौट आए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंग्लैंड ने सुपर-8 के दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को हराया

सॉल्ट का नाबाद अर्धशतक, बेयरस्टो के साथ नाबाद 97 रन की साझेदारी

सेंट लूसिया, , 20 जून (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के दूसरे सुपर-8 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड ने यह हाई स्कोरिंग मैच एकतरफा अंदाज में जीता। सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया।

वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए और इंग्लैंड को 181 रन का टारगेट दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 17.3 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। मैच का एनालिसिस...

वेस्टइंडीज-इंग्लैंड मैच का स्कोरकार्

मैच विनर...

इंग्लिश टीम के ओपनर फिल सॉल्ट टीम के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 47 बॉल पर नाबाद 87 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सॉल्ट ने जोस बटलर के 67 रन की ओपनिंग साझेदारी की। बटलर के आउट होने के बाद उन्होंने मोइन अली के साथ 17 और जॉनी बेयरस्टो के साथ नाबाद 97 रन की पार्टनरशिप की।

जीत के हीरोज

जॉनी बेयरस्टो : टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 26 बॉल पर नाबाद 48 रन की पारी खेली। साथ ही सॉल्ट के साथ तीसरे विकेट एक लिए नाबाद 97 रन की साझेदारी की।

आदिल रशीद : 4 ओवर के स्पेल में 21 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने आंद्रे रसेल का बड़ा विकेट झटका और वेस्टइंडीज के स्कोर को 200 पार जाने से रोका। वहीं मैच में टीम के लिए सबसे किफायती बॉलर साबित हुए। रशीद ने 5.25 की इकोनॉमी से रन दिए, बाकि सभी बॉलर इससे ज्यादा से रन दिए।

इंग्लैंड की जीत की वजह

दो बड़ी साझेदारी : इंग्लैंड की ओर से दो बड़ी साझेदारी हुई। एक ओपनिंग साझेदारी हुई। जो फिल सॉल्ट और जोस बटलर के बीच 46 बॉल पर 67 रन की हुई। दूसरी सॉल्ट और जॉनी बेयरस्टो के बीच हुई। यह तीसरे विकेट के लिए 44 बॉल पर नाबाद 97 रन की हुई।

टाइट फील्डिंग : इंग्लैंड की तरफ से काफी अच्छी फील्डिंग देखने को मिली. इस ने एक भी कैच या रन आउट के मौके नहीं गंवाए. वहीं वेस्टइंडीज ने दो कैच छोड़े और एक रन आउट का मौका भी गंवाया.

टर्निंग पॉइंट

मैच का टर्निंग पॉइंट तीसरा ओवर रहा। इस ओवर में इंग्लैंड के ओपनर फिल सॉल्ट का कैच ड्रॉप हो गया। जब कैच ड्रॉप हुआ तो सॉल्ट अपने 7 रन के स्कोर पर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने नाबाद 87 रन की पस्सरी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड की पारी का तीसरा ओवर अकील होसेन ने किया। पहली दो गेंदो पर कोई रन नहीं आया। तीसरी गेंद पर अकील ने कॉट एंड बोल्ड की कोशिश की लेकिन चौका चला गया। इसके बाद उन्होंने सॉल्ट को बाहर की ओर शॉर्ट बॉल की। सॉल्ट पुल करना चाह रहे थे लेकिन वह शॉट पहले खेल गए और गेंद उनके पैर से लगते हुए पीछे उछल गई। पूरन ने पहली प्रयास किया लेकिन वह कैच नहीं लपक सके।

फाइटर ऑफ द मैच- जॉनसन चार्ल्स

वेस्टइंडीज के ओपनर जॉनसन चार्ल्स टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 34 बॉल पर 38 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने चार चौके और एक सिक्स लगाया। चार्ल्स ने ब्रैंडन किंग के साथ 40 रन की पार्टनरशिप की। इसके बाद किंग रिटायर्ड हर्ट हो गए। इसके बाद चार्ल्स ने पूरन के साथ 54 रन की साझेदारी की।

वेस्टइंडीज की पारी

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 181 रन का टारगेट दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जॉनसन चार्ल्स 38, रोवमेन पॉवेल 36, निकोलस पूरन 36 और शेरफेन रदरफोर्ड नाबाद 28 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, आदिल रशिद, मोइन अली और लियाम लिविंगस्टोन को 1-1 विकेट मिला।

इंग्लैंड की पारी

181 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। सॉल्ट और जोस बटलर के बीच पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी हुई। सॉल्ट ने नाबाद 87 रन बनाए। उनके अलावा जॉनी बेयरस्टो ने 26 बॉल पर नाबाद 48 रन की पारी खेली। सॉल्ट और बेयरस्टो तीसरे विकेट के लिए नाबाद 97 रन की पार्टनरशिप हुई।

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम फाइनल में

नजरें विश्व कप खिताब की हैट्रिक पर

अंताल्या (तुर्की), 20 जून (एजेंसियां)। भारत की ज्योति सुरेखा वेनाम, अदिति स्वामी और परणीत कौर की तीरंदाजी कंपाउंड महिला तिकड़ी ने यहां विश्व कप चरण तीन के फाइनल में जगह बनाई और अब उनकी नजरें इस वैश्विक प्रतियोगिता में खिताबी हैट्रिक पर टिकी हैं।

इस साल अप्रैल और मई में शंघाई और येचियोन में लगातार दो विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली दुनिया में नंबर एक भारतीय कंपाउंड महिला टीम ने एकतरफा सेमीफाइनल में मेजबान तुर्की को 234-227 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना एस्टोनिया से होगा।

शीर्ष वरीय टीम के रूप में क्वालीफाई करने वाले भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली जहां टीम ने अल सल्वाडोर को 235-227 से हराया।

प्रियांश, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश फुगे की पुरुष टीम को निकोलस गिरार्ड, जीन फिलिप बोल्च और एड्रियन गोनटिएर की टीम के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में सिर्फ एक अंक (235-236) से शिकस्त झेलनी पड़ी। कंपाउंड फाइनल शनिवार को खेले जाएंगे।

फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने लिया चौंकाने वाला निर्णय

भारत में अपनी फुटबॉल अकादमियों पर डाला ताला

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। मशहूर फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने भारत में अपनी सारी अकादमियां बंद करने का फैसला लिया है। क्लब में अपने इस निर्णय के पीछा का कारण नहीं बताया है। 'ला मासिया' (युवा अकादमी) शैली में बच्चों को फुटबॉल के गुण सिखाने के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और पुणे में इन अकादमियों की शुरुआत हुई थी। हालांकि, एक जुलाई से यह बंद हो जाएंगी।

क्लब ने जारी किया बयान

क्लब ने अपने बयान में कहा, फुटबॉल बार्सिलोना ने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और पुणे में परिवारों को सूचित कर दिया है कि एक जुलाई 2024 से अकादमियां बंद हो रही हैं। बार्सिलोना ने भारत में 2010 में पदार्पण किया था और तब से हजारों बच्चे क्लब की शैली में फुटबॉल खेलना सीखे हैं।₹ लियोनल मेसी, आंद्रेस इनिएस्ता, सर्जियो बस्केत और गेरार्ड पीक जैसे दिग्गजों ने बार्सिलोना की अकादमियों से ही कैरियर का आगाज किया था।

10 साल बाद सेमीफाइनल खेलेगा साउथ अफ्रीका

अमेरिका को हराया, अब एक जीत और जरूरी

एंटीगुआ, 20 जून (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 स्टेज में शानदार शुरुआत की। टीम ने गुरुवार को सेंट लूसिया में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया।

इससे पहले, साउथ अफ्रीका ने एंटीगुआ में अमेरिका को 18 रन से हराया। इस जीत से अफ्रीकी टीम के 10 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल खेलने की उम्मीद बढ़ गई है। टीम इससे पहले 2014 में आखिरी बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, लेकिन भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

स्टोरी में इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका के साथ-साथ टीम इंडिया के तमाम समीकरण भी जानेंगे। साथ ही टूर्नामेंट के टॉप प्लेयर्स पर भी नजर डालेंगे...

इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में पहले मुकाबले जीते

सुपर-8 के दोनों ग्रुप में 4-4 टीमें हैं। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका ग्रुप-2 में है। वेस्टइंडीज को हराने के बाद इंग्लैंड के लिए साउथ अफ्रीका और अमेरिका जैसी टीमों का चैलेंज होगा। अमेरिका बेशक अपना पहला टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है, लेकिन वह टूर्नामेंट में मजबूत टीम बनकर उभरी है। ऐसे में इंग्लैंड उसे हल्के में नहीं लेना चाहेगी। टीम 21 जून को साउथ अफ्रीका और 23 जून को यूएसए से भिड़ेगी। इंग्लैंड एक और जीत से सेमीफाइनल की मजबूत दावेदार हो जाएगी।

वहीं साउथ अफ्रीका अमेरिका पर जीत के बाद भी उसके सामने 2 बड़ी चुनौतियां हैं, टीम 21 जून को इंग्लैंड और 24 जून को वेस्टइंडीज से भिड़ेगी। साउथ अफ्रीका के लिए सुपर-8 के बाकी 2 मैच जीतना मुश्किल होंगे, लेकिन टीम ने दोनों टीमों को हरा दिया तो सेमीफाइनल खेलना 100% कन्फर्म हो जाएगा।

टीम एक और मैच जीतने की स्थिति में भी अंतिम 4 में पहुंच सकती है, लेकिन इस कंडीशन में साउथ अफ्रीका को बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं, 3 टीमों ने 2 मैच जीत लिए तो रन रेट भी क्वालिफिकेशन का आधार बन जाएगा।

वेस्टइंडीज और अमेरिका की राह हुई मुश्किल

सुपर-8 में पहला ही मैच हारने के बाद अमेरिका के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा। टीम के भी 2 मैच इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से बाकी हैं, उन्हें अब सेमीफाइनल में एंट्री करने के लिए दोनों मैच जीतने ही होंगे। हालांकि, ऐसा होना बहुत मुश्किल लग रहा है, क्योंकि बाकी दोनों ही टीमें 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप जीत चुकी हैं। जबकि अमेरिका पहली बार ही टी-20 वर्ल्ड कप खेल रहा है।

दूसरी ओर, वेस्टइंडीज की उसके पहले सुपर-8 मुकाबले में हार के बाद सेमीफाइनल की रह मुश्किल हो गई है। टीम के 2 मैच साउथ अफ्रीका और अमेरिका से बाकी हैं, उन्हें अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दोनों मैच जीतने ही होंगे। टीम को साथ ही अपने रन रेट में भी सुधार करना होगा।

टीम इंडिया के समीकरण क्या हैं?

भारत सुपर-8 के ग्रुप-1 में है, इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और अफगानिस्तान भी हैं। तीनों टीमों के खिलाफ टी-20 रिकॉर्ड देखें तो भारत के सेमीफाइनल खेलने के चांस बहुत ज्यादा हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में तो भारत कभी भी अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हारा ही नहीं। टीम इंडिया का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी भारी है।

भारत का पहला मैच आज ही अफगानिस्तान से बारबाडोस में होगा। टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचना है तो सुपर-8 में तीनों मैच जीतने होंगे। टीम 2 मैच जीतकर भी नॉकआउट स्टेज में जगह बना सकती है, लेकिन इस कंडीशन में भारत को बाकी टीमों के नतीजों और रन रेट पर निर्भर रहना पड़ेगा।

4 सेमीफाइनल खेल चुकी है टीम इंडिया

टीम इंडिया ने अब तक 8 टी-20 वर्ल्ड कप में 4 बार सेमीफाइनल खेले हैं। 2022 में पिछले टूर्नामेंट में भी भारत ने सेमीफाइनल खेला, लेकिन चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से हार झेलनी पड़ गई। इसके अलावा 2007, 2014 और 2016 में भी भारत ने सेमीफाइनल खेला। 2016 में हार मिली, लेकिन बाकी 2 टूर्नामेंट के फाइनल तक सफर तय किया।

कोहली से मिले वेस्टइंडीज लिजेंड वेस्ली हॉल

हैट्रिक लेने वाले पहले करैबियाई, भारत के खिलाफ डेब्यू किया था, विराट से बोले- आप महान खिलाड़ी

बारबाडोस, 20 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी वेस्ली हॉल से मिले। हॉल ने अपने करियर में 48 टेस्ट मैच खेले हैं और 192 विकेट लिए हैं। वहीं, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में महज 170 मैचों में उनके नाम 546 विकेट हैं। वेस्ली ने 1958–59 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत भी भारत के खिलाफ की थी। 1959 में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में हैट्रिक ली। वे टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले करैबियाई गेंदबाज बने।

बारबाडोस में टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन के बाद वेस्टइंडीज के 86 साल के दिग्गज तेज गेंदबाज हॉल कोहली से मिलने पहुंचे। पूर्व भारतीय कप्तान कोहली के साथ बैठे और डगआउट में तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। कोहली ने वेस्ली की किताब का भी विमोचन किया।

वेस्ली कोहली ने बोले- आप प्रैक्टिस करने आए हैं और आपको एक बूढ़े व्यक्ति को मिलना पड़ा। मैंने बहुत से महान खिलाड़ियों को देखा है और आप उनमें से एक हैं। मैंने आपके करियर देखा और मुझे उम्मीद है कि आप कई और सालों तक भारत के लिए खेलेंगे।

वेस्ली हॉल का मानना है कि भारतीय बॉलिंग युनिट वर्ल्ड क्लास है। उन्होंने कहा, कुछ गेंदबाज बहुत तेज होते हैं, बहुत मुश्किल से बाउंसर फेंकते हैं, और फिर ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो सही लाइन पर गेंद डालते हैं और आपके कहने से पहले ही आप आउट हो जाते हैं। मुद्दा यह है कि मैं आपको मारने के बजाय आउट करना पसंद करूंगा। मुझे लगता है कि भारत के गेंदबाज वर्ल्ड क्लास है। वेस्टइंडीज में लोगो के बीच टेस्ट क्रिकेट में रूचि में गिरावट पर हॉल बोले, आपको बस कुछ ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो आपके साथ बने रहें। मेरा मतलब है, एक समय में, हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी थे, लेकिन वे टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल रहे थे। लेकिन यही समस्या है, आप देखिए।

महिला क्रिकेट में दिखा अद्भुत नजारा

मामला जान आप भी भारत की कप्तान को देंगे शाबाशी

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच खेली जा रही 3 मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम ने 2-0 से बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक दिन पहले खेले गए मैच में रिकॉर्डों की झड़ी लगी। इस पूरे मैच में दोनों टीमों ने 300 से अधिक रन का स्कोर बनाया। पूरे मैच में 650 रन बने और चार खिलाड़ियों ने शतक जड़े। भारतीय टीम के जीत के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें लोग भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को वाहवाही दे रहे हैं।

भारतीय टीम का मैच में प्रदर्शन

भारत ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 3 विकेट खोकर 325 रन बनाए थे। इसमें स्मृति मंधाना ने 136 की पारी खेली थी। जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 103 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, रिचा घोष ने 25, हेमलता ने 24 और शेफाली वर्मा ने 20 रन का योगदान दिया। भारतीय टीम ने पहली बार अपनी धरती पर वनडे मैच में 300 से अधिक रन का स्कोर बनाया। इसके पहले टीम का बेस्ट स्कोर वेस्टइंडीज के खिलाफ था। ये मैच 2004 में खेला गया था, जिसमें भारत ने 298 रन बनाए थे। वनडे मैच में भारत का बेस्ट स्कोर 358 रन का है।

साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन

साउथ अफ्रीका 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 321 रन का ही स्कोर बना सकी। उसे 4 रन से हार का सामना करना पड़ा। सलामी बल्लेबाज और टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 135 रन की नाबाद पारी खेली। साथ ही मारिजान कैप ने भी 114 रन बनाए। अंतिम ओवर में साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे, लेकिन टीम ने इस ओवर में 2 विकेट खो दिए और 4 रन से ये मैच हार गई।

वायरल हो गया वीडियो

भारतीय टीम के मैच जीतने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने खेल भावना दिखाई। इस खेल भावना की चारों ओर जमकर तारीफ की जा रही है।

वीडियो में साफतौर पर दिख रहा है कि साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट मैच हारने के बाद निराश नजर आ रही हैं। इस दौरान भारतीय टीम की कप्तान हरमप्रीत कौर उनके पास आईं और उनके खेल की सराहना की। हाथ मिलाते हुए उन्हें शतक जड़ने और सलामी बल्लेबाज के रूप में आकर अंतिम गेंद तक नाबाद रहने के लिए बधाई दी। हरमनप्रीत कौर के इस वीडियो को देखने के बाद उनकी जमकर तारीफें की जा रही हैं।

हॉकी इंडिया ने प्री-ओलंपिक शिविर के लिए किया भारतीय टीम का एलान, स्ट्राइकर दिलप्रीत का कटा पत्ता

नई दिल्ली, भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सफल प्रदर्शन के बाद लौट रही है। फिलहाल टीम 16 मैचों में 24 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है।

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को प्री-ओलंपिक शिविर के लिए 27 संभावित खिलाड़ियों का एलान कर दिया। यह शिविर 21 जून से 8 जुलाई तक यहां एसएआई केंद्र में आयोजित किया जाएगा। ओलंपिक में भारत को बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने ओलंपिक अभियान की

शुरुआत करेंगे। भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सफल प्रदर्शन के बाद लौट रही है। फिलहाल टीम 16 मैचों में 24 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। कोर ग्रुप में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय और आमिर अली शामिल हैं।

मिडफील्डर्स के तौर मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह, आकाशदीप सिंह और मोहम्मद राहील मौसीन को शामिल किया गया है। वहीं, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, बॉबी सिंह धामी और अरिजीत सिंह हुंडल फॉरवर्ड हैं जिन्हें शामिल किया गया है। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह को टीम में जगह नहीं मिली है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन का मानना है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रो लीग मैच उनके लिए एक शानदार अनुभव था।

इगोर स्टिमैक की बर्खास्तगी के बाद एआईएफएफ ने शुरू की नए हेड कोच की तलाश

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इगोर स्टिमैक की मुख्य कोच पद से बर्खास्तगी के बाद नए कोच की तलाश शुरू कर दी है। बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए आवेदन की जानकारी साझा की। दरअसल, हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। स्टिमैक और पूर्व भारतीय कप्तान सुनील छेत्री के संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल युग की नई शुरुआत होने जा रही है। पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक की बर्खास्तगी से टीम में बदलाव की लहर शुरू हो गई है।फीफा रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष करना है।

बीसीसीआई का 2024-25 के लिए घरेलू सीजन का शेडयूल जारी

सितंबर में बांग्लादेश से शुरुआत होगी; न्यूजीलैंड-इंग्लिश टीम भी दौरा करेगी

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2024-25 के लिए घरेलू सीजन का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसकी शुरुआत सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से होगी। उसके बाद भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ ही तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

भारत और बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा। जबकि दूसरा टेस्ट मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। वहीं तीन टी-20 मैचों की सीरीज का पहला मैच धर्मशाला, दूसरा दिल्ली और तीसरा हैदराबाद में खेला जाएगा।

अक्टूबर में न्यूजीलैंड टीम आएगी दौरे पर

बांग्लादेश के बाद अक्टूबर में न्यूजीलैंड की टीम भारतीय दौरे पर आएगी। इस दौरान तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगीा। पहला टेस्ट मैच में 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में खेला जाएगा। उसके बाद दूसरा पुणे और तीसरा मुंबई में खेला जाएगा।

2025 के शुरुआत इंग्लिश टीम भारत का दौरा करेगी

2025 के शुरुआत में इंग्लिश टीम टी-20 और वनडे सीरीज खेलने के लिए आएगी। इस दौरान 5 इंग्लैंड की टीम 5 टी-20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी।

महिलाओं की उन्नति के साथ आगे बढ़ रहा है तेलंगाना : सीतक्का

> मंत्री ने महिला सशक्तिकरण कार्य योजना की समीक्षा की

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दनासारी अनसूया सीतक्का ने कहा कि महिला संघों को आर्थिक रूप से और मजबूत करने के लिए महिला शक्ति कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, महिलाओं की उन्नति से ही तेलंगाना की प्रगति संभव है।

मंत्री सीताक्का ने राजेंद्रनगर में तेलंगाना ग्रामीण विकास निगम में जिला डीआरडीओ और अतिरिक्त डीआरडीओ के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजना की तैयारी पर पंचायत राज, ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया और तेलंगाना ग्रामीण विकास निगम के सीईओ कात्यायन के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर मंत्री सीताक्का ने अधिकारियों को निर्देश दिये। लोक प्रशासन में महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया है। उन्होंने कि उन व्यवसायों में महिला संघों को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिनकी मांग है, व्यवसाय मॉडल क्षेत्र की वास्तविकताओं, लोगों की जरूरतों और संसाधनों की उपलब्धता के अनुकूल होना चाहिए। यदि आप स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वस्तुओं के आधार पर व्यवसाय करते हैं, तो आप चमत्कार हासिल कर सकते हैं। महिला समूहों को आधार केंद्र, मी सेवा केंद्र, पोल्ट्री, डेयरी व्यवसाय, कैंटीन और स्टार्ट-अप कंपनियां स्थापित करने के लिए ऋण सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने नई खुलने वाली महिला शक्ति कैंटीनों का स्वाद और साफ-सफाई अच्छी हो, इसका ध्यान रखने का आदेश दिया। महिला शक्ति कैंटीन एक ब्रांड के रूप में विकसित होने की आकांक्षा रखती है। पर्यटन केंद्रों, सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे और व्यस्त क्षेत्रों में महिला कैंटीन स्थापित करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने चिंता जताई कि मिलावट के डर से लोग बाहर का खाना खाने से कतराते हैं। दूध में भी मिलावट हो रही है।

इसीलिए अधिकारियों और महिला समूहों से मिलावटी सामान के खिलाफ युद्ध का आह्वान किया है। माहिला शक्ति कैंटीन की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। महिला समूहों के तत्वावधान में, ग्रामीण स्वादों, इप्पा पुवा लड्डू और नन्नारी जैसे पारंपरिक पेय को शहरों में पेश करने का सुझाव दिया गया है । मंत्री सीताक्का ने डीआरडीओ और अधिकारियों को बधाई दी जिन्होंने सरकारी स्कूल के छात्रों को समय पर स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराकर सरकार का नाम रोशन किया। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जनता का शासन उन ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय अर्जक बनाने की दिशा में काम कर रहा है जो साक्षर नहीं हैं। उन्होंने याद दिलाया कि ग्रामीण गरीबी उन्मूलन संगठन (एसईआरपी) का गठन कांग्रेस शासनकाल में हुआ था। वे इसे मजबूत करना और सेवाओं का विस्तार करना चाहते है। मंत्री सीताक्का ने कहा कि सरकार महिलाओं को साहूकारों और सूक्ष्म वित्त संस्थानों के उत्पीड़न से मुक्त करने के लिए महिला समूहों को ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में महिला संगठनों को एक लाख करोड़ का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे महिला समूहों के लिए अच्छे बिजनेस मॉडल की पहचान करें। डीआरडीओ जिले का दौरा कर महिला समूहों के अनुभवों को जानना चाहिए। इसके लिए एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाने का सुझाव दिया गया है। महिलाओं को दूसरों पर निर्भर हुए बिना आर्थिक रूप से अपने दम पर खड़े होने के लिए समर्थन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं का विकास होने के बाद वे सरकारों को कर्ज देने के स्तर पर आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि महिला संघों को धन्यवाद देने के लिए जल्द ही कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। महिला उद्योगपतियों के लिए भूमि आवंटन से लेकर सरकारी सब्सिडी तक कलेक्टरों को महिला संगठनों का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार तभी खुशहाल होगा जब महिला अच्छी होगी। परिवार खुश होगा तो समाज, राज्य और देश अच्छा होगा। मंत्री सीताक्का ने अधिकारियों से वित्तीय समस्याओं को खत्म करने के लिए खुद को तैयार करने का आह्वान किया क्योंकि वित्तीय समस्याएं ही सभी समस्याओं का मूल कारण हैं। अधिकारी महिला शक्ति के ब्राड एम्बेसडर हैं।

15 अगस्त को सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को एक और जोड़ी यूनिफॉर्म देने की तैयारी पूरी रहनी चाहिए। उन्होंने उनसे महिलाओं को करोड़पति बनाने के सीएम के लक्ष्य के अनुरूप अधिकारियों के रूप में कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के लिए जनसेवा से बढ़कर कोई संतुष्टि नहीं है। कार्यक्रम में टीजीआईआरडी के सीईओ कात्यायनी, पीआर एंड आरडी के विशेष आयुक्त शफी उल्लाह, ईएसडी आयुक्त रविकिरण, श्रीनिधि एमडी विद्यासागर रेड्डी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, डीआरडीओ और अतिरिक्त डीआरडीओ ने भाग लिया।

किशन रेड्डी ने कोयला खदानों के तेजी से संचालन पर जोर दिया

नई दिल्ली, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कोयला मंत्रालय के अधिकारियों के साथ कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों के प्रबंधन की समीक्षा के लिए बैठक की। मंत्री ने मुद्दों के शीघ्र समाधान के लिए राज्य सरकार और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित सभी हितधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर जोर दिया ताकि तेजी से मंजूरी सुनिश्चित की जा सके ताकि आवंटित कोयला ब्लॉकों को कम से कम समय में चालू किया जा सके। कोयले में आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए आयात को कम करने के लिए कोयले के अधिक उत्पादन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर आवश्यक संस्थागत मजबूती का समर्थन किया जा सकता है।

सभी कोयला ब्लॉक आवंटियों को नियमित आधार पर सुविधा प्रदान की जानी चाहिए ताकि कोयला खदानों को जल्द से जल्द चालू किया जा सके। अब तक, कोयला मंत्रालय ने 575 मीट्रिक टन की अधिकतम रेटेड क्षमता वाली 161 कोयला खदानों का आवंटन/नीलामी की है। जिनमें से 58 खदानों को खदान खोलने की अनुमति मिल गई है और 54 खदानें चालू हैं। पिछले साल इन खदानों ने कुल 147 मीट्रिक टन कोयला उत्पादन किया था, जो देश के कुल कोयला उत्पादन का 15% है। कैप्टिव/कमर्शियल कोयला खनिक मुख्य रूप से बड़े आकार के उपभोक्ता हैं जिनमें एनटीपीसी, पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल), पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल), कर्नाटक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल), वेदांता, हिंडाल्को, अडानी आदि शामिल हैं।

इसलिए, इन कंपनियों द्वारा अधिक उत्पादन से सीआईएल से कोयले की मांग पर दबाव कम होगा इसलिए, देश के विभिन्न उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर कोयला उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे मुद्रास्फीति को रोकने में मदद मिलेगी क्योंकि कोयला न केवल बिजली बल्कि इस्पात, उर्वरक, एल्यूमीनियम, सीमेंट, कागज, स्पंज आयरन आदि सहित अन्य सभी क्षेत्रों के लिए ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता और कोयले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, मंत्री ने सभी हितधारकों को कड़ी मेहनत करने और इस वर्ष के दौरान कैप्टिव/वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों से कम से कम 175 मीट्रिक टन कोयला उत्पादन हासिल करने की सलाह दी, जो 19% की वृद्धि दर्शाता है। वह 21 जून, 2024 को कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी के 10वें दौर का शुभारंभ करेंगे, जिससे कोयला ब्लॉक नीलामी और संचालन के लिए तेज गति की नींव रखी जाएगी

नीट पेपर लीक पर पीएम मोदी अपनी चुप्पी तोड़ें : सीपीएम

आरटीसी चौराहे पर नीट पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम की हैदराबाद शहर समिति ने आज आरटीसी चौराहे पर नीट पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और पेपर लीक की न्यायिक जांच की मांग की। इसने यह भी मांग की कि पीएम मोदी अपनी चुप्पी तोड़ें और लोगों को जवाब दें और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। सीपीएम राज्य सचिवालय सदस्य डीजी नरसिम्हा राव, शहर सचिव एम श्रीनिवास, शहर सचिवालय सदस्य के नागलक्ष्मी और एम दशरथ ने विरोध प्रदर्शन के दौरान बात की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि मेडिकल प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छात्र नीट पेपर लीक के कारण चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यूजीसी-नेट परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है, क्योंकि नेट परीक्षा का पेपर लीक हो गया है। उन्होंने मांग की कि नीट परीक्षा पेपर लीक मामले की भी जांच की जाए और आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतम स्तर की परीक्षाएं आयोजित करने में पूरी तरह विफल रही है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं आयोजित करने वाली एनटीए पूरी तरह से धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नीट के नतीजे घोषित करने की निर्धारित तिथि से 10 दिन पहले संसदीय चुनाव के नतीजों के साथ ही नीट के नतीजे घोषित करके अपनी गलतियों को छिपाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सबसे बड़ी गलती तकनीकी कारणों से कुछ छात्रों को ग्रेस मार्क्स देना है। उन्होंने कहा कि माकपा नीट पेपर लीक मामले की न्यायिक जांच और दोषियों को कड़ी सजा, छात्रों को न्याय और पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करती है।

श्रीवारी के साथ केवल स्कैन किए गए टोकन के लिए दर्शन

तिरुमाला, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने श्रीवारी मेट्टू फुटपाथ मार्ग के साथ 1200वीं सीढ़ी पर दिव्य दर्शन टोकन की स्कैनिंग फिर से शुरू कर दी है और गुरुवार को इसका ट्रायल रन किया गया है। जिन भक्तों ने श्रीवारी मेट्टू में दिव्य दर्शन टोकन लिए हैं, उन्हें 1200वीं सीढ़ी पर स्कैनिंग से गुजरना होगा अन्यथा उन्हें दर्शन कतार में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी जैसा कि पहले होता था। भक्तों से अनुरोध है कि वे इस बदलाव पर ध्यान दें और तदनुसार अपने दर्शन की योजना बनाएं।

अज्ञात हमलावरों ने की बदमाश की हत्या

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात को आसिफनगर में अज्ञात लोगों ने एक बदमाश की हत्या कर दी। अलीम, जिसके खिलाफ हबीबनगर पुलिस स्टेशन में हिस्ट्रीशीट दर्ज है, मल्लेपल्ली में एक शराब की दुकान के पास बैठकर शराब पी रहा था, तभी अज्ञात लोगों ने उसे चाकू मार दिया। आसिफनगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अलीम और एक अन्य व्यक्ति के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके दौरान उसके पेट में किसी नुकीली चीज से वार किया गया।

वह वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया और मामला दर्ज कर लिया गया है। हत्या के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर ली हैं और लोग अपने घरों की ओर भाग रहे हैं। पीड़ित की हत्या सार्वजनिक सड़क पर की गई, जिससे स्थानीय पुलिस अधिकारियों और बीट कांस्टेबलों की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।

अमरावती और पोलावरम धन सृजन के केंद्र हैं : चंद्रबाबू

अमरावती, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अमरावती और पोलावरम राज्य के लिए धन सृजन के केंद्र हैं और उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि पिछले शासकों की मूर्खता के कारण दोनों ही नष्ट हो गए। उन्हें इस बात पर गुस्सा है कि लोगों की राजधानी अमरावती का उपहास किया गया और बाधाएं पैदा की गईं। मुख्यमंत्री के तौर पर अपने दूसरे दौरे के तहत चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को अमरावती की राजधानी का दौरा किया।

उन्होंने वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा बनाए गए ढांचों और मलबे का निरीक्षण किया। जगन के सत्ता में आने के तुरंत बाद उंडावल्ली में प्रजा वेदिका के खंडहरों को ध्वस्त कर दिया गया था, जिसका उन्होंने सबसे पहले निरीक्षण किया। वहां से वे विधायकों और एमएलसी के लिए बनाए गए घरों का निरीक्षण करने निकले।बाद में उन्होंने अखिल भारतीय सेवा के न्यायाधीशों के लिए बनाए गए भवन परिसरों का निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने मंत्रियों के आवासीय घरों, राजपत्रित और अराजपत्रित अधिकारियों और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए बनाए गए अपार्टमेंटों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक संरचना के अंदर जाकर अधिकारियों से संबंधित फ्लैटों के क्षेत्र, सुविधाओं और योजना में डिजाइन के बारे में बात की। बाद में उन्होंने सीड एक्सिस रोड पर सीआरडीए भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र पोलावरम को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने और अमरावती की राजधानी को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आगे आया है। पोलावरम और अमरावती व्यक्तिगत मुद्दे नहीं हैं। लोगों ने लोगों के गठबंधन के लिए एकतरफा वोट दिया। राज्य के इतिहास में इतनी बड़ी सफलता कभी नहीं मिली। लोगों ने फैसला किया है कि वाईएस जगन मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त नहीं है और उनकी पार्टी को 11 विधानसभा सीटों तक सीमित कर दिया है। पिछले पांच वर्षों में, हमने देखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो राजनीति के लिए अयोग्य है और जो योग्य नहीं है, वह सीएम बन जाता है तो राज्य को कितना नुकसान होगा। पोलावरम और अमरावती परियोजनाएं किसी व्यक्तिगत मुद्दे से संबंधित नहीं हैं। वे व्यक्ति, वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। उनके माध्यम से धन का निर्माण होता है और सरकार को राजस्व मिलता है। लागू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रम बढ़ेंगे। लोगों को सशक्त बनाया जा सकता है।

अगर पोलावरम का काम पूरा हो जाए और नदियों को आपस में जोड़ने का काम पूरा हो जाए तो रायलसीमा समृद्ध क्षेत्र बन जाएगा। पिछली सरकार ने पोलावरम को गोदावरी में मिला दिया था। पोलावरम का अभिशाप बने व्यक्ति की मूर्खता के कारण लागत भी दोगुनी हो गई है।"

सीसीटीवी के माध्यम से जटिल मामलों की त्वरित जांच : तरुण जोशी

> कमिश्नरेट के अंतर्गत अपराध नियंत्रण में आईटी सेल की भूमिका सराहनीय

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त तरुण जोशी आईपीएस ने राचकोंडा आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत दर्ज कई महत्वपूर्ण और जटिल मामलों की जांच में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए राचकोंडा आईटी सेल की सीसीटीवी टीम को सम्मानित किया और नकद पुरस्कार प्रदान किया। आयुक्त ने मेडिपल्ली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चेन स्नैचिंग मामले, चेरलापल्ली क्षेत्र में संपत्ति मामले और भुवनागिरी क्षेत्र में चेन स्नैचिंग मामले जैसे कई अन्य जटिल मामलों को शीघ्रता से सुलझाने में आईटी सेल सीसीटीवी टीम के तकनीकी प्रयासों की सराहना की। कमिश्नर ने कहा कि राचकोंडा आईटी सेल की कुशल कार्यप्रणाली के कारण कई मामलों में असली आरोपियों को कम से कम समय में पकड़ा जा रहा है। सीपी ने सराहना की कि कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में चोरी, जबरन वसूली, सड़क दुर्घटना, महिलाओं और बच्चों के अपहरण जैसे कई मामलों में हर क्षेत्र में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे मजबूत सबूत प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर कमिश्नर ने सुझाव दिया कि आईटी सेल विभाग में सभी को अपने तकनीकी ज्ञान को और बेहतर बनाना चाहिए और नए तकनीकी संसाधनों का उपयोग करके मामलों की जांच को सुविधाजनक बनाना चाहिए। इस कार्यक्रम में आईटी सेल के एसीपी नरेंद्र गौड़, इंस्पेक्टर सुधाकर और अन्य स्टाफ को कमिश्नर के हाथों नकद पुरस्कार मिला।

तीन स्वर्ण पदक विजेता अनिल कुमार सम्मानित

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के अंतर्गत यदाद्री भुवनगिरि जिले में कर्तव्यों का पालन करते हुए "पैन इंडिया नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप" में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले हेड कांस्टेबल अंबोजू अनिल कुमार को राचकोंडा आयुक्त तरुण जोशी ने नेरेडमेट में राचकोंडा आयुक्त कार्यालय में सम्मानित किया। इनके अलावा, अनिल कुमार ने इसी साल 22 से 25 फरवरी तक थाईलैंड में आयोजित 28वीं एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2024 (एएमए) में 45 वर्ष वर्ग में चार पदक (1 स्वर्ण पदक, 3 कांस्य पदक) जीते। इनमें 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक और 800 मीटर, 1500 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक शामिल थे। कमिश्नर ने उम्मीद जताई कि सितंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के दौरान पुलिस विभाग हर तरह की सहायता प्रदान करेगा और भविष्य में और अधिक पदक जीतने की उम्मीद है। कार्यक्रम में सीएच श्रीकांत इंस्पेक्टर ने भाग लिया।

भाजयुमो ने बेरोजगारों के धरने का समर्थन किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बेरोजगारों द्वारा इंद्रा पार्क में आयोजित धरने में बेरोजगारों को न्याय दिलाने की मांग की गई। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष सेवेल्ला महेंद्र ने समर्थन जताते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद नौकरी के दावेदारों की छुट्टी कर दी जायेगी, ऐसा कहा गया है। इस मौके पर हालांकि पिछले कुछ दिनों से भाजयुमो के तत्वावधान में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, लेकिन सीएम रेवंत रेड्डी स्थिति पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बेरोजगारों के कल्याण के लिए जॉब कैलेंडर जारी करने की मांग की है। अन्यथा चेतावनी दी गई कि प्रदेश स्तर पर सभी केंद्रों पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम में भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश, तरूण, चितरंजन, अशोक, संदीप, अरविंद, नितिन, भरत, मनोहर, गोवर्धन, सिरिवेनाला, शेषी आदि शामिल हुए।

शराब की दुकान के पास नशे में धुत व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात हैदराबाद के आसिफ नगर इलाके में कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने 31 वर्षीय एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोहम्मद शेख अलीम (31) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह आसिफ नगर में एक शराब की दुकान के पास शराब पी रहा था, तभी उस पर कई अज्ञात व्यक्तियों ने हमला कर दिया। आसिफ नगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर वेंकटेश्वरलू ने बताया कि मामले के संबंध में कुल तीन लोगों की पहचान कर ली गई है और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि मृतक की पहचान मोहम्मद शेख अलीम (31) के रूप में हुई है। वह शराब की दुकान के पास शराब पी रहा था। अज्ञात लोग अचानक आए और उसे चाकू मार दिया।

मोंडा मार्केट के अध्यक्ष तलसानी शंकर यादव को श्रद्धांजलि दी गई

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के भाई व मोंडा मार्केट के अध्यक्ष तलसानी शंकर यादव को श्रद्धांजलि दी गयी। तलसानी शंकर यादव का बीते 10 जून को निधन हो गया और परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को सिकंदराबाद के एसवीआईटी ऑडिटोरियम में कार्यक्रम का आयोजन किया।

बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर, पूर्व मंत्री हरीश राव, महमूद अली, मल्लारेड्डी, श्रीनिवास गौड़, गंगुला कमलाकर, कोप्पुला ईश्वर, सबिता इंद्रा रेड्डी, मल्काजीगिरी के सांसद ईटेला राजेंदर, एलुरु के सांसद पुट्टा महेश कुमार यादव, वाविराजू रविचंद्र, मैदुकुरु के विधायक पुट्टा सुधाकर यादव थे। इस कार्यक्रम में एमएलसी मधुसूदनचारी, एग्गे मल्लेशम, बंदा प्रकाश मुदिराज, विधायक कालेरू वेंकटेश, सुधीर रेड्डी, प्रकाश गौड़, पूर्व सांसद लुबाडुगुला लिंगया यादव, विनोद राव, दासोजू श्रवण, पूर्व विधायक जयपाल यादव, अंजैया यादव, बोलम मल्लैया यादव, कांग्रेस पार्टी के नेता मैनमपल्ली हनमंथा राव, पूर्व निगम अध्यक्ष सोमा भरत कुमार, डुडीमेटला बालाराज यादव, एरोला श्रीनिवास, राजीव सागर, मंत्री श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, वीपी बिड़ला इलैया, लक्ष्मण, विधायक दानम नागेंदर, राज ठाकुर ने पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के भाई तलसानी शंकर यादव को श्रद्धांजलि दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.